प्रयागराज, रविवार 06 जुलाई 2025 से 12 जुलाई 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-27
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

अर्जेंटीना में मोदी- यह देश खड़ा फुटबॉल-करप्शन-पॉलिटिक्स से,100 साल पहले दें रहा था अमेरिका को टक्कर,100 साल में 7 बार दिवालिया हुआ

नयी दिल्ली। 70 के दशक में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री साइमन कुजनेट्स ने यह बात मजाक

में कही थी 'दुनिया में सिर्फ चार तरह की इकोनॉमी होती हैं, डेवलप्ड, अंडर डेवलप्ड, जापान और अर्जेंटीना।', लेकिन अर्जेंटीना के हालात बयान करने के लिए यह एक मशहूर वन लाइनर बन गया।जापान 2 परमाणु हमले झेलकर भी दुनिया का टॉप अमीर देश बन गया, जबकि 100 साल पहले अमेरिका के साथ सुपरपावर बनने की रेस में रहा अर्जेंटीना पिछड़ता चला गया।अर्जेंटीना ने 20वीं सदी में ऐसा पतन झेला, जिसकी इतिहास में दूसरी मिसाल मिलना काफी मुश्किल है। पिछले 100 साल में यह देश 7 बार दिवालिया हो चुका है। यहां 6 तख्तापलट हो चुके हैं।यह देश नेचुरल रिसोर्सेज से मालामाल होने के साथ दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण भौगोलिक लोकेशन पर मौजूद है। इसके बाद भी अस्थिर आर्थिक नीतियों से इसे मुश्किलों में फंसाए रखा है। पॉलिटिक्स, करप्शन और फुटबॉल का इसमें बड़ा योगदान है। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिन के दौरे पर यहां पहुंचे हैं। अर्जेंटीना के विशाल उपजाऊ मैदान को पम्पास कहा जाता है। यह पूरी दुनिया में सबसे उपजाऊ मैदानों में से एक है। प्रथम विश्वयुद्ध में जब यूरोपीय देश जंग में उलझे थे तो वहां खेती और कारोबार ठप हो गया। यूरोप के हालत का फायदा अर्जेंटीना ने उठाया। अर्जेंटीना से गेहूं, मांस, ऊन बड़े पैमाने पर यूरोप भेजा जाने लगा। अर्जेंटीना को 'दुनिया की ग्रेनरी' यानी 'अन्न भंडार' कहा जाने लगा। अर्जेंटीना में जब पैसे आए तो वहां यूरोप की कंपनियां पहुंचीं। उन्होंने रेल लाइनें, सड़कें और बंदरगाह बनाने में काफी निवेश किया। ब्यूनस आयर्स, रोसारियो और कोरडोबा जैसे शहर यूरोपीय शहरों को टक्कर देने लगे। इस दौरान यूरोप से लाखों प्रवासी अर्जेंटीना आए। अर्जेंटीना की तरक्की देख कई एक्सपर्ट्स दावे करने लगे कि यह देश अमेरिका के साथ अगला सुपरपावर बनेगा।एंगस मैडिसन जैसे इतिहासकारों की रिसर्च के मुताबिक 1925 में अर्जेंटीना की जीडीपी कनाडा, ब्रिटेन, स्पेन, इटली जैसे यूरोपीय देशों के बराबर हो चुकी थी। अर्जेंटीना दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल हो चुका था। लेकिन कुछ ही समय में स्थिति बदलने वाली थी। साल 1929 में अमेरिका में 'द ग्रेट डिप्रेशन' आया। इस महामंदी ने दुनिया की इकोनॉमी हिला दी। यूरोप और अमेरिका के पास पैसा कम हुआ तो डिमांड घटी। अर्जेंटीना को कम ऑर्डर मिलने लगे। वैश्विक व्यापार ठप पड़ने से अर्जेंटीना का कृषि निर्यात अचानक गिर गया। किसानों की आमदनी घटी, बेरोजगारी बढ़ी। अच्छी जिंदगी जीने की आदत डाल चुके लोगों में सरकार के लिए गुस्सा भर गया। आर्मी चीफ जनरल जोस फेलिक्स उरिबुरु ने इसका फायदा उठाया। उन्होंने राष्ट्रपति हिपोलिटो यरीगोयेन को गिरफ्तार कर लिया और राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया। इस तख्तापलट में एक बूंद खून नहीं बहा। हालांकि, जनरल उरिबुरु भी अर्जेंटीना की हालत सुधार नहीं पाए। 1931 में जनरल ने चुनाव का ऐलान कर दिया। 1932 में अर्जेंटीना में नई सरकार बनी। हालांकि, तख्तापलट का सिलसिला जो शुरू हुआ था आगे भी जारी रहा। 1930 से लेकर 1980 के बीच अर्जेंटीना में 6 बार सैन्य तख्तापलट हुए और सरकारें बदलती रहीं। इस अस्थिरता ने निवेशकों का भरोसा तोड़ा, उद्योग और कृषि को नुकसान पहुंचाया और विकास की रफ्तार रोक दी।साल 1943 में सैन्य तख्तापलट के बाद अर्जेंटीना में सेना के कब्जे वाली सरकार बनी। सैन्य सरकार ने 1944 में राष्ट्रपति पद पर एडेल्मिरो फर्रेल को बैठाया, लेकिन असल ताकत जुआन पेरोन के हाथ में चली गई। पेरोन ने अर्जेंटीना को मंदी से उबारने के लिए देश को दुनिया से अलग कर दिया।पेरोन ने विदेशी व्यापार पर पाबंदियां और ऊंचे आयात शुल्क लगाए, ताकि घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। इसका शुरुआती फायदा मिला। अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था में तेजी आई और लोगों का जीवनस्तर सुधरा। फिर कुछ ही सालों में आयात घटने और विदेशी पूंजी निकलने से महंगाई और वित्तीय संकट बढ़ने लगा। वित्तीय संकट बढ़ने से देश में पेरोन के खिलाफ माहौल बन गया। उन्होंने इससे निपटने के लिए प्रेस पर पाबंदी लगा दी। इतना ही नहीं, पेरोन ने चर्च से भी दुश्मनी मोल ले ली। पेरोन ने चर्च की ताकत कम

करने के लिए कुछ कानून बनाए और चर्च ने भी खुलकर पेरोन की आलोचना शुरू कर दी। कैथोलिक अर्जेंटीना में यह बड़ा मुद्दा बन गया।सेना शुरू में पेरोन के साथ थी, लेकिन जैसे-जैसे देश में असंतोष फैला, सेना ने उनसे दूरी बना ली। साल 1955 में सेना ने तख्तापलट कर दिया। पेरोन के जाने के बाद अर्जेंटीना की राजनीति में अस्थिरता का दौर शुरू हुआ, जिसमें अगली दो दशकों तक कई बार तख्तापलट और लोकतंत्र की कोशिशें होती रहीं। 1970 के दशक में सरकारों ने सामाजिक कार्यक्रम, मजदूरी बढ़ाने और कर्ज चुकाने के लिए खर्च बढ़ा दिया, लेकिन कमाई नहीं बढ़ी। खर्च चलाने के लिए सरकारों ने सेंट्रल बैंक से बेहिसाब नोट छपवाने शुरू किए। लगातार नोट छापने का नतीजा 1989 में हाइपरइन्फ्लेशन के रूप में सामने आया, जब महंगाई 3000फीसदी से ज्यादा हो गई। दुकानों पर कीमतें रोज बदलने लगीं और लोग नोटों से भरी थैलियां लेकर रोटी खरीदने जाते थे। अर्जेंटीना की करेंसी पेसो का भरोसा पूरी तरह खत्म हो गया। साल 1991 में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति कार्लोस मेनेम ने पेसो को अमेरिकी डॉलर से जोड़ने का फैसला किया। सरकार ने तय किया कि 1 पेसो की कीमत 1 अमेरिकी डॉलर के बराबर होगी। पेसो की वैल्यू डॉलर के बराबर रखने से अर्जेंटीना की करेंसी बहुत मजबूत हो गई। मजबूत करेंसी से अर्जेंटीना के सामान दुनिया में महंगे हो गए और एक्सपोर्ट घटने लगा। विदेश से सामान मंगवाना सस्ता हो गया, जिससे अर्जेंटीना के लोग बड़ी संख्या में विदेशी सामान खरीदने लगे। इससे लोकल फैक्ट्रियां और उद्योग कमजोर पड़ने लगे और बेरोजगारी बढ़ी। जब देश के डॉलर खत्म होने लगे और अर्थव्यवस्था चरमरा गई, तो सरकार इसे संभाल नहीं पाई। 2001 में पेसो की कीमत तेजी से गिर गई। बैंकों में लूटपाट जैसे हालत हो गए और देश कर्ज चुकाने में फेल होकर दिवालिया हो गया।जुआन पेरोन से लेकर बाद के नेताओं तक, अर्जेंटीना के नेताओं ने फुटबॉल को राष्ट्रीय गौरव और जनता का ध्यान भटकाने के साधन के तौर पर इस्तेमाल किया। जैसे कि 1978 के वर्ल्ड कप से पहले देश तानाशाही, ह्यूमन राइट्स के हनन और आर्थिक संकट में था, लेकिन सरकार ने वर्ल्ड कप को प्रोपगेंडा की तरह इस्तेमाल किया। अर्जेंटीना ने फाइनल जीता और लोग खुशी में डूब गए, जबकि देश में सेना के अत्याचार जारी रहे। 1978 के वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना ने स्टेडियम और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर आज के हिसाब से करीब 700 मिलियन डॉलर (6000 करोड़ रुपए) खर्च कर दिए, जबकि देश पहले से कर्ज और महंगाई में डूबा था। सरकारें जनता को खुश करने के लिए फुटबॉल में भारी निवेश करती रहीं, लेकिन जरूरी सुधार या उद्योगों में निवेश नहीं किया। नतीजा ये हुआ कि फुटबॉल ने अर्जेंटीना के नेताओं को राजनीतिक लोकप्रियता दिलाई, लेकिन देश आर्थिक रूप से पीछे चला गया।

जनता भी खेल के रोमांच में खो जाती थी और असली समस्याओं जैसे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी से ध्यान हट जाता था। अर्जेंटीना का फुटबॉल क्रेज नेताओं के लिए एक ताकतवर 'डिस्ट्रैक्शन' बन गया। सरकारें खेल के नाम पर जनता को खुश रखने के लिए फिजूल खर्च करती रहीं, और जरूरी आर्थिक फैसलों को टालती रहीं, जिससे अर्जेंटीना लंबे समय तक आर्थिक संकट से बाहर नहीं निकल पाया।

अफगानिस्तान में दुश्मनों के लिए 'कब्र'खोद रहा दोस्त रूस,चीन-पाकिस्तान से निपटने के लिए भारत कब लेगा वो फैसला

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस के तालिबान 2.0 शासन को औपचारिक रूप से मान्यता देने के

फैसले को भारत तुरंत नहीं अपनाएगा। लेकिन, रूस के इस कदम से भारत को इस क्षेत्र में अपनी रणनीति बनाने का मौका मिल सकता है। पिछले एक साल में भारत और काबुल के रिश्तों सुधार देखने को मिले हैं। भारत ने तालिबान 2.0 के साथ बातचीत बढ़ाई है। तालिबान ने भी पहलगाम हमले की निंदा की थी। भारत के रणनीतिक साझेदार रूस ने इसी हफ्ते तालिबान शासन को आधिकारिक तौर पर मान्यता दे दी है। इससे भारत को मदद मिल सकती है, क्योंकि काबुल और इस्लामाबाद के रिश्ते काफी बिगड़ चुके हैं और पाकिस्तान अपनी हर गुनाहों का दोष तालिबान पर मढ़ने के लिए तैयार बैठा रहता है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का कहना है कि रूस का तालिबान के प्रति झुकाव भारत के लिए अपनी बात रखने का एक नया मौका हो सकता है। सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, सिक्योरिटी एंड क्रिमिनल जस्टिस, राजस्थान के सहायक प्रोफेसर विनय कौरा का कहना है, 'तालिबान के साथ रूस के संबंध भारत को अपनी भूमिका निभाने का अवसर दे सकते हैं। मॉस्को, काबुल के साथ अपने नए रिश्ते में चीन पर निर्भरता से बचना चाहेगा। इससे भारत को क्षेत्रीय स्थिरता में रूस के साथ मिलकर काम करने का मौका मिलेगा। इससे हाल के वर्षों में जो रणनीतिक संतुलन बिगड़ा है, उसे फिर से ठीक किया जा सकता है।'हालांकि, भारत ने भी मई से अफगानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं फिर से शुरू की हैं। ये वीजा फिलहाल मुख्य रूप से बीमार लोगों को इलाज के लिए भारत आने के वास्ते दिए जाएंगे। यह फैसला हर तरह के मामले को देखकर किया जाएगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से फोन पर बात भी की थी। इसमें उन्होंने कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी को धन्यवाद दिया था। तालिबान की इस पहल से साफ संकेत है कि वह भारत के साथ रिश्ते सुधार कर रखना चाहता है, क्योंकि उसके लिए भी चीन और उसका पिट्ठू पाकिस्तान परेशानी का सबब बन चुके हैं।तालिबान शासन भी इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और चाबहार बंदरगाह का उपयोग वैश्विक व्यापार के लिए करना चाहता है। इससे पाकिस्तान के बंदरगाहों पर उसकी निर्भरता कम हो जाएगी। अफगानिस्तान को अभी पूरी तरह से पाकिस्तान के कराची बंदरगाह के भरोसे रहना पड़ रहा है, जो कि अब उसके लिए बहुत मुश्किल साबित हो रहा है। आईएनएसटीसी एक व्यापार मार्ग है जो भारत को रूस और यूरोप से जोड़ता है। चाबहार बंदरगाह ईरान में है और भारत के लिए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। तालिबान चाहता है कि इन दोनों मार्गों का उपयोग व्यापार के लिए किया जाए। इससे उसे पाकिस्तान पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। कौरा ने कहा, 'रूसी पहल से भारत को अपनी बात रखने का मौका मिल सकता है।' इसका मतलब है कि रूस के तालिबान के साथ अच्छे संबंध होने से भारत को अफगानिस्तान में अपनी भूमिका बढ़ाने में मदद मिल सकती है। रूस, चीन पर ज्यादा निर्भर नहीं रहना चाहता। इसलिए, वह भारत के साथ मिलकर काम कर सकता है। इससे क्षेत्र में शांति बनाए रखने में मदद मिलेगी। क्योंकि रूस भी भारत को अपना सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझीदार समझता है। वहीं, भारत और तालिबान के बीच भी रिश्ते धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। भारत ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता भी भेजी है। भारत, अफगानिस्तान में विकास परियोजनाओं को फिर से शुरू करने पर भी विचार कर रहा है। इसने पहले से वहां काफी निवेश भी कर रखा है।

वक्फ कानून-केंद्र सरकार ने नए नियमों का नोटिफिकेशन जारी किया:सभी वक्फ संपत्ति का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होगा, 90 दिन का समय मिलेगा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट

रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया है। ये नियम वक्फ संपत्तियों के पोर्टल और डेटाबेस, उनके पंजीकरण, ऑडिट और खातों के रखरखाव से जुड़े हैं। नए नियमों के तहत एक केंद्रीकृत पोर्टल और डेटाबेस बनाया गया है, जिसमें देशभर की वक्फ की पूरा रिकॉर्ड दर्ज होगा। इसमें वक्फ संपत्तियों की सूची अपलोड करना, नया पंजीकरण, वक्फ रजिस्टर का रखरखाव, खातों की जानकारी देना, ऑडिट रिपोर्ट प्रकाशित करना और बोर्ड के आदेशों को दर्ज करना शामिल है। वक्फ संपत्ति का प्रबंधक (मुतवल्ली) अपने मोबाइल नंबर और ईमेल के जरिए ओटीपी से लॉगिन करके पोर्टल पर रजिस्टर करेगा। इसके बाद वक्फ और उसकी संपत्ति का विवरण अपलोड कर सकेगा। नई वक्फ संपत्ति को बनने के तीन महीने के अंदर पोर्टल पर फॉर्म 4 में पंजीकरण कराना होगा। वक्फ बोर्ड पोर्टल पर फॉर्म 5 में वक्फ का रजिस्टर बनाए रखेगा। नए नियम वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत बनाए गए हैं, जो 8 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में वक्फ डिवीजन के प्रभारी संयुक्त सचिव इस पोर्टल और डेटाबेस की निगरानी और नियंत्रण करेंगे। राज्य को संयुक्त सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा। केंद्र की सलाह से सेंट्रलाइज्ड सपोर्ट यूनिट बनेगी।पोर्टल में रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा होगी। जिससे पंजीकरण, संपत्तियों की जानकारी, गवर्नेंस, कोर्ट केस, विवाद निपटारा, वित्तीय निगरानी और संसाधनों के प्रबंधन जैसे कार्य हो सकेंगे। साथ ही, सर्वे और विकास से जुड़ी जानकारियां भी इसमें शामिल होंगी।राज्य सरकार 90 दिनों के अंदर वक्फ की सूची और विवरण पोर्टल पर अपलोड करेगी। देरी होने पर 90 दिन का अतिरिक्त समय मिलेगा, लेकिन देरी का कारण बताना होगा।वक्फ संशोधन बिल (अब कानून) 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिल को 5 अप्रैल की देर रात मंजूरी दी थी। सरकार ने वक्फ संशोधन कानून को 8 अप्रैल से देशभर में लागू कर दिया था।

मराठी हमारी पहचान, हिंदुत्व हमारी आत्मा... 'जय गुजरात' नारे विवाद पर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की सफाई

मुंबई। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान 'जय गुजरात' का नारा लगाने को लेकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

की आलोचना हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिंदे ने कहा कि उन्होंने यह नारा वहां उपस्थित गुजराती समुदाय के सम्मान में लगाया था, जिन्होंने मिलकर एक भव्य खेल परिसर का निर्माण किया है। शिंदे ने कहा कि पुणे में 3-4 कार्यक्रम थे, जहां हमारे गुजराती भाई-बहन मौजूद थे। वे वर्षों से यहां रह रहे हैं। मराठी और गुजराती लोग मिलकर एकजुटता के साथ रहते हैं और उन्होंने मिलकर एक विशाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया है। मैंने कार्यक्रम में भाषण के बाद 'जय हिंद', 'जय महाराष्ट्र' और 'जय गुजरात' कहा। 'जय हिंद' हमारे देश की शान है, 'जय महाराष्ट्र' हमारे राज्य का गर्व है और 'जय गुजरात' इसलिए कहा क्योंकि गुजराती समाज ने मिलकर वहां खेल परिसर बनाया है। यह उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए था।उन्होंने आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग हमें आलोचना कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। मराठी हमारी पहचान है, हिंदुत्व हमारी आत्मा है। हमने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। मराठी भाषा के साथ कोई समझौता नहीं होगा। राज्य में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच हिंदी भाषा थोपने के मुद्दे पर जारी सियासी घमासान के बीच शिंदे ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष पर भारतीय संविधान और आरक्षण को लेकर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पाकिस्तान के झंडे भी नजर आए, तब मराठी प्रेम कहां चला गया था? इन्होंने झूठा नैरेटिव फैलाया कि संविधान खतरे में है और आरक्षण खत्म हो जाएगा। ऐसे फर्जी मुद्दों के जरिए वे चुनाव नहीं जीत सकते। हमारे काम के आधार पर हमें विधानसभा में भारी जनादेश मिला है और अब स्थानीय निकाय चुनाव भी आने वाले हैं। ऐसे में ये लोग वोट बटोरने के लिए इस तरह के मुद्दे उठाकर राजनीति कर रहे हैं। लेकिन जनता अब बहुत समझदार है, महायुति को ही जीत मिलेगी।बता दें कि यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब शिंदे ने पुणे के कोंढवा में श्री पूना गुजराती बंधु समाज द्वारा बनाए गए 'जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर' के उद्घाटन समारोह के दौरान 'जय गुजरात' के नारे से अपना भाषण समाप्त किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित थे। इस पूरे विवाद पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी शिंदे का बचाव किया और कहा कि इस मुद्दे पर बेवजह बवाल किया जा रहा है।

'वीडियो कॉल का स्क्रीनशॉट ही बेटे की आखिरी निशानी,मर्चेंट नेवी इंजीनियर का शव लखनऊ पहुंचा, शारजाह में शिप में मिले थे मृत

लखनऊ। 'आखिरी बार वीडियो कॉल पर बात हुई थीष्ठ मैंने स्क्रीनशॉट ले लिया थाष्ठ। देखिए... बहुत अच्छी तस्वीर आई थीष्ठ इतना कहते-कहते अनिल तिवारी रो पड़ते हैं। खुद को कुछ संभालते हुए कहते हैं- ये स्क्रीनशॉट ही अब बेटे की अंतिम याद है।' अनिल लेसा के पूर्व चीफ इंजीनियर हैं। उनके बेटे अनुराग तिवारी मर्चेंट नेवी में इंजीनियर थे जिनकी 29 जून को शारजाह पोर्ट पर शिप में मौत हो गई। माता-पिता लखनऊ में अपने बेटे के शव का इंतजार कर रहे हैं। 33 वर्षीय अनुराग शारजाह पोर्ट पर एक नई शिप शुरू करने गए थे। इंजन रूम में बेहोशी की हालत में मिले, फिर मौत हो गई। अब उनकी बॉडी शारजाह के फॉरेंसिक हॉस्पिटल में रखी है। परिवार ने भारत में न्याय और बेटे की वापसी की गुहार लगाई तो वहां से शव भेज दिया गया जो शनिवार दोपहर लखनऊ पहुंचा दिया गया है। बैकुंठ धाम में इंजीनियर अनुराग को अंतिम विदाई देने वालों की भीड़ लगी है। पिता ने कहा- मैंने बेटे से

बातचीत के दौरान वाला स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखा है। अब सारी ख्वाहिश खत्म हो गई है।अनिल तिवारी ने कहा 'मैं खुद बिजली विभाग में इंजीनियर रहा हूं, पर कभी नहीं जान पाया कि बेटा कितने जोखिम में काम कर रहा है। उसने कभी नहीं बताया कि वह किन हालात में है। बेटे का तीन साल का बेटा आदित्य बार-बार पूछ रहा है कि पापा कहां हैं? मैं क्या जवाब दूं उसेअनुराग की अंतिम बातचीत 27 जून की रात वीडियो कॉल पर हुई। 'उसने कहा था, पापा अब शिप पर रहूंगा। 28 जून को सिर्फ एक बार बात हो सकी। 29 जून की सुबह 4:29 बजे मैंने उसे 'बेस्ट ऑफ लक' लिखा। सुबह 7 बजे कॉल किया, नहीं उठा। रात 9:38 बजे कंपनी की ओर से बताया गया कि अनुराग शिप में बेहोश मिला है। उसे सीपीआर दी गई लेकिन बचाया नहीं जा सका।' पिता का गला भर आया। 'क्या पता था कि ये मेरी उससे आखिरी बातचीत होगीष्ठ।'अनुराग की पत्नी भव्या तिवारी एचडीएफसी बैंक में गोमतीनगर शाखा में सीनियर मैनेजर हैं। वह रोते हुए बोलीं- '20 जून 2021 को हमारी शादी हुई थी। सालगिरह पर बात हुई थीष्ठ अनुराग ने कहा था 'जल्दी लौटूंगा'। अब वह हमेशा के लिए चले गएष्ठ।' अनुराग की सास डॉ. ललिता पांडेय, नवयुग कन्या महाविद्यालय की रसायन विज्ञान विभाग की शिक्षिका हैं। उन्होंने कहा- 'दामाद से लगातार बात होती थी।

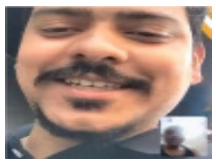

पत्नी का वीडियो कॉल उठाते ही, मौत:सीसीटीवी में दिखा हादसे का भयावह मंजर

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के हबूसा मोड़ पर हुए हादसे का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है।

हादसे में एक्सयूवी कार की भीषण टक्कर को साफ देखा जा सकता है। इस हादसे में कार ड्राइवर सहित ट्रैक्टर सवार बच्चे की मौत हो गई जबकि ट्रैक्टर ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया था।जिसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। झूंसी के अंदावा गांव निवासी मनोज सिंह शारदा दीन लॉ कॉलेज के प्रबंधक हैं। उनके तीन पुत्रों में दूसरा आशीष कुमार सिंह (35) भी कॉलेज में स्टाफ था। रात में आशीष घर का सामान लेने हनुमानगंज बाजार जा रहा था। हाबूसा मोड़ के पास पहुंचते ही अचानक पत्नी साक्षी का वीडियो काल आ गया। आशीष ने बिना सामने देखे काल रिसीव कर लिया। 120 की स्पीड से तेज रफ्तार कार मुड़ रहे ट्रैक्टर ट्राली से जा भिड़ी।जिसका सीसीटीवी वीडियो शनिवार को सामने आया है। वीडियो में कार तेज रफ्तार से ट्रैक्टर ट्राली से टकराती दिख रही है।टक्कर लगते ही कार सड़क पर राउंड कर गई।जिससे सड़क पर चिंगारी निकलती दिखी।हादसे के बाद आस पास के लोग कार के पास पहुंचे जहां ड्राइविंग सीट पर बैठे शख्स का सिर बुरी तरह फट गया था।स्थानीय लोगों के मुताबिक कार के ड्राइवर सीट का एयर बैग नहीं खुला था,जबकि बगल वाली सीट का एयर बैग खुला था।इस हादसे में ट्रैक्टर पर बैठे 11साल का सुमित पुत्र राम कैलाश की भी मौत हो गई थी। चचेरे भाई राहुल ने बताया कि आठ दिन पहले आशीष के चाचा की मौत हुई थी।और वह उन्हीं की मिट्टी में आया था। उस रात वह घर से निकला तो कुछ दूर जाने के बाद अपनी पत्नी को वीडियो काल किया और उससे बात करता हुआ कार चला रहा था।अचानक धड़ाम की आवाज आई,उसके बाद सब ब्लैक हो गया।थोड़ी देर बाद हमें दुर्घटना की सूचना मिली तो सब चिल्लाते हुए इधर उधर भागने लगे। दिसम्बर 2022 में आशीष का लव मैरिज रायबरेली की रहने वाली साक्षी से हुआ था। जिनका दो साल का बेटा भी है।शादी के बाद से वह पत्नी के साथ ससुराल में ही रहता था।कालेज के काम से अक्सर प्रयागराज आया करता था।

प्रयागराज में तेजी से बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर,गंगा 77 व यमुना 75 मीटर पर बह रहीं

प्रयागराज। प्रयागराज में जहां महाकुंभ मेले का आयोजन हुआ था वहां गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी

से बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने से संगम नोज अपने स्थान से करीब 500 मीटर पीछे आ गया। दुकानदार, तीर्थ पुरोहित आदि संगम के तट पर मौजूद रहते थे वह अब अपना सामान लेकर काफी पीछे तक आ गए हैं।भले ही गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ रहा हो लेकिन इस पर आस्था कहीं भारी है। लोग बड़ी संख्या में संगम क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। गंगा यमुना में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। यहां डेंजर लेवल 84.734 मीटर है लेकिन गंगा अभी फाफामऊ में 77.26 मीटर पर पहुंची हैं। इसी तहर छतनाग में 74.87 मीटर पर हैं। यमुना नदी की बात की जाए तो 75.35 मीटर पर हैं।गंगा और यमुना के आधा दर्जन से ज्यादा घाट बढ़ते जलस्तर से प्रभावित दिखने लगे हैं। किला घाट, वीआईपी घाट, राम घाट, दशाश्वमेध घाट, दारागंज तक जलस्तर में वृद्धि दिख रही है। दारागंज में कई जिलों के लोग अंत्येष्टि के लिए आते हैं। यहां अंत्येष्टि के लिए दिक्कतें हो रही हैं। वहीं, 1500 से ज्यादा नावें घाटों के किनारे खड़ी हो गई हैं। जल पुलिस की ओर से भी नाविकों को निर्देशित किया गया है कि जलस्तर बढ़ने से नाव के संचालन में खतरा बढ़ने की संभावना होती है, ऐसे में नाव का संचालन कम से कम किया जाए।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया, कि जनपद में 88 बाढ़ चौकियां बनाई गई हैं।

पीएनपी के सचिव ने बताया 2.80 लाख डीएलएड अभ्यर्थियों के रिजल्ट अगले सप्ताह,डीएलएड वर्ष 2022 के चौथे व वर्ष 2023 के दूसरे सेमेस्टर का आएगा रिजल्ट

प्रयागराज। डीएलएड के 2 अलग-अलग सत्रों की परीक्षा का

रिजल्ट अगले सप्ताह घोषित होने जा रहा है। करीब 2.80 लाख अभ्यर्थियों का रिजल्ट आएगा। सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि डीएलएड के वर्ष-2022 के चतुर्थ सेमेस्टर में 90 हजार अभ्यर्थी हैं। जबकि डीएलएड के वर्ष-2023 के द्वितीय सेमेस्टर में 1.90 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी है जिसका रिजल्ट तैयार हो रहा। अगले सप्ताह रिजल्ट घोषित होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों सत्रों का रिजल्ट एक साथ तैयार हो रहा है।

प्रयागराज के 703 शिक्षकों को मिला स्वैच्छिक तबादला प्रयागराज में परिषदीय स्कूलों के 703 शिक्षकों का स्वैच्छिक तबादला हुआ है। यह अंतःजनपदीय तबादला नीति से किया गया है। बीएसए देवव्रत सिंह ने तबादले वाले शिक्षक्र व शिक्षिकाओं को अब कार्यमुक्त और कार्यभार संभालने का कार्य तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि 2-3 दिन में तबादले वाले शिक्षकों को कार्यमुक्त कर उनको नये विद्यालयों में कार्यभार सौंपा जा रहा है जिससे कि शिक्षण कार्य प्रभावित ना होने पाए।

महाकुंभ की स्ट्रीट लाइटों से सजेगी प्रदेश की सड़कें, सभी नगर निगमों को देने की तैयारी

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान मेला क्षेत्रों को रौशन करने वाली स्ट्रीट लाइटों से अब प्रदेश के

विभिन्न शहरों की सड़कें रौशन होंगी। इसके लिए प्रदेश के सभी नगर निगम को मेला क्षेत्र में लगी एलईडी लाइटों को दिया जाने की तैयारी शुरू हो गई। इससे प्रयागराज के साथ ही प्रदेश के अन्य नगर निगमों की सड़कें भी चमक उठेंगी। प्रयागराज में जनवरी माह में आयोजित महाकुंभ को रौशन करने के लिए सरकार की तरफ से 40 हजार एलईडी लाइटों को लगाया गया था। अब इन लाइटों का उपयोग प्रदेश के अलग-अलग शहरों में किया जाएगा।इसमें बड़ी संख्या रिचार्जेबल लाइटों की है। जिससे बिजली का खर्च भी बचेगा और शहर की सड़कों की खूबसूरती भी बढ़ेगी। प्रयागराज के मेयर गणेश केसरवानी ने बताया कि इन लाइटों के आवंटन की प्रक्रिया शासन की तरफ से शीघ्र शुरू होने वाली है। महापौर गणेश केसरवानी ने बताया कि महाकुंभ के खत्म होने के बाद वहां से निकली इन स्ट्रीट लाइटों के आवंटन प्रक्रिया में प्रयागराज भी शामिल है। उन्होंने शासन से प्रयागराज को दस हजार स्ट्रीट लाइटें देने की मांग की है। जल्द ही इनका आवंटन होने के बाद उसे शहर में लगाने का कार्य कराया जाएगा। इसमें नगर निगम प्रयागराज के विस्तारित क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। जिससे वहां पर लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके।

फूलपुर में स्कॉर्पियो मोनो पैनल से टकराई,5 लोग घायल,एक को गैस कटर से काटकर निकाला

प्रयागराज। फूलपुर में पीएनबी स्थानीय लोगों ने गैस कटर की मदद

बैंक के सामने एक स्कॉर्पियो मोनो पैनल से टकरा गई। हादसे में गाड़ी में सवार पांच लोग घायल हो गए।घटना बीती रात की है। सराय इनायत थाना क्षेत्र के पांच लोग राधे पैलेस लोचन गंज से निमंत्रण कार्यक्रम से लौट रहे थे। फूलपुर थाना क्षेत्र के पीएनबी बैंक के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर मोनो पैनल से टकरा गई। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई और 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने चार लोगों को बाहर निकाला। एक व्यक्ति गाड़ी में फंसा हुआ था। पुलिस और से उसे निकाला। सभी घायलों को पहले फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना में स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त गाड़ी को हटवाया। घटना के कारण कई घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे में डिवाइडर का निर्माण पूरा न होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। पुलिस घायलों की पहचान अभी नहीं कर पाई है।

एमपी प्रमोद तिवारी बोले,मथुरा विवाद मे भाजपा व उसके लोग,हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत,कहा- मंदिर और मस्जिद अलग-अलग

प्रयागराज।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यह आस्था का विषय है, विवाद का

शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में अपना फैसला सुनाया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में डिप्टी लीडर प्रमोद तिवारी ने इस फैसले का स्वागत किया है। तिवारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें और साक्ष्य सुनने के बाद शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा मानने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने 23 मई 2025 को जजमेंट रिजर्व किया था। फैसले में स्पष्ट किया गया है कि मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मंदिर और शाही ईदगाह मस्जिद दोनों अलग-अलग हैं। कांवड़ यात्रा के मुद्दे पर भी तिवारी ने नहीं। कांवड़ यात्रियों को सुविधा और सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने उत्तराखंड, यूपी और दिल्ली की सरकारों पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकारों को इनका पालन करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के नाम पर भय और आतंक नहीं फैलाया जाना चाहिए। सरकार सुप्रीम कोर्ट से बड़ी नहीं है, इसलिए उसे कोर्ट के आदेशों का पालन करना आवश्यक है।

छात्रों के व्यक्तित्व के मूल्यांकन का सर्टिफिकेट देगा यूपी बोर्ड,प्रयागराज में 7 से शुरू हो रहा चार दिवसीय कार्यशाला, विभिन्न विभागों के 60 विशेषज्ञ होंगे शामिल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड यानी उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद अब 10वीं और 12वीं की यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रश्नपत्रों का मानकीकरण

परीक्षा के प्रश्नपत्रों की रूपरेखा नए सिरे से तैयार करने जा रहा है। इसके लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और यूपी बोर्ड 7 जुलाई से गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान झूंसी में कार्यशाला आयोजित करने जा रहा है। कार्यशाला में होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (बहुआयामी प्रगति पत्र) को विकसित करने पर भी विस्तार से चर्चा होगी। यह प्रगति पत्र 9वीं कक्षा से लेकर 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को वार्षिक परीक्षा के बाद मिलने वाले अंकपत्र, सह प्रमाणपत्र के अलावा दिया जाएगा जिसमें छात्र-छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व का मूल्यांकन (शिक्षणेत्तर) अंकित होगा। इसमें एनसीईआरटी के रिसोर्स पर्सन के करीब 60 विशेषज्ञों और अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे। और देशभर के अन्य शैक्षणिक बोर्ड के समान करना है। कार्यशाला में यूपी बोर्ड के शैक्षणिक कार्यों से जुड़े विशेषज्ञों एवं अधिकारी, एससीईआरटी की इकाईयों राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान एलनगंज प्रयागराज, राज्य शिक्षा संस्थान प्रयागराज, आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान प्रयागराज और राज्य हिन्दी संस्थान वाराणसी के विशेषज्ञ, प्रदेश के विभिन्न जिलों से विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे। एनसीईआरटी के अभियान प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा एवं समग्र विकास के लिए ज्ञान का विश्लेषण (परख) के तहत इसका आयोजन हो रहा है। कार्यशाला संयोजक और यूपी बोर्ड के अपर सचिव शोध डॉ. स्कंद शुक्ल ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद प्रश्नपत्रों के लिए दिशा-निर्देश तैयार होंगे।

लखनऊ में थूककर दूध सप्लाई करने वाले का सीसीटीवी,सालों से दूध बेचने वाला पप्पू निकला मोहम्मद शरीफ,हिंदू संगठनों में आक्रोश

लखनऊ।लखनऊ में एक दूधिया की घिनौनी हरकत सीसीटीवी में कैद

हुई है। वह घर की बेल बजाता है। जब तक कोई गेट खोलकर बाहर आता है तब तक में वह दूध में थूक चुका होता है। मामला पॉश एरिया गोमतीनगर का है। बताया जा रहा है कि यह दूधिया अपना नाम पप्पू बताता था, लेकिन अब दूध में थूकने का वीडियो सामने आने के बाद इसका असली नाम भी सामने आया है। इसका असली नाम पप्पू नहीं, मोहम्मद शरीफ है। इस घटना के सामने आने के बाद हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश है। कई परिवार सालों से इसी से दूध ले रहे थे। एक परिवार ने जब इसकी हरकत सीसीटीवी पर देखी तो परिवार सन्न रह गया। परिवार ने सबसे पहले हिंदू संगठनों को इसकी सूचना दी। अखिल भारत हिंदू महासभा के लोग कई लोगों के साथ मिलकर गोमतीनगर थाने में तहरीर देने जाएंगे।वीडियो में देखा गया कि जैसे ही दूधिया दूध के डिब्बे में दूध डालने को हुआ, उसने पहले उसमें थूका, फिर फूंक मार। इसके बाद वह ग्राहक के दरवाजे पर खड़े होकर उनके आने का इंतजार करने लगा। नाम पूछने पर पता चला कि उसका असली नाम मोहम्मद शरीफ है, लेकिन इलाके में वह 'पप्पू दूधिया' के नाम से जाना जाता है। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी का कहना है कि गोमती नगर में एक ब्राह्मण परिवार के घर में सालों से दूध देने वाला पप्पू का असली नाम मोहम्मद शरीफ है। इस मामले में सीसीटीवी में दिख रहा है कि पप्पू के थूकने के बाद घर में दूध देता है। इस मामले में हिंदू महासभा की तरफ से गोमतीनगर थाने में पप्पू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तहरीर दी जा रही है।

प्रयागराज में अपहरण का आरोपी अरेस्ट,कौड़िहार से पकड़ा गया 19 साल का युवक, अपहृता सकुशल मिली

प्रयागराज। अपराधियों के खिलाफ कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस

की सख्त मुहिम रंग ला रही है। इसी कड़ी में थाना नवाबगंज पुलिस टीम को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। एक अपहरण के मामले में वांछित चल रहे आरोपी बीरेन्द्र कुमार पुत्र पारसनाथ (उम्र लगभग 19 वर्ष), निवासी ग्राम भदरी करनजीत पट्टी, थाना बाघराय, जनपद प्रतापगढ़, को पुलिस ने शुक्रवार को कौड़िहार क्षेत्र स्थित पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार कर लिया। इसी केस से जुड़ी अपहृता को भी सकुशल बरामद कर लिया गया है। यह कार्रवाई मु.अ.सं. 240/2025, धारा 137(2)/87 भारतीय दंड संहिता, थाना नवाबगंज में दर्ज मामले के तहत की गई है। गिरफ्तारी की प्रक्रिया पुलिस आयुक्त प्रयागराज, अपर पुलिस आयुक्त, तथा पुलिस उपायुक्त (गंगानगर) के निर्देशन में एवं सहायक पुलिस आयुक्त (सोरांव) के नेतृत्व में पूरी की गई। पुलिस की इस कार्रवाई में शामिल टीम में उपनिरीक्षक उमेश कुमार, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार और महिला कांस्टेबल दीक्षा पाराशर की सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने सीमित समय में सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है, और पीड़िता के बयान दर्ज कराकर उसे न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि महिलाओं और किशोरियों के खिलाफ अपराधों को लेकर पुलिस पूरी तरह से सतर्क है और अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। थाना नवाबगंज पुलिस की इस कार्रवाई से न सिर्फ पीड़ित परिवार को राहत मिली है, बल्कि आम जनता में पुलिस की छवि और विश्वास भी मजबूत हुआ है।

प्रयागराज में चाकू से युवक का गला काटा,हाईवे पर शव रखकर जाम लगाया, परिजनों ने कहा- आरोपियों को अरेस्ट करो

प्रयागराज। प्रयागराज में दिन दहाड़े एक युवक की हत्या कर दी गई। युवक का गला चाकू से काट दिया गया। फिर चाकू से सीने में 3 से 4 वार किए गए। इसके बाद हमलावर युवक मौके से फरार

हो गया।मोहब्बतगंज से परिजन मौके पर पहुंचे। युवक अरशद अली की लहूलुहान बॉडी को रीवा हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया गया। दोनों तरफ की लेन को बंद करवा दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंची, शव को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया, मगर परिजन बोले कि आप आरोपी को पकड़कर लाइए, हम जाम खोल देंगे। इसके बाद ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लेकर जाइएगा।लाइन इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम और मौजूद फोर्स भीड़ को समझाने का प्रयास कर रही है। यह घटना नैनी के नए यमुना पुल डांडी चौराहे पर राजपूत ढाबे के पास की है।नैनी के मोहब्बतगंज में रहने वाले तस्लीम का 35 वर्षीय बेटा अरशद अली शुक्रवार की दोपहर को घर से निकला था। परिवार के मुताबिक, उसने आज अपना ई रिक्शा बेचा था। पैसा देने के लिए खरीदार ने बुलाया था, मगर उसको पैसा मिला नहीं था। फिर वह घर वापस लौट रहा था। यहां नए पुल पर उसके ऊपर हमला हो गया।घर में पत्नी रशीदा बेगम और तीन बच्चे रहमत, बरकत और बेटी आयात हैं। वह धनवान ग्राम प्रधान दिलीप तिवारी की कार भी चलाता था।हत्या के बाद पुल के पास मौजूद लोगों ने बताया कि हमला करने आया युवक चापड़ लेकर वहां अरशद का इंतजार कर रहा था। उसके आते ही हमला कर दिया। फिलहाल पुलिस हमलावर को ट्रेस करने की कोशिश कर रही.

जमीन विवाद में भाइयों में मारपीट,बड़े भाई को जमीन देने पर तीसरे भाई ने परिवार संग की पिटाई,केस दर्ज

प्रयागराज। कौंधियारा थाना के भाई भूपेंद्र सिंह को इस बात की

क्षेत्र में जमीनी विवाद ने भाई-भाई के रिश्ते को तोड़ दिया। खीरी में 52 वर्षीय उमेश सिंह को उनके भाई भूपेंद्र सिंह, भाभी माया सिंह और भतीजे विवेक सिंह ने लाठी-डंडों से पीट दिया। घटना का कारण उमेश सिंह द्वारा अपनी हिस्से की जमीन बड़े भाई पुष्पेंद्र सिंह को देने का फैसला था। उमेश ने बताया कि वे चार भाई हैं और अविवाहित हैं। उन्होंने बड़े भाई पुष्पेंद्र को जमीन देने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि उन्होंने ही सभी भाइयों की परवरिश की है। जब तीसरे नंबर जानकारी मिली, तो उन्होंने अपनी पत्नी और बेटे के साथ मिलकर उमेश पर हमला कर दिया। हमले में उमेश के सिर, पैर और सीने पर गंभीर चोटें आईं। घायल उमेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौंधियारा में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने कौंधियारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

करछना हिंसा मामले में आजाद समाजपार्टी का प्रशासन को ज्ञापन,निर्दोषों को रिहा करने की मांग

प्रयागराज। करछना क्षेत्र में 29 जून को हुई हिंसक घटना के बाद पुलिस कार्रवाई को लेकर आजाद वीडियो, फोटो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की मांग की गई है।एक अन्य मांग में कहा गया कि

समाज पार्टी के अधिवक्ता पैनल ने आज जिला प्रशासन से मुलाकात की। एडवोकेट उपेंद्र कुमार आजाद, मंडल संयोजक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी, एसीपी और एडीएम प्रयागराज को पांच सूत्रीय मांगों वाला ज्ञापन सौंपा। पार्टी का आरोप है कि घटना के बाद कई निर्दोष युवाओं को जेल भेजा गया, जबकि वे घटना स्थल पर मौजूद ही नहीं थे। इसके अलावा, पुलिस द्वारा लगातार घर में दबिश, गिरफ्तारी और पूछताछ के नाम पर उत्पीड़न की शिकायतें सामने आ रही हैं। ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग यह थी कि जिन लोगों का घटना से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, उनके नाम प्राथमिकी से हटाए जाएं और उन्हें गिरफ्तार न किया जाए। इसके लिए इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो और निर्दोषों को राहत मिले। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि घटना के दौरान घायल लोगों को मुआवजा दिया जाए। इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी मंडल प्रभारी अशोक कुमार, और अधिवक्ता पैनल के सदस्य रजनीश कुमार, जय नारायण सिंह, प्रकाश बौद्ध, दिनेश कुमार, विनय सिंह, आशीष कुमार, अन्नू बौद्ध, अतुलचंद्र रॉय, शिवप्रकाश, राकेश कुमार, आशीष रॉय, इमरान अली सहित कई वकील मौजूद रहे। प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच और संतुलित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

प्रयागराज में आकाशीय बिजली गिरने से व्यक्ति की मौत,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

प्रयागराज। प्रयागराज के कोरांव इलाके में शुक्रवार की शाम करीब

पांच बजे आकाशीय बिजली गिरने से भैंस चरा रहे बुर्जुग की मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर बुर्जुग के परिवार लोगों का रोना-पीटना मचा रहा। कोरांव थाना क्षेत्र के बिसरी गांव में रहने वाले सभा लाल पुत्र राम अभिलाष रोज की तरह ही शुक्रवार को भी अपनी भैंस चराने के लिए घर से गए थे। शाम को करीब पांच बजे गांव के ही एक तालाब के पास वह भैंस को चरा रहे थे। उसी समय अचानक मौसम का मिजाज बिगड़ा और तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी। जिसकी चपेट में आकर बुजुर्ग सभा लाल की मौके पर ही मौत हो गई। सभा लाल के परिवार में तीन पुत्रियां है। जिनकी शादी हो चुकी है। सभा लाल पांच भाइयों में दूसरे नंबर के थे। उनके भाई जय नारायण के बेटे अखिलेश कुमार ने बताया कि हादसे को लेकर पारिवारिक जनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सूचना पाकर थाना प्रभारी राकेश कुमार वर्मा भी मौके पर पहुंच गए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रेलगांव कॉलोनी में 50 फलदार पौधों का रोपण,नींबू, करोंदा, आंवला और अनार के पौधे लगाकर हरित परिसर की पहल

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के रेलगांव कॉलोनी सूबेदारगंज में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानसून के मौसम में कॉलोनी परिसर में 50 फलदार पौधे लगाए गए। इनमें नींबू, करोंदा, आंवला और अनार के पौधे शामिल हैं। मुख्य पर्यावरण प्रबंधक श्री शिव कुमार ने कार्यक्रम में विशेष संबोधन दिया। उन्होंने अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और हॉर्टिकल्चर कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सिंगल यूज प्लास्टिक न इस्तेमाल करने की अपील की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कॉलोनी परिसर को हरा-भरा बनाना है। साथ ही स्थानीय वातावरण को स्वच्छ और शुद्ध रखना है। श्री शिव कुमार ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा मिले, यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी स्थानीय निवासियों को दी गई है। रेल प्रशासन ने सभी कर्मचारियों और निवासियों से पौधों की देखभाल की अपील की है। इससे हरित रेलवे परिसर का लक्ष्य पूरा होगा।

प्रयागराज में झमाझम बरसात,लोगों को उमसभरी गर्मी से मिली राहत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 'असीम मित्रा' प्रयागराज। मौसम में

लगातार बदलाव के चलते होने वाली उमस प्रयागराज के लोगों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई। शनिवार को भी सुबह से ही आसमान में बादलों के आने-जाने का सिलसिला बना हुआ है। बीच-बीच में निकलने वाली कड़ी धूप लोगों के लिए परेशानी बनी हुई हैं। जिससे बिमारियों का भी खतरा बढ़ा हुआ हैं। शनिवार को झमाझम बारिश ने जहां लोगो को खुश कर दिया वहीँ कुम्भ के समय बानी कई सड़के जर्जर होने से लोगो के लिए परेशानी का सबब भी बना.वहीँ शनिवार को सफाई कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये है सफाईकर्मी न आने के वजह से हर जगह सफाई नही हो पायी और आज रविवार भी है जो की सप्ताहिक अवकाश रहता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जलवायु और समुद्र अध्ययन केंद्र के प्रो. शैलेंद्र राय ने बताया- अभी कुछ दिनों तक आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। रुक-रुक कर गरज-चमक के बारिश होने की संभावना बनी हुई है।दिन का तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले पांच दिनों तक इसी प्रकार की स्थिति बनी रहने की संभावना है। हालांकि बीच-बीच में तापमान बढ़ने की उम्मीद भी है। मौसम विभाग के अनुसार, अभी तीन से चार दिनों तक हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होगी। 10 जुलाई के बाद से प्रयागराज में तेज बारिश के आसार बने हुए हैं।ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि भारी उमस से शाम तक बारिश के आसार बन सकते हैं। दोपहर में अचानक बादलों ने अपना असर दिखाया और करीब दो बजे से जोरदार बारिश शुरू हो गई।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की याद में लगेंगे 10 हजार पौधे,प्रयागराज के 15 मंडलों के 1216 बूथों पर कल गोष्ठी व पौधारोपण का कार्यक्रम होगा आयोजित

प्रयागराज। आज 6 जुलाई को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती है। इसके उपलक्ष्य में भाजपा की ओर

से विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। भाजपा प्रयागराज महानगर द्वारा महानगर के सभी 15 मंडलों के कुल 1216 बूथों पर जयंती मनाई जाएगी। कार्यक्रम के तहत सभी बूथों पर गोष्ठी व पौधारोपण का आयोजन किया जायेगा। इसमें करीब 10 हजार पौधे लगाए जाएंगे। सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को आम, शीशम, बेल, अशोक, नींबू, आंवला, पीपल इत्यादि के पौधे वितरित किए जा चुके हैं। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि 6 जुलाई को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर समस्त 1216 बूथों पर यह आयोजन होने इस कार्यक्रम को सफल बनाने की रूपरेखा तैयार कर लें। कार्यालय पर पौधे उपलब्ध हैं। मंडल अध्यक्षों से अपील है कि अपने मंडल के बूथों पर कार्यक्रम को सफल बनाने की योजना तैयार कर लें। महानगर उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल को पौधारोपण कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह, देवेश सिंह, प्रमोद मोदी, राजन शुक्ला, आनंद श्रीवास्तव, राजेश गोंड, विजय श्रीवास्तव, अनुज कुशवाहा, विजय पटेल, अजय सिंह, सुजीत कुशवाहा, राजेश वेस्सरवानी, विवेक मिश्रा, दीप द्विवेदी, विश्वास श्रीवास्तव आदि इसमें सहयोग कर रहे हैं।

यूपी में प्राथमिक शिक्षकों का विरोध:विद्यालयों के मर्जर और प्रधानाध्यापक पद समाप्ति के विरोध में जनप्रतिनिधियों को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, इकाई प्रयागराज के बैनर तले जिले भर के

शिक्षकों ने प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन के जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में जनपद के सभी ब्लॉकों से आए शिक्षक प्रतिनिधियों ने जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को जोरदार तरीके से रखा। शिक्षकों का विरोध सरकार की उस नीति के खिलाफ है, जिसके तहत 150 से कम नामांकन वाले प्राथमिक विद्यालयों तथा 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक का पद समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, कई विद्यालयों के मर्जर की प्रक्रिया को भी शिक्षकों के हितों के विरुद्ध बताया जा रहा है।इस विरोध के तहत जिले के सभी ब्लॉकों में अभियान चलाया गया। शिक्षकों के प्रतिनिधि फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, फूलपुर विधायक दीपक पटेल, एमएलसी डॉ. केपी श्रीवास्तव, एमएलसी मान सिंह, ब्लॉक प्रमुख सैदाबाद राजेंद्र सिंह पटेल, प्रतापपुर ब्लॉक प्रमुख शैलेश कुमार यादव और मऊआइमा प्रतिनिधि इम्तियाज शमी से मिले और ज्ञापन सौंपा। जिला महामंत्री शिव बहादुर सिंह ने बताया कि यह विरोध प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार पूरे उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में 3 और 4 जुलाई को आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शिक्षकों की मांगें नहीं मानीं तो आगामी 8 जुलाई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा। इस आंदोलन को लेकर जिलेभर में शिक्षक समुदाय में भारी रोष व्याप्त है और वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे की रणनीति बना रहा है।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

लखनऊ में भीषण बरसात,सरोजनी नगर में मूसलाधार, कृष्णानगर में हल्की बारिश; मौसम विभाग ने जारी किया है यलो अलर्ट

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में 15 मिनट तक झमाझम बारिश हुई। सरोजनी नगर इलाके में मूसलाधार और कृष्णानगर में हल्की बरसात हुई। इसके चलते इन इलाकों में उमस से राहत मिली है। सुबह से हल्के बादल छाए थे। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज का राजधानी का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया जाएगा। दिन में एक से दो बार बारिश के आसार हैं।शुक्रवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.9 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक था। दिन में 0.2 मिलीमीटर बारिश हुई। पूरे दिन उमस भरी गर्मी का दौर बना रहा। लखनऊ में अभी तक 17.5 मिलीमीटर बारिश 1 जून से हुई है। जबकि सामान्य बारिश का औसत 112.5 मिलीमीटर है। इस दौरान बरसात 84 फीसदी कम हुई है।मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अभी लखनऊ में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अभी लगातार 3 दिन बारिश की संभावना बनी हुई है। इस बीच हल्की से भारी बारिश होगी। जालौन, इटावा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, हाथरस, मथुरा, कासगंज, औरैया कन्नौज, फर्रुखाबाद, अलीगढ़ में बिजली गिरने के साथ बारिश की संभावना है।प्रयागराज, चित्रकूट, महोबा, बांदा, कौशांबी, हमीरपुर, फतेहपुर, जालौन, कानपुर नगर, ललितपुर, झांसी, आगरा,, हाथरस, मथुरा, कासगंज, आजमगढ़, अंबेडकर नगर, देवरिया, अयोध्या, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कानपुर देहात, उन्नाव, औरैया, लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई, फर्रुखाबाद, सीतापुर, बहराइच, गोंडा, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, बरेली, पीलीभीत, रामपुर, अलीगढ़, बदायूं, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, संभल में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है।

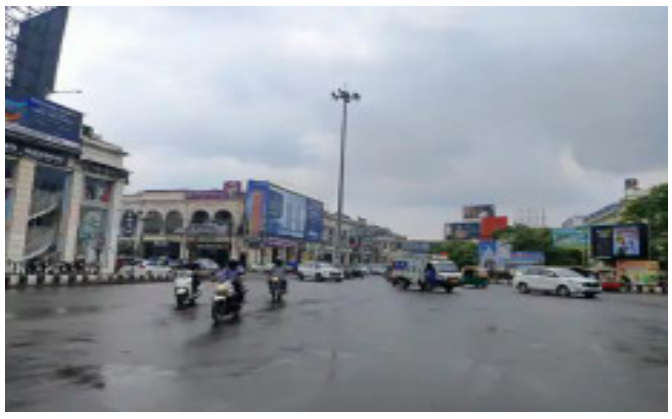

लखनऊ में बाथरूम में हिडन कैमरा लगाया,युवती के अंदर जाने पर लाइव देखता था मकान मालिक, विरोध करने पर रेप की कोशिश की

लखनऊ। लखनऊ में एक मकान मालिक ने किराये पर रहने वाली युवती के बाथरूम में हिडन कैमरा लगा दिया। यह कैमरा उसने वाईफाई से कनेक्ट कर लिया। युवती जब बाथरूम में जाती तो वह लाइव देखता था। एक दिन कैमरे का पता युवती को चल गया। उसने इसका विरोध किया। युवती का आरोप है कि कैमरे का विरोध करने पर मकान मालिक ने उसके साथ रेप करने की कोशिश की। इससे पहले उसने कमरे में बंद कर खुद को बचा लिया। पुलिस को बताने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। दुबग्गा पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मूलरूप से बहराइच निवासी युवती दुबग्गा इलाके में किराये पर रहती है। पीड़िता का आरोप है कि 24 जून को बाथरूम में नहाने गई थी। तभी उसकी नजर बाथरूम में लगे कैमरे पर पड़ी। कैमरा निकालने पर पता चला कि वह वाईफाई से कनेक्ट है। उसके कैमरा निकालते ही मकान मालिक बाथरूम के बाहर आ गया। पहले उसने माफी मांगी। पुलिस से शिकायत करने की बात कहने पर रेप की कोशिश करने लगा। किसी को बताने पर बहन से भी रेप करने और मां की हत्या करने की धमकी दी। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वकील ने कांग्रेस कार्यालय में महिला से रेप किया,आगरा में पीड़िता के घर पर कब्जा जमाया, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाता था

आगरा। आगरा में वकील ने अपनी महिला क्लाइंट को पिस्टल दिखाकर कांग्रेस कार्यालय में रेप किया। इसके बाद पीड़िता के घर पर जबरन आना शुरू कर दिया। धर्म परिवर्तन कराने और रोजे रखने का दबाव बनाने लगा। उसके घर में ही नमाज पढ़ने लगा। जब पीड़ित महिला ने इसका विरोध किया तो उस पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोपी वकील के खिलाफ रेप सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। घटना शाहगंज थाना क्षेत्र की है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा है। आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। दरअसल थाना शाहगंज क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित महिला ने बताया- जुलाई 2019 में भाइयों से मेरा विवाद हो गया था। इसके बाद मैं दीवानी कचहरी गई थी। वहां मेरी मुलाकात जलालुद्दीन से हुई। जलालुद्दीन ने अपने आप को वकील बताया। मैंने जलालुद्दीन को अपनी समस्या बताई। जलालुद्दीन ने मेरी मदद करने का भरोसा दिया। जलालुद्दीन पुत्र स्व सिराजुद्दीन निवासी सगीर फातिमा गर्ल्स इंटर कॉलेज परिसर अभी ताजगंज में रहता है। मैंने भरोसा करके जलालुद्दीन से सम्पर्क शुरू कर दिया। जलालुद्दीन ने मुझे अपने प्रेम जाल में फंसाना शुरू कर दिया। मेरे ऊपर पर बुरी नजर रखने लगा। 6 साल पहले जलालुद्दीन मुझे दवा दिलाने के बहाने एमजी रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर ले गया। पिस्टल दिखाकर मेरे साथ रेप किया। कहा कि अब तेरी इज्जत मेरे हाथ में है। अगर तूने पुलिस को बताया तो मैं तुझे बदनाम कर दूंगा। समाज में रहने लायक नहीं छोड़ूंगा। मैंने डर व बदनामी की वजह से घटना की जानकारी अपने दिव्यांग पति और परिवार में किसी को भी नहीं दी। जलालुद्दीन बदनामी का डर का दिखाकर मेरे साथ आए दिन घर आकर रेप करता रहा। मुझ पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डालने लगा। मेरे साथ शादी करने के लिए कहने लगा। मैंने मना कर दिया। महिला ने बताया कि मेरे पति दिव्यांग हैं और गुजरात में रहते हैं। शाहगंज में मैं अपनी बेटी और मां के साथ रहती हूं। इसका फायदा उठाकर जलालुद्दीन मेरे घर में आने लगा। घर में जब कोई नहीं होता तो वह मेरे साथ रेप करता। मेरी मां की मौत के बाद जलालुद्दीन ने मेरे घर पर कब्जा कर जमा लिया। वह मेरे घर में ही नमाज पढ़ता था। मुझसे रोजे रखवाता था। उससे निकाह करने और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाता था। मैंने जब विरोध किया तो 1 जनवरी दोपहर 3:20 बजे जलालुद्दीन ने मेरे ऊपर चाकू से हमला किया। मैं किसी तरह बच गई, जिसकी रिकार्डिंग भी मेरे पास है।इसके बाद जलालुद्दीन मुझे फोन पर लगातार बदनाम करने व जान से मारने की धमकी देने लगा। मैं 2 जुलाई को किसी तरह हिम्मत करके रिपोर्ट लिखवाने शाहगंज थाने गई। लेकिन मेरी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। मैंने दोबारा एसपी को प्रार्थनापत्र दिया। इसके बाद थाना प्रभारी शाहगंज को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया।पीड़ित ने बताया- बदनामी के डर से वो सब कुछ चुपचाप सहन कर रही थीं। वो आरोपी से इतना डरी हुई थीं कि अपने घर पर बाहर से ताला लगाकर अंदर बंद रहती थी। आरोपी घर पर आकर जोर-जोर से दरवाजा पीटता था। जब मेरी बेटी के एग्जाम थे तो मैंने 15 दिन होटल में रहकर बेटी को एग्जाम दिलाए। पुलिस ने बताया- एफआईआर दर्ज कर ली है। पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा है। आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।जिला शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष अमित सिंह का कहना है कि जलालुद्दीन ने महिला के साथ शादी की है। वो उनके साथ 4 साल से रह रहे थे। महिला ने जो आरोप लगाए हैं, उनकी जांच हो जाए। आरोप सिद्ध हो जाएंगे तो उन पर पार्टी कार्रवाई करेगी। इसके अलावा जिसे कार्यालय बताया जा रहा है, वो पार्टी का पूर्व में कार्यालय था। अब कार्यालय राजामंडी में है।

186 साल पुराना बावर्चीखाना,जहां 20 हजार लोग रोज खाते हैं,14 क्विंटल आटे से रोटी, 11 क्विंटल सब्जी बनती,मिट्टी के बर्तन में परोसत

लखनऊ। लखनऊ के छोटा इमामबाड़ा में मोहर्रम माह में 9 दिन तक शाही बावर्चीखाना (रसोई) चलती है। हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से संचालित इस शाही बावर्चीखाना से हररोज 20 हजार शाही तबर्रुक (शाही प्रसाद) तैयार किया जाता है। उसे शहर के इमामबाड़ों, मकबरों और कर्बलाओं में भेजा जाता है, जहां मजलिस सुनने वालों में इसे बांटा जाता है। इसके अलावा 325 नवाबीन-ए-अवध की फैमिली (शाही परिवार) को भी शाही तबर्रुक भेजा जाता है। छोटा इमामबाड़ा की यह परंपरा 186 साल पुरानी है। नवाब मसूद अब्दुल्ला वो नवाबीन-ए-अवध ताजदार मोहम्मद अली शाह के वंशज हैं। उन्होंने बताया कि 1839 में उनके पूर्वज मोहम्मद अली शाह ने इस शाही बावर्चीखाना की शुरुआत की थी। 186 सालों से उनकी परंपरा को जारी रखा जा रहा है। यहां पर बनने वाला तबर्रुक मजलिस में शामिल होने वाले लोगों तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए 47 लाख का बजट है। 5 दिन तले हुए आलू का सालन (रसेदार सब्जी), बाकरखानी (मीठी लाल रोटी) और खमीरी रोटी बांटी जाती है। बाकी चार दिन चने की दाल, खमीरी रोटी और बाकरखानी बंटती है। ये पूरी तरह वेज होता है। बावर्चीखाना के इंचार्ज मुर्तजा से बातचीत की। उन्होंने बताया कि 9 दिनों तक 24 घंटे काम होता है। बावर्ची समेत 60 लोग इस काम में लगे हुए हैं। तबर्रुक लकड़ी की धीमी आंच पर पकाया जाता है। इसमें देसी घी का प्रयोग होता है। गुणवत्ता का खास ख्याल रखा जाता है, इसलिए खाना बनाते समय कारीगरों पर पूरी नजर रखी जाती है।मुर्तजा ने बताया कि कुछ लोग रोटियां बनाते हैं। कुछ दाल और सब्जी तैयार करते हैं। कुछ लोगों की ड्यूटी तबर्रुक पहुंचाने में लगी हुई है। हर रोज 14 क्विंटल आटे की रोटियां और 11 क्विंटल आलू की सब्जी या 2 क्विंटल चने की दाल पकाई जाती है। उसे अच्छी तरह से पैक किया जाता है। उसके बाद इमामबाड़ों, मकबरों और कर्बला में बांटने के लिए भेजा जाता है। खास बात यह है कि यह तबर्रुक 325 शाही फैमिली को भी भेजा जाता है। लोगों को इसका इंतजार रहता है।

लखनऊ में आम महोत्सव पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश,तकनीकी सत्र का उद्घाटन किया, बोले- आम उत्पादकों को बड़ा मंच मिला

लखनऊ। लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आम महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने तकनीकी सत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने आम की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। किसानों, वैज्ञानिकों से खेती की बारीकियों पर बात की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सबसे पहले आम प्रदर्शनी हॉल में पहुंचे। उन्हें दशहरी, चौसा, लंगड़ा, आम्रपाली सहित कई किस्मों के आमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने इन किस्मों को ध्यान से देखा और किसानों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने आम के साथ फोटोशूट भी कराया।कार्यक्रम में किसानों ने आम की खेती के व्यावहारिक अनुभव साझा किए। एक किसान ने कहा- पेड़ को जिंदा रखना सबसे बड़ा चैलेंज है। कीट-पतंग और जानवरों से सबसे ज्यादा नुकसान होता है, खासकर जब पेड़ छोटे होते हैं। वहीं वैज्ञानिकों ने आम के पेड़ों को कीटों से बचाने, उनकी उत्पादकता बढ़ाने और नई तकनीकों के इस्तेमाल पर विस्तार से जानकारी दी।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- उत्तर प्रदेश के आम महोत्सव को लेकर देशभर में चर्चा है। मलिहाबाद और लखनऊ के लोग इस उत्सव का पूरे साल इंतजार करते हैं। हमारी सरकार ने आम उत्पादकों को एक बड़ा मंच दिया है, जहां वे देशभर के किसानों और वैज्ञानिकों से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा- हमारी सरकार किसानों के जीवन में बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। आज उत्तर प्रदेश गेहूं और गन्ना उत्पादन में देश में नंबर एक है, दूध उत्पादन में भी हम सबसे आगे हैं। अब बारी उद्यान विभाग की है, जो किसानों के लिए अद्भुत काम कर रहा है।

आगरा के इरादत नगर में एक फीट धंसा पुल:बैरिकेडिंग लगाकर रोकी गई आवाजाही, 1963 में बना था पुल

आगरा। आगरा के इरादत नगर कस्बे के पास पीडब्ल्यूडी का पुराना पुल धंस गया है। पुलिस ने बेरिकेडिंग कर दी है। एक फुट का अंतर पुल के दोनों हिस्सों में आ गया है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से आगरा-कानपुर- इटावा मार्ग प्रभावित हुआ है। इसी पुल से सैंया होते हुए ग्वालियर भी जा सकते हैं। लोग पैदल ही इस पुल से गुजर रहे हैं। 1963 में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पुल बनाया गया था। यह पुल 1972 की बाढ़ में भी क्षतिग्रस्त हुआ था। अब इस पुल के दो स्लैब में एक फुट का अंतर आ गया है। लोग इस पुल से गुजरने से डर रहे हैं। बता दें कि इस पुल से हर रोज लगभग 10 हजार लोग गुजरते हैं।यह पुल इरादत नगर कस्बे में है। लेकिन इससे होते हुए फतेहाबाद, सैंया, ग्वालियर, कानपुर, इटावा तक लोग निकलते हैं। सैंकड़ों वाहन यहां से गुजरते हैं। एक फुट का अंतर आने से वाहर नहीं निकल रहे हैं। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है। बैरियर लगाकर रस्सी भी बांध दी है। लोग अब पैदल ही अपना सामान लेकर इस पुल से गुजर रहे हैं। इस पुल की मरम्मत की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की है।पुलिस की बैरिकेडिंग से दोनों तरफ वाहन रुक रहे हैं। बाइक, कार, बड़े वाहन पुल से गुजर नहीं पा रहे हैं। दोनों तरफ लोगों की भीड़ लग रही है। लोगों को काफी परेशानी हो रही है। पुलिस के साथ ही गांव के कुछ लोग भी बैरिकेडिंग पर खड़े कर दिए गए हैं।

फार्माकोलॉजी के एचओडी रहे डॉ. सचान को अंतिम नोटिस,प्राइवेट प्रैक्टिस का है आरोप, केजीएमयू में जांच रिपोर्ट तैयार, इसी महीने रिटायरमेंट

लखनऊ। प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोपी डॉ. आमोद कुमार सचान के खिलाफ जांच कमेटी ने 150 पन्नों की रिपोर्ट केजीएमयू में पेश कर दी है। डॉ. सचान को एक सप्ताह के अंदर जवाब के साथ अपना पक्ष रखने का समय दिया गया है। केजीएमयू में शुक्रवार को कार्यपरिषद की बैठक हुई। इसमें डॉ. सचान के खिलाफ आरोप पत्र जारी कर दिया गया। यह बैठक कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद की अध्यक्षता में हुई। बता दें कि फार्माकोलॉजी विभाग एचओडी रहे डॉ. सचान इसी महीने रिटायर हो रहे हैं। अचानक बुलाई गई कार्यपरिषद की बैठक रिटायरमेंट से पहले शुक्रवार को उनके खिलाफ बनी जांच समिति की रिपोर्ट कार्य परिषद के सामने रखी गई। कार्य परिषद ने रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। इसमें प्राइवेट प्रैक्टिस, निजी संस्था में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर और प्राइवेट कंपनी से फायदा लेने के आरोप लगे। जांच रिपोर्ट पर डॉ.सचान को आरोप पत्र देकर जवाब मांगा है। उनके जवाब के बाद कार्रवाई का फैसला किया जाएगा। इस संबंध में 11 या 12 जुलाई को फिर से कार्यपरिषद की बैठक हो सकती है, जिसमें डॉ.सचान पर कार्रवाई हो सकती है।इस मामले में डॉ. एके सचान ने बताया कि बदले की भावना से मेरे खिलाफ कार्रवाई हो रही है। जबकि मैं बेकसूर हूं। मेरे के खिलाफ दर्ज शिकायतें झूठी, निराधार और मनगढ़ंत हैं। कुछ लोगों के बहकावे पर चार लोगों ने शिकायत की थीं। उन्होंने कहा- केजीएमयू जांच के दो शिकायतकर्ता बयान देने ही नहीं पहुंचे। मेरी पूर्व पत्नी और केजीएमयू के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए सेवानिवृत्ति से एक सप्ताह पूर्व यह कार्रवाई की जा रही। सचान पर उनकी पत्नी ने दर्ज कराया है केस डॉ एक सचान की पत्नी ऋचा मिश्रा शेखर अस्पताल की डायरेक्टर हैं। 2 मई को डॉ. ऋचा मिश्रा ने गाजीपुर थाने में सचान के खिलाफ शिकायत की थी। ऋचा मिश्रा ने कहा था 'मेरे पति साथियों के साथ मिलकर नकली दवाओं का धंधा करते हैं। अस्पताल का सीएमओ रजिस्ट्रेशन मेरे नाम पर है, इसलिए मैं विरोध करती हूं तो मुझे जान से मारने की धमकी देते हैं। 13 मार्च को मेरे साथ मारपीट की गई थी'। मामले में डॉ. सचान के साथ राकेश वर्मा, वरुण श्रीवास्तव, राजेश राय और दो अन्य के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। केजीएमयू में पहले भी कुछ फैकल्टी मेंबर को लेकर कार्य परिषद की बैठक में फैसला लिया जा चुका है। इनमें से कुछ पर संगीन आरोप लगे थे। जांच के बाद समिति ने कुछ चिकित्सकों को बर्खास्त तक किया था। वे 3 मामले जिनमें परिषद पहले दे चुका फैसला पहला मामलाः 24 दिसंबर 2012 में कार्य परिषद की बैठक में जनरल सर्जरी विभाग के डॉ. केके सिंह को बर्खास्त करने का फैसला सुनाया गया था। बाद में डॉ. केके सिंह ने इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी थी। दूसरा मामलाः 19 अक्टूबर 2019 को कार्य परिषद की बैठक में माइक्रो बायोलॉजी विभाग के प्रो. केपी सिंह को बर्खास्त करने का फैसला हुआ था। उन पर सीपीएमटी की परीक्षा में कुछ स्टूडेंट्स से एडमिशन के नाम पर पैसे लेने का आरोप था। साल 2014 में उन्हें निलंबित किया गया था। 2019 में कार्य परिषद ने बर्खास्त किया। तीसरा मामलाः अक्टूबर 2019 को हुई उसी बैठक में कंप्यूटर खरीद में अनियमितता की जांच से घिरे डॉ. आशीष वाखलू पर भी एक्शन हुआ था। उनको निलंबित किया गया था। डॉ.आशीष वाखलू पर छ्ळ सेल में खुद की कंपनी से सॉफ्टवेयर खरीदने और कॉलेज का पैसा दुरुपयोग करने का आरोप लगा था। आय से अधिक संपत्ति मामले में भी फंस चुके हैं साल 2014 में डॉ. एके सचान और शेखर हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. ऋचा मिश्रा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज हुआ था। 4 साल के दौरान दोनों के बैंक खातों में 10 करोड़ रुपए जमा होने के सबूत पेश किए गए थे। लोकायुक्त से कार्रवाई की मांग हुई और इसके बाद मामला दर्ज हुआ था। पति-पत्नी के 5 बैंक खातों की जांच हुई तो पता चला कि, बसपा सरकार के कार्यकाल में एक बैंक खाते में 78 लाख 90 हजार रुपए जमा हुए। दूसरे खाते में 2008 से 2011 के बीच 3 करोड़ 57 लाख 92 हजार रुपए जमा हुए। तीसरे खाते में 2012 में 1 करोड़ 77 लाख 85 हजार 165 रुपए जमा किए गए। चौथे खाते में 3 करोड़ 33 लाख 94 हजार 800 रुपए जमा हुए। वहीं, पांचवें बैंक खाते में 53 लाख रुपए जमा हुए थे। प्राइवेट प्रैक्टिस का भी आरोप लगा था। डॉ. एके सचान के खिलाफ प्राइवेट प्रैक्टिस का मामला भी उठ चुका है। उन पर केजीएमयू में स्थायी नौकरी के साथ ही प्राइवेट मेडिकल कॉलेज संचालित करने का आरोप भी लगा था। वह मामला हाईकोर्ट में है। इसके बावजूद, अभी तक केजीएमयू ने कार्रवाई नहीं की है। ईडी जांच के बाद वह मामला फिर से गर्म हो गया है। ईडी ने सीबीआई जांच के लिए लिखा है। हालांकि अब केजीएमयू प्रशासन, कार्य परिषद के सामने प्रस्ताव लाकर डॉ. सचान के खिलाफ फैसला लेने की बात कह रहा है।

ट्रेन से कीजिए भगवान श्रीराम से जुड़े स्थलों के दर्शन,25 जुलाई को दिल्ली से चलेगी, आगरा में कैंट स्टेशन से हो सकते हैं सवार

आगरा। भारतीय रेलवे अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन शुरू करने जा रहा है। इस ट्रेन के माध्यम से भगवान श्रीराम से जुड़े धार्मिक स्थलों के दर्शन किए जा सकेंगे। यह ट्रेन 25 जुलाई को दिल्ली के सफदरगंज रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। आगरा से जाने वाले श्रद्धालु कैंट स्टेशन से इसमें सवार हो सकते हैं। भारतीय रेलवे यात्रियों को भगवान श्रीराम से जुड़े धार्मिक स्थलों के दर्शन कराएगा। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) 25 जुलाई से अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन का संचालन करेगा। दिल्ली के सफदरगंज स्टेशन से शुरू होने वाली यात्रा के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को भगवान राम से जुड़े स्थल तक घूमने और श्रीराम के दर्शन

करने का मौका मिलेगा।आईआरसीटीसी की ओर से 25 जुलाई से शुरू होने वाली अयोध्या से रामेश्वरम तक रामायण यात्रा ट्रेन यात्रियों को श्रीराम से संबंधित 12 शहरों के धार्मिक स्थलों के दर्शन कराएगी। यह यात्रा 16 रात और 17 दिन की होगी। यात्रा के दौरान यात्रियों को ट्रेन में चाय, नाश्ता, दोपहर और रात को शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराएगा।श्रीरामायण यात्रा ट्रेन के लिए 11 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं। 25 जुलाई को ट्रेन दिल्ली सफदरगंज से चलेगी और गाजियाबाद, अलीगढ़, टूंडला जंक्शन, इटावा, कानपुर, लखनऊ, झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट और मथुरा से यात्री ट्रेन में सवार हो सकेंगे। अयोध्याः श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमान गढ़ी, राम पैड़ी नंदीग्रामः भरत-हनुमान मंदिर और भरत कुंड जनकपुर (नेपाल): श्रीराम जानकी मंदिर, धनुष धाम मंदिर और परशुराम कुंड सीतामढ़ी (बिहार): जानकी मंदिर और पुनौरा धाम बक्सरः राम रेखा घाट, रामेश्वरनाथ मंदिर वाराणसीः तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती सीतामढीः सीता समाहित स्थल (सीता माता मंदिर) प्रयागराजः त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर, भारद्वाज आश्रम श्रृंगवेरपुरः श्रृंग ऋषि मंदिर चित्रकूटः गुप्ता गोदावरी, श्रीराम घाट और सती अनुसुईया मंदिर नासिकः त्र्यंबकेश्वर मंदिर, पंचवटी (सीता गुफा और कालाराम मंदिर) हम्पीः अंजनाद्री पहाड़ी, विरुपाक्ष मंदिर और विट्?ठल मंदिर रामेश्वरमः रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी

वाराणसी में डिजिटल-अरेस्ट कर महिला से 81लाख की साइबर ठगी,आरबीआई में मनी लांड्रिंग केस के बहाने डराया, 3 दिन तक ऑनलाइन रहे अपराधी

वाराणसी। वाराणसी में साइबर अपराधियों ने महिला को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 81 लाख रुपए ठग लिए। अपराधियों के गैंग ने उसे तीन दिन ऑनलाइन रखा और उसके खाते से धीरे-धीरे पूरी नगदी निकाल ली। पैतृक संपत्ति बेचकर खाते जमा किए गए रुपए साइबर ठग ले गए। साइबर जालसाजों ने जब महिला का खाता साफ कर दिया तो अपने नंबर बंद कर लिए। इसके बाद शुक्रवार को पीड़िता ने परिजनों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद तहरीर देकर साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस संबंधित बैंक खातों, मोवाइल नंबरों की छानबीन कर रही है। कोतवाली थाना क्षेत्र के गोपाल मंदिर निवासी मौत्तू गोठी ने

साइबर क्राइम थाने की पुलिस को बताया कि 30 जून की शाम 4 बजे अनजान नंबर से फोन आया और कहा कि आपके नंबर से अश्लील मैसेज भेजे जा रहे हैं। आपके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का भी केस आरबीआई में दर्ज है। कहा कि यदि गिरफ्तारी से बचना है तो बिना किसी को कुछ जानकारी दिए बैंक खाते में जितनी रकम है, उसे आरबीआई के दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दें। इसके बाद उसके फोन में नेट बैंकिंग का आप्शन एक्टीवेट करवाया और एक जुलाई को वैरीफाई हो गया। इसके बाद सबसे पहले 1 जुलाई की शाम पहला ट्रांजेक्शन शुरू किया। उनके बताए हुए एकाउंट में एक जुलाई को 30 लाख रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद दो जुलाई को 37 लाख रुपये ट्रांसफर और 14 लाख रुपये आरटीजीएस किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति का खुद किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। दोनों काफी परेशान हैं। पैतृक संपत्ति बेवकर पैसा जमा किया था। वही रकम जालसाजी ने हड़प लिए। अब इलाज में दिक्कत आएगी। इस बारे में साइबर काइम थाना प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा ने बताया कि संबंधित बैंक खातों, मोवाइल नंबरों के आधार पर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी गिरफ्तार हो जाएंगे।

अमेरिका को क्लीन-एनर्जी से पीछे लेकर जा रहे हैं ट्रम्प

क्या आप पूर्व से आ रही उस जोरदार आवाज को सुन सकते हैं? चीन के 1.4 अरब लोग मिलकर हम

पर हंस रहे हैं! वे अपनी किस्मत पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि एआई के भारी बिजली-खपत वाले युग में ट्रम्प और उनकी पार्टी ने रणनीतिक आत्महत्या की तैयारी कर ली है।उन्होंने एक बिल पारित किया है, जो रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की अमेरिका की क्षमता को कमजोर करता है। और क्यों? क्योंकि ट्रम्प उन्हें ऊर्जा के 'लिबरल' स्रोत के रूप में देखते हैं, फिर भले ही आज वे एआई डेटा केंद्रों से आ रही अथाह मांग को पूरा करने के लिए हमारे बिजली ग्रिड को बढ़ावा देने के सबसे तेज और सस्ते तरीके क्यों ना हों। अब तो सऊदी अरब भी पश्चिम से प्राप्त किए जाने वाले एआई डेटा केंद्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा पर दोगुना जोर दे रहा है और ट्रम्प का 'बिग, ब्यूटीफुल बिल' इससे ठीक उलट करने पर आमादा है। यह सौर और पवन ऊर्जा के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के टैक्स क्रेडिट को समाप्त कर देता है। यह वस्तुतः इस बात की गारंटी देता है कि आने वाले समय में चीन सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक कारों-ट्रकों सहित ऑटोनोमस वाहनों का सिरमौर होगा। शुक्र है कि ट्रम्प और उनके दोस्तों ने 2036 तक उन कंपनियों के लिए बाइडेन-युग का टैक्स क्रेडिट सुरक्षित रखा, जो परमाणु रिएक्टर, पनबिजली बांध, जियोथर्मल संयंत्र और बैटरी भंडारण जैसी अन्य उत्सर्जन-मुक्त तकनीकें बनाती हैं। समस्या यह है कि अमेरिका में एक परमाणु संयंत्र बनाने में 10 साल तक का समय लग सकता है, और ट्रम्प के बिल ने बैटरी क्रेडिट में कुछ ऐसे जटिल प्रतिबंध जोड़ दिए हैं, जो प्राप्तकर्ताओं को चीन जैसी 'प्रतिबंधित विदेशी संस्थाओं' से संबंध रखने से रोकते हैं। ये प्रतिबंध इतने जटिल हैं कि क्रेडिट कई परियोजनाओं के लिए अनुपयोगी हो सकते हैं।संक्षेप में, यह बिल- जिसे स्वतंत्र ऊर्जा विशेषज्ञों या यहां तक कि एक भी वैज्ञानिक के साथ कांग्रेस की एक भी सुनवाई के बिना जल्दबाजी में पारित कर दिया गया है- निश्चित रूप से रिन्यूएबल एनर्जी में अरबों डॉलर के निवेश को जोखिम में डाल देगा। यह हजारों अमेरिकी श्रमिकों की नौकरियां भी खत्म कर सकता है। तो, एक झटके में यह बिल आपके एयर-कंडीशनिंग बिल को बढ़ा देगा, आपकी क्लीन एजर्नी की नौकरियों को कम कर देगा और अमेरिका के ऑटो उद्योग को कमजोर करते हुए चीन को खुश कर देगा। अमेरिका में जो एक व्यक्ति इस सबको अच्छी तरह से समझता है, वे इलॉन मस्क हैं। यह दुःखद है कि मस्क- जो निःसंदेह अमेरिका के सबसे महान मैन्युफैक्चरिंग इनोवेटर्स में से एक हैं- ने सरकारी कार्यबल में मनमानी कटौती के कारण मतदाताओं के सामने खुद को बदनाम कर लिया है। इसके चलते बहुत से लोग उस महत्वपूर्ण सत्य को नहीं समझ पाएंगे, जो मस्क अपने साथी अमेरिकियों को चीख-चीखकर बता रहे हैं कि ट्रम्प का बिल पूरी तरह से पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह अतीत के उद्योगों को बढ़ावा देता है और भविष्य के उद्योगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। और यह बात चीन जानता है। दूसरे शब्दों में कहें तो एआई मॉडल के लिए उत्पादित की जा सकने वाली सस्ती, क्लीन बिजली की मात्रा और किसी देश की भविष्य की आर्थिक और सैन्य ताकत के बीच इतना घनिष्ठ संबंध कभी भी नहीं रहा था। लेकिन ट्रम्प ने क्लीन एनर्जी नीति को अस्वीकार कर दिया है और अमेरिका की रिन्यूएबल एनर्जी इंडस्ट्री को घुटने टेकने के लिए कह दिया है। लेकिन चीन तो आज ऐसा नहीं कर रहा है।बहुत कम अमेरिकी यह समझ पाते हैं कि चीन इस मामले में हमसे कितना आगे जा चुका है और हर दिन और तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2000 में चीन ने सिर्फ 1,300 टेरावॉट बिजली का उत्पादन किया था, जबकि अमेरिका ने लगभग 3,800 टेरावॉट का (एक टेरावॉट एक मिलियन मेगावॉट के बराबर होता है)। जबकि आज चीन 10,000 टेरावॉट से ज्यादा बिजली का उत्पादन कर रहा है, जबकि अमेरिका ने 2000 से अब तक अपने आंकड़े में सिर्फ 500 टेरावॉट ही जोड़े हैं। चीन की बिजली वृद्धि का ज्यादातर हिस्सा कोयले से आया था, लेकिन हाल के वर्षों में यह हाइड्रो, सोलर, विंड और बैटरी स्रोतों के विस्तार से प्रेरित हुआ है। चीन दुनिया का पहला 'इलेक्ट्रोस्टेट' बनने की राह पर है, जहां इसकी ऊर्जा का बड़ा हिस्सा बिजली से आ रहा है और अर्थव्यवस्था तेजी से क्लीन टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित हो रही है। मस्क अपने साथी अमेरिकियों को चीख-चीखकर बता रहे हैं कि ट्रम्प का बिल पूरी तरह से पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह अतीत के उद्योगों को बढ़ावा देता है और भविष्य के उद्योगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से)

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द

मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है। वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है। पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए। वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है। जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं। थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है। फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं। पॉपकॉर्न बकेट, ड्रिंक सिपर्स, टीशर्ट जैसी ये नई चीजें ना सिर्फ लाखों की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि सिने प्रेमी अपने आनंद के लिए थिएटरों में आ रहे हैं और ऐसी कुछ चीजें लेकर वापस जा रहे हैं। ऐसे समय में जब बॉक्स ऑफिस बिक्री प्री-कोविड स्तर पर नहीं पहुंची है तो बड़ा मुनाफा देने वाली प्लास्टिक पॉपकॉर्न बकेट ही संभवतः थिएटरों के लिए बीते वर्षों में आई सबसे अच्छी खबर है। ये भी रोचक है कि ऐसे प्लास्टिक कंटेनर इकट्ठे करने की दीवानगी आने वाले कई वर्षों तक बनी रहने वाली है। यदि ऐसा नहीं तो आप बताइए कि 2027 की शुरुआत में रिलीज होने वाली 'सोनिक द हेजहॉग 4' और 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग सुपरनोवा' के लिए डिजायनर अभी से पॉपकॉर्न बकेट का प्रोटोटाइप तैयार करने में क्यों जुटे हैं? फंडा यह है कि यदि आपके पास मार्केटिंग की सही तकनीक है और आप उत्पाद खरीदने वाले विभिन्न आयु वर्ग के ग्राहकों की नब्ज समझ रहे हैं तो आप कुछ भी चीज, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं। बाहरी दुनिया पैसा खर्च करने के लिए तैयार है। क्या आप यह मौका भुनाने को तैयार हैं?

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया जा रहा?

(पवन के. वर्मा) मैं हाल ही मैं कश्मीर की एक यात्रा से लौटा हूं। जहां घाटी पहले की तरह खूबसूरत

है, वहीं वह पहलगाम हमले के बाद पर्यटकों की बेरुखी के चलते वीरान भी लग रही है। अपनी यात्रा के दौरान मुझे कई कश्मीरियों से बातचीत करने का मौका मिला। इनमें वहां के आम नागरिकों के अलावा डॉ. कर्ण सिंह, फारूख अब्दुल्ला, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय कृष्ण कौल, विजय धर और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जैसी हस्तियां भी शामिल थीं। लेकिन सभी के दिमाग में एक ही सवाल कौंध रहा था : जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा कब बहाल होगा?

एक केंद्र श?ासित प्रदेश के तौर पर जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति संघीय भावना और संविधान की लोकतांत्रिक प्रकृति, दोनों के ही खिलाफ है। हमें इसको लेकर कोई गफलत नहीं होनी चाहिए कि केंद्र शासित प्रदेश की व्यवस्था ही एक लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार की ताकत को सीमित करने के? लिए है। अपने आकार, आबादी और ऐतिहासिक विरासत के लिहाज से महत्वपूर्ण जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाना न सिर्फ बेतुका है, बल्कि बीते 75 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मौजूदा राज्य को केंद्र शासित बना दिया गया हो। सच कहें तो यह समझ से परे है कि केंद्र सरकार क्यों पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली को टाल रही है। 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति और जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देते वक्त गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में वादा किया था कि 'उचित समय आने पर' पूर्ण राज्य का दर्जा पुनः प्रभावी कर दिया जाएगा। अगस्त 2023 में भी केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन दिया था कि जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा अस्थायी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के ठीक शब्द ये थे : 'मैं आश्वस्त करता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य बनाने के लिए उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहे हैं।' मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने दिसंबर 2023 में निर्देश दिए थे कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा लौटा देना चाहिए। इसके लिए सितंबर 2024 तक चुनाव हो जाने चाहिए। चुनाव तो खैर सितंबर 2024 में ही हुए। वे स्वतंत्र और निष्पक्ष रीति से भी सम्पन्न हुए,? जिनमें 60 प्रतिशत मतदान हुआ। 90 सदस्यीय सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस को स्पष्ट बहुमत मिला और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने। लेकिन नवगठित विधानसभा ने सर्वसम्मति से जो पहला प्रस्ताव पारित किया, वह पूर्ण राज्य की बहाली की मांग करने वाला था। और इसके बावजूद केंद्र ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। 29 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ। हर कश्मीरी इस नृशंस हमले के विरोध में निडरता के साथ खड़ा था। व्यापारियों ने बाजार बंद किए, नागरिकों ने कैंडल-लाइट मार्च निकाले, मस्जिदों में लोगों में काली पट्टियां बांधीं और घाटी के मुख्य मौलवी मीरवाइज उमर फारूक ने हमले की निंदा की। सभी कश्मीरियों ने शोक जाहिर किया। यह पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध एकजुटता जताने का कश्मीरियों का अभूतपूर्व प्रयास था। वे साम्प्रदायिक हिंसा की पुरजोर मुखालफत कर रहे थे, जो उनके रोजगार पर भी चोट पहुंचाता है, क्योंकि कश्मीर में पर्यटन आय का बड़ा जरिया है। यही वह समय था, जब हमले के विरोध में कश्मीरियों की एकजुटता को देखते हुए केंद्र सरकार को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए थी। खासतौर पर इसलिए क्योंकि उमर अब्दुल्ला पर यह भरोसा किया जा सकता है कि वे केंद्र के साथ सकारात्मक तौर पर काम करेंगे। उमर अब्दुल्ला कोई गैरजिम्मेदार चरमपंथी नहीं हैं। लेकिन इसके बजाय केंद्र ने अंधाधुंध कार्रवाई करते हुए संदिग्ध आतंकवादियों के रिश्तेदारों और पड़ोसियों के घरों को ढहाना शुरू कर दिया, जो कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सीधा-सीधा उल्लंघन था। इसने पहलगाम हमले के बाद कश्मीरियों में समर्थन के लिए पैदा हुई भावना को भी धीरे-धीरे समाप्त कर दिया। इससे ज्यादा उन्हें यह भी अपमानजनक लगा? कि जिस मुख्यमंत्री को उन्होंने चुना था, उनकी कानून-व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं थी। उन्हें तो सुरक्षा अभियानों की जानकारी तक नहीं दी गई थी।

आखिरकार, सवाल यह नहीं है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा फिर मिलेगा या नहीं। सवाल यह है कि ऐसा अब तक किया क्यों नहीं गया? क्योंकि लोकतांत्रिक भारत की ताकत लंबे समय तक सत्ता कायम रखने में नहीं, बल्कि नागरिकों पर भरोसा करने की भावना में ही निहित है। पहलगाम हमले के विरोध में कश्मीरियों की एकजुटता को देखते हुए पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिए थी। उमर अब्दुल्ला पर भरोसा किया जा सकता है कि वे केंद्र के साथ सकारात्मक तौर पर काम करेंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

घोषणा-पत्र में किए गए वादे पूरे क्यों नहीं किए जाते हैं?

(डेरेक ओ ब्रायन) लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा ने 69 पृष्ठों

का घोषणा-पत्र प्रकाशित किया था। आइए, उस घोषणा-पत्र में किए गए कुछ वादों को देखें और यह पता करने की कोशिश करें कि आज उनकी दशा क्या है। 1. वादा : गरीब की थाली को सुरक्षित रखने के हमारे प्रयासों को विस्तार देना (पृष्ठ 11)। वास्तविकता : विश्व बैंक के अनुसार, आज 7.5 करोड़ भारतीय प्रतिदिन 225 रुपए से भी कम कमाते हैं। सबसे गरीब 5फीसदी लोग प्रतिदिन 68 रुपए खर्च करते हैं। जबकि एक शाकाहारी थाली की कीमत ही 77 रुपए है। 2. वादा : उच्च मूल्य वाली नौकरियां सृजित करना (पृष्ठ 14)। वास्तविकता : 46फीसदी कार्यबल कृषि में लगा है। हर पांच में से तीन स्वरोजगार कर रहे हैं, जो रोजगार का सबसे अच्छा तरीका नहीं है। 3. वादा : कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी (पेज 15)। वास्तविकता : 2018-23 के बीच, रोजगार-संबंधी गतिविधियों में लगी महिलाओं का अनुपात सिर्फ 2.3इ अंक बढ़ा। रोजगार-संबंधी गतिविधियों पर बिताया समय पांच वर्षों में सिर्फ 10 मिनट बढ़ा। महिलाओं के लिए श्रम बल भागीदारी दर पुरुषों की तुलना में आधी बनी हुई है। 4. वादा : महिला आरक्षण विधेयक लागू करना (पेज 16)। वास्तविकता : विधेयक 2023 में पारित हुआ। इसे जनगणना से जोड़ा गया, जो 2027 में पूर्ण होगी। जनगणना के बाद परिसीमन होंगे। इन दोनों के बाद ही विधेयक वास्तव में लागू हो सकता है। कब? 5. वादा : पीएम किसान योजना को मजबूत करना (पेज 22)। वास्तविकता : हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। 2018-23 के बीच, ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी में सालाना 0.4इ की गिरावट आई, जबकि कृषि मजदूरी में सालाना सिर्फ 0.2फीसदी की वृद्धि देखी गई। धनराशि बढ़ाने के संसदीय समिति के सुझाव को नजरअंदाज कर दिया गया। 6. वादा : ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब (पृष्ठ 42)। वास्तविकता : मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान 2023 में जीडीपी के 12.3फीसदी से घटकर 2024 में 4.5फीसदी हो गया, जो 2014 से भी नीचे है। पिछले दो वर्षों में, दस में से केवल एक व्यक्ति मैन्युफैक्चरिंग में कार्यरत है। 2015 और 2024 के बीच, मैन्युफैक्चरिंग एमएसएमई की संख्या में 2फीसदी से थोड़ी अधिक ही वृद्धि हुई। 7. वादा : ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का विस्तार (पृष्ठ 45)। वास्तविकता : चार वर्षों में, इस कवच को केवल 2फीसदी मार्गों और 1फीसदी से भी कम इंजनों में स्थापित किया जा सका है। इसकी प्रगति की वर्तमान दर को देखते हुए भारतीय रेलवे नेटवर्क में इसके क्रियान्वयन में कुछ दशक लग सकते हैं। 8. वादा : बुलेट ट्रेनों का विस्तार (पृष्ठ 46)। वास्तविकता : 2014 के रेल बजट में 60,000 करोड़ रुपए के अनुमानित व्यय के साथ बुलेट ट्रेन परियोजना की घोषणा की थी। आज 11 साल बाद 71,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने के बावजूद परियोजना का आधा से भी कम काम पूरा हो पाया है। 9. वादा : एक्सप्रेस-वे और रिंग रोड का विस्तार (पेज 47)। वास्तविकता : 2017 में सरकार ने भारतमाला परियोजना के तहत 34,800 किलोमीटर की परियोजनाओं की मंजूरी दी थी। हालांकि, इनमें से केवल आधा ही काम पूरा हो पाया है। परियोजना का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा तो अभी तक आवंटित भी नहीं किया जा सका है। 10. वादा : भ्रष्टाचार से निपटना (पेज 54)। वास्तविकता : पिछले एक दशक में ईडी द्वारा सांसदों, विधायकों और नेताओं के खिलाफ 193 मामलों में से केवल दो में ही दोषसिद्धि हुई है। पिछले 11 वर्षों में ईडी द्वारा कुल 5297 मामले दर्ज किए गए। केवल 47 मामलों को ही सुनवाई के लिए अदालत में ले जाया गया। दर्ज किए गए प्रत्येक 1000 मामलों में से केवल सात मामलों में ही आरोपी दोषी पाए गए। 11. वादा : एम्स को मजबूत बनाना (पेज 57)। वास्तविकता : पूरे भारत में एम्स अस्पतालों में 18,737 पद खाली पड़े हैं। इनमें से 2200 से अधिक पद फैकल्टी से संबंधित हैं। 12. वादा : युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण का विस्तार (पृष्ठ 60)। वास्तविकता : भारत में तीन में से एक युवा न तो शिक्षा, न ही रोजगार, न ही प्रशिक्षण में है, और इनमें 95फीसदी महिलाएं हैं। केवल 4फीसदी युवाओं को औपचारिक कौशल प्रशिक्षण मिला है। आज 7.5 करोड़ भारतीय प्रतिदिन 225 रुपए से भी कम कमाते हैं। सबसे गरीब 5फीसदी लोग प्रतिदिन 68 रुपए खर्च करते हैं। जबकि एक शाकाहारी थाली की कीमत ही 77 रुपए है। गरीब की थाली वाले वादे का क्या हुआ? (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेखक के सहायक शोधकर्ता धीमंत जैन हैं।)

भाषा पर राजनीति करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला

(राजदीप सरदेसाई)'इस देश में अंग्रेजी बोलने वाले जल्द ही शर्म महसूस करेंगे।' -केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह'मराठी बोलने वालों पर हिंदी थोपने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' -मनसे नेता राज ठाकरे'हिंदी के कट्टर समर्थक संकीर्ण मानसिकता वाले और राष्ट्रविरोधी हैं, जो हमारे विरोध को देशद्रोह मानते हैं।' -तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिनराष्ट्रीय सुर्खियों में लैंग्वेज-वॉर की धमाकेदार वापसी हो चुकी है! अलबत्ता भाषाई कट्टरता लंबे समय से राजनीतिक हथियार रही है, लेकिन हाल के दिनों में यह फिर सामने आई है, ताकि असल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। अमित शाह से शुरुआत करते हैं। अंग्रेजी के प्रति शाह की नाराजगी की जड़ में संघ परिवार की हिंदी-हिंदू-हिंदुस्तान वाली विचारधारा है। इसमें माना जाता है कि औपनिवे?शिक भाषा होने के नाते अंग्रेजी भारतीय संस्कृति के विरुद्ध है। लेकिन शाह ने अहमदाबाद के सेंट जेवियर्स कॉलेज में बायोकेमिस्ट्री की पढ़ाई की है, जो अंग्रेजी के प्रतिष्ठित संस्थान के तौर पर मशहूर है। उनके पुत्र जय शाह भी अहमदाबाद के लोयोला हॉल में पढ़े, जो नामीगिरामी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में से एक है। और इसके बावजूद शाह ने अंग्रेजी के प्रति तिरस्कार की भावना को कभी छुपाया नहीं है।शाह की ही तरह, ठाकरे बंधुओं ने भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजा। उन्होंने हिंदी में बातचीत करना और साक्षात्कार देना भी नहीं छोड़ा है। फिर भी उनकी राजनीति 'मराठी प्रथम' के इर्द-गिर्द घूमती रहती है ताकि सियासत के भीड़भाड़ भरे बाजार में उनकी अलग पहचान बनी रहे। यदि शाह का हिंदी-केंद्रित नजरिया नेहरूवादी कांग्रेस के खिलाफ भाजपा को राष्ट्रवादी ताकत बनाए रखने के? लिए है तो भाषा के मुद्दे पर ठाकरे बंधुओं की सियासत शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के मूल 'धरतीपुत्र' आंदोलन को फिर से खड़ा करने का प्रयास है। लेकिन यह जान लीजिए कि भले ही बाल ठाकरे गैर-मराठीभाषियों के विरुद्ध बोलते रहे हों, लेकिन उन्होंने अपनी पहली नौकरी अंग्रेजी के एक अखबार में कार्टूनिस्ट के तौर पर की थी। लेकिन आज जब शिवसेना के सामने अस्तित्व का संकट आ खड़ा हुआ है तो ठाकरे बंधु भाषाई अस्मिता के नाम पर प्रासंगिक बने रहने के जतन कर रहे हैं।एमके स्टालिन भी तमिलनाडु के लोगों पर हिंदी थोपने का जो मुद्दा उठा रहे हैं, वह राज्य में होने जा रहे चुनावों से पहले का एक चिर-परिचित सियासी औजार है। दरअसल, 1960 के दशक में द्रविड़ दलों का उदय ही हिंदी विरोधी आंदोलनों के तहत हुआ था। आज छह दशक बाद जब स्टालिन नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को तमिल बोलने वालों पर हिंदी थोपने का प्रयास बता रहे हैं तो इसके जरिए वे उत्तर-दक्षिण की जंग को फिर से सुलगाकर क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति के अगुआ के तौर पर खुद की छवि मजबूत करना चाहते हैं। लेकिन जहां वे 'तमिल प्रथम' का युद्धघोष कर रहे होते हैं, वहीं यह भी एक तथ्य है कि डीएमके चीफ के परिवार के बच्चे पढ़ने के? लिए विदेशी विश्वविद्यालयों में जा रहे हैं। याद रहे कि चेन्नई में अधिकतर निजी स्कूल ऐसे त्रिभाषा पाठ्यक्रम के लिए तैयार हैं, जिसमें हिंदी वैकल्पिक भाषा है।मुद्दा यह है कि समाजवादी-लोहियावादियों से लेकर हिंदुत्ववादी और क्षेत्रीय क्षत्रपों तक सभी राजनेता भले ही अंग्रेजी के खिलाफ जोर लगा लें, लेकिन ये सभी अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में ही भेजना पसंद करते हैं। कम से कम आधा दर्जन कैबिनेट मंत्रियों के बच्चे तो आज प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। अंग्रेजी अब औपनिवेशिक भाषा नहीं रही, बल्कि आशाओं और महत्वाकांक्षाओं की भाषा बन गई है। आप देश में कहीं भी जाइए, आपको तेजी से बढ़ रहीं अंग्रेजी कोचिंग कक्षाएं दिखेंगी। ये सभी नए भारत के सामाजिक स्तर को एक पायदान ऊपर उठने का मौका दे रही हैं। अंग्रेजी बोलने में शर्माने के बजाय युवा भारतीय इसमें महारत हासिल करना चाह रहे हैं। लेकिन देश के कई हिस्सों में अंग्रेजी शिक्षण की गुणवत्ता को वांछित स्तर तक लाने के ?लिए अभी बहुत प्रयास करने होंगे। यही कारण है कि गुजरात जैसे राज्य सेवा-क्षेत्र के मामले में पिछड़ गए हैं।

एक गलत इरादा समूचे उद्योग को बदनाम करता है

एन. रघुरामन कल्पना करें, आपके रिश्तेदार अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर के दवा पर्ची लिखने के बाद आप अस्पताल के मेडिकल से दवा लेने में व्यस्त हैं। सारे बिल संभालकर रख रहे हैं, क्योंकि बाद में बीमा लाभ का दावा करना चाहते हैं। अस्पताल में हुए ब्लड टेस्ट का भी बिल रखा। डॉक्टर्स ने आपकी लाई दवाएं दी और रिश्तेदार जल्द स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो गए। राहत की सांस लेकर आप घर लौट आए और अस्पताल खर्च की 15 हजार रु. से कम राशि के रिफंड के लिए आवेदन की तैयारी करने लगे। आपको भरोसा है कि बीमा कंपनी से इन बिलों को मंजूरी मिल जाएगी, क्योंकि बीमा खरीदने से लेकर अब तक आपने कोई क्लेम नहीं उठाया और दावे की राशि से साढ़े चार गुना रकम का भुगतान प्रीमियम के तौर पर कर चुके हैं। पर आप हैरत में रह गए जब कंपनी ने ना सिर्फ अस्पताल खर्च का दावा खारिज कर दिया, बल्कि प्रक्रियागत दोष-संदिग्ध धोखाधड़ी का हवाला देते हुए आपकी पॉलिसी भी रद्द कर दी। इतना ही नहीं, आपका नाम फ्रॉड अलर्ट डेटाबेस में भी दिखने लगा, जिसका मतलब है कि भविष्य में कोई बीमा कंपनी आपका बीमा नहीं करेगी और यदि किया तो आपके हर दावे को धोखाधड़ी के नजरिए से देखा जाएगा। हैरान हैं कि आखिरकार धोखाधड़ी कहां की? इसे समझने के लिए बेंगलुरु के 29 वर्षीय वीरेश राठौड़ की कहानी पढ़िए, जिन्होंने स्वयं के और बुजुर्ग माता-पिता के लिए 2022 में एक बीमा कंपनी से समूह बीमा पॉलिसी खरीदी। तीन वर्षों में उन्होंने कंपनी को 67 हजार 606 रु. का भुगतान किया और तब से अब तक कोई क्लेम भी नहीं लिया। अप्रैल, 2024 में उनकी मां को गंभीर गैस्ट्रोएन्टेराइटिस के उपचार के लिए स्थानीय शरभथी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मां को अस्पताल से डिस्चार्ज कराने के बाद राठौड़ ने 14 हजार 500 रुपए का पुनर्भुगतान दावा पेश किया, जो खारिज हो गया और निम्न कारण बताते हुए उनकी पॉलिसी भी रद्द कर दी गई। 1. कंपनी ने आरोप लगाया कि बिना किसी कल्चर सेंसिटिविटी टेस्ट के ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक दवा (पिपटाज) दी गई। 2. राठौड़ ने कथित तौर पर 5 डोज खरीदे, जबकि तीन ही उपयोग में आए। 3. डिस्चार्ज विवरण पर चिकित्सक के प्रमाणीकरण का अभाव है। 4. ब्लड रिपोर्ट्स पर टेक्निशियन के साइन थे, पैथोलॉजिस्ट के नहीं। अब आप बताएं कि एंटीबायोटिक्स के चयन, पहले किए जाने वाले टेस्ट, दस्तावेजीकरण में त्रुटि रहने में आपकी, मेरी या राठौड़ की क्या भूमिका है? आप उनसे ये अपेक्षा कैसे कर सकते हैं कि वे जानते होंगे कि किसी दवाई को देने से पहले टेस्ट जरूरी है? वे ये उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि हम जानते होंगे कि डिस्चार्ज विवरण कैसा दिखता है या हमें कैसे चैक करना चाहिए कि रिपोर्ट पर हस्ताक्षर टेक्निशियन के हैं या पैथोलॉजिस्ट के? इससे भी अधिक अचंभित करने वाली बात ये है कि कंपनी ने राठौड़ की पॉलिसी रद्द कर दी और उन्हें धोखापूर्ण दावा करने वाला व्यक्ति बताते हुए इंटरनल इंडस्ट्री अलर्ट भी जारी कर दिया, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और भविष्य में बीमा लेने की संभावना भी प्रभावित हुई। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण व बीमा लोकपाल में राठौड़ की अपील अनुत्तरित रही। तब उन्होंने 24 जून 2024 को उपभोक्ता मंच का दरवाजा खटखटाया। कंपनी ने कहा कि शिकायत निराधार है और ये विसंगतियां जानबूझकर की गई हेराफेरी की ओर इशारा कर रही हैं। पर साक्ष्यों की जांच के बाद आयोग ने कंपनी के तर्क खारिज कर दिए। 16 मई को उसे आदेश किया कि वह राठौड़ को मानसिक पीड़ा के लिए एक लाख का मुआवजा, दावा खारिज करने के लिए मय ब्याज 14,500 रु., कानूनी खर्च 10 हजार रु. का भुगतान करे और दंडात्मक क्षतिपूर्ति के तौर पर उपभोक्ता कल्याण कोष में 50 हजार रु. जमा कराए। बीमाकर्ता को निर्देश दिए कि वो शेष अवधि के लिए नई बीमा पॉलिसी जारी करे और बाद में रिन्यू करे। उसे फ्रॉड अलर्ट डेटाबेस से राठौड़ का नाम भी हटाना पड़ेगा। फंडा यह है कि किसी एक ग्राहक के साथ किसी एक प्रक्रिया में अपनाया बुरा इरादा समूची इंडस्ट्री के लिए खतरा बन सकता है। साफ इरादे रखना इंडस्ट्री के विकास में सहायक होता है।

काम एकसमान, लेकिन वेतन में भेदभाव,क्या कहता है कानून, जानें कहां और कैसे करें भेदभाव की शिकायत

नयी दिल्ली। हर व्यक्ति अपनी मेहनत के लिए उचित सम्मान और मेहनताना चाहता है। यह सिर्फ आर्थिक जरूरतों को पूरा करने की

बात नहीं है, बल्कि 'समान काम के लिए समान वेतन' का बुनियादी अधिकार है। इसके बावजूद वर्कप्लेस पर आज भी कई कर्मचारियों के साथ भेदभाव देखने को मिलता है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलना, अलग-अलग सेक्टर्स में मजदूरों का शोषण और प्राइवेट कंपनियों में जाति या क्षेत्र के आधार पर वेतन में अंतर जैसी विसंगतियां आज भी मौजूद हैं। जबकि भारतीय संविधान और कानून के मुताबिक, लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर किसी कर्मचारी के वेतन में भेदभाव नहीं किया जा सकता है। अगर कोई कर्मचारी समान जिम्मेदारी और मेहनत के बावजूद कम वेतन पा रहा है तो वह कानून के तहत न्याय पाने का हकदार है। लेकिन आखिर 'समान काम' की परिभाषा क्या है? अगर आपके साथ भेदभाव हो रहा है तो आप कहां और कैसे शिकायत कर सकते हैं? संविधान के अनुच्छेद 39 (डी) के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान काम के लिए समान वेतन मिलना चाहिए। इस सिद्धांत को लागू करने के लिए समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 (ल्ैं ास्ल्हीूगदर्हॅ्मू, 1976) बनाया गया है। यह कानून यह सुनिश्चित करता है कि किसी कर्मचारी के लिंग, जाति, धर्म या सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर वेतन में कोई भेदभाव न किया जाए।ऐसे मामले में बिना किसी डर या झिझक के अपनी आवाज उठानी चाहिए। यह आपका संवैधानिक और कानूनी अधिकार है कि मेहनत के मुताबिक सही वेतन मिले। असिस्टेंट वेलफेयर कमिश्नर रुद्र प्रकाश मिश्रा बताते हैं कि ऐसे मामलों में कर्मचारी कुछ कदम उठा सकते हैं। जैसेकि- सबसे पहले वेतन स्लिप, अपॉइंटमेंट लेटर और अगर संभव हो तो दूसरे कर्मचारियों के वेतन और काम की जानकारी, साथ ही काम के घंटे और जिम्मेदारियों का रिकॉर्ड रखें। आपके पास अगर कोई ईमेल, मैसेज या अन्य डॉक्यूमेंट हैं तो उन्हें भी सुरक्षित रखें। पहले कंपनी के अंदर शिकायत करें, खासकर एचआर विभाग या शिकायत निवारण समिति से संपर्क करें। अगर अंदरूनी शिकायत से समाधान न मिले तो राज्य के श्रम विभाग में शिकायत दर्ज कर सकते हैं।महिला कर्मचारी होने पर राष्ट्रीय महिला आयोग या राज्य महिला आयोग में भी शिकायत कर सकती हैं। अगर मामला गंभीर है और कहीं सुनवाई नहीं हो रही तो श्रम न्यायालय में केस दर्ज किया जा सकता है। इसके लिए वकील या श्रमिक संगठन की मदद ली जा सकती है। वेतन भेदभाव का मतलब है कि समान योग्यता, अनुभव और काम के आधार पर किसी कर्मचारी को दूसरे कर्मचारी की तुलना में कम वेतन दिया जाना। अगर कोई कंपनी वेतन में भेदभाव करती है तो यह कानून का उल्लंघन है और उस पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। ऐसी स्थिति में कर्मचारी इन विकल्पों का सहारा ले सकते हैं।कर्मचारी की शिकायत के आधार पर श्रम विभाग मामले की जांच करता है और जरूरत पड़ने पर कंपनी को नियमों का पालन करने का आदेश देता है।कर्मचारी समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 के तहत श्रम न्यायालय (थ्र्दले ण्दलू) में केस दर्ज कर सकते हैं। अगर कंपनी दोषी पाई जाती है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आयोग मामले की जांच कर सकता है और संबंधित विभाग या संस्था से रिपोर्ट मांग सकता है। अगर शिकायत सही पाई जाती है तो आयोग संबंधित विभाग/कंपनी को मुआवजा देने, न्याय दिलाने या प्रशिक्षण देने की सिफारिश कर सकता है। यह आयोग सीधे सजा नहीं दे सकता है, लेकिन इसकी सिफारिशों को सरकार और अदालतें गंभीरता से लेती हैं।कानून प्राइवेट कंपनियों पर भी लागू होता है। 'समान पारिश्रमिक अधिनियम' का मकसद है कि सभी कर्मचारियों को बराबर काम के लिए बराबर वेतन मिले। इसलिए यह कानून सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह की कंपनियों पर एक जैसा लागू होता है।हां, कोई भी कर्मचारी गोपनीय रूप से शिकायत कर सकता है। इसका मतलब है कि आपकी पहचान छुपाकर शिकायत की जा सकती है ताकि आपको किसी तरह का डर या नुकसान न हो। इसके लिए आप ये तरीके अपना सकते हैं। कई कंपनियां व्हिसलब्लोअर पॉलिसी लागू करती हैं, जिसमें कर्मचारी अपनी शिकायत गुप्त रूप से दर्ज कर सकते। वही शिकायतकर्ता को नौकरी से निकाल नहीं सकते, अगर आप वेतन भेदभाव या किसी अन्य समस्या की शिकायत करते हैं तो कंपनी आपको नौकरी से नहीं निकाल सकती है। ऐसा करना कानूनी रूप से गलत है। किसी कर्मचारी को केवल इसलिए निकाल देना या प्रताड़ित करना कि उसने शिकायत की है, इसे 'रिटेलिएशन' कहा जाता है। यह श्रम कानूनों के तहत एक गंभीर अपराध माना जाता है। अगर कोई कंपनी ऐसा करती है तो आप उसके खिलाफ श्रम न्यायालय में केस दर्ज कर सकते हैं। कोर्ट में आप पुनः नियुक्ति, मुआवजा और दंडात्मक कार्रवाई की मांग कर सकते हैं।

तेलंगाना फैक्ट्री धमाका- मरने वालों का आंकड़ा 40 हुआ,9 लापता, 19 का इलाज जारी; घटना वाले दिन फैक्ट्री से 31 शव बरामद हुए थे

हैदराबाद। तेलंगाना की फॉर्मा फैक्ट्री धमाके में मरने वालों का आंकड़ा शनिवार को 39 से बढ़कर 40 हो

गया। जिले के एडिश्नल कलेक्टर चंद्रशेखर बडुगु ने बताया कि आज सुबह एक और घायल मजदूर की मौत हो गई। अब 19 घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि नौ लोगों की तलाश जारी है। हादसा 30 जून को पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। उस दिन रेस्क्यू और मेडिकल टीम ने 31 शव बरामद किए थे। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की आशंका जताई गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को रु2 लाख और घायलों को रु50 हजार की मदद की घोषणा की थी। वहीं, कंपनी ने मृतकों के परिजन को 1 करोड़ रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 10 लाख रुपए और अन्य घायलों को 5 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की थी।एक मजदूर ने बताया कि वह 30 जून की सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट शुरू होने पर मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई। एक मजदूर के परिवार की महिला ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है। कंपनी के एक कर्मचारी ने बताया कि अधिकतर मजदूर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। एक शिफ्ट में 60 से ज्यादा मजदूर और 40 अन्य लोगों का स्टाफ काम करता है।

उद्धव और राज ठाकरे ने कहा- हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं,48 मिनट के भाषण में दोनों बोले- अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी, तो हम गुंडे हैं

मुंबई। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी एकता' पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में रैली की। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदुओं की जान बचाई थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बोला है कि वह गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे। तो उन्हें बता देना चाहता हूं कि अगर वह अपनी भाषा (मराठी) को लेकर गुंडागर्दी करेंगे ने कहा, 'चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है कि ठाकरे के बच्चे अंग्रेजी में पढ़े हैं। यह क्या बकवास है? कई भाजपा नेताओं ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की है.. लेकिन किसी को उनके हिंदुत्व पर संदेह है। उन्होंने कहा, दक्षिण में

हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे हैं।उद्धव और राज 20 साल बाद एक मंच पर नजर आए। आखिरी बार 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आयाः 'ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सब कुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है।' हमारे बच्चे ही नहीं, सभी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ेः हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े। दक्षिण में स्टालिन, कनिमोझी, जयललिता, नारा लोकेश, आर रहमान, सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है। रहमान ने डायस छोड़ दिया जब एक वक्ता ने हिंदी में बोलना शुरू किया। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो वीडियो न बनाएंः 'चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।हम भी गुंडे हैंः 1992 में जब मुंबई में हिंसा फैली थी, तो यहां के मराठी लोगों ने तो फिर हम भी गुंडे हैं। हिंदी थोपना बर्दाश्त नहींः आजादी के वक्त हमने मुंबई के लिए लड़ाई लड़ी। उस समय के राजनेता नहीं चाहते थे कि महाराष्ट्र में मराठी हों। अब केंद्र की मोदी सरकार कहती है कि हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान। हमें हिंदू और हिंदुस्तान तो चाहिए, लेकिन जबरदस्ती हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपकी सात पीढ़ियां भी अगर हम पर हिंदी थोपेंगी तब भी हम ऐसा होने नहीं देंगे। हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया गयाः उद्धव ठाकरे ने कहा, आज कई बाबा ज्योतिषी व्यस्त हैं। कोई हमारी कुंडली देख रहा है, ये जानने के लिए कि हम (राज-उद्धव) साथ आएंगे। हम दोनों ने इसका अनुभव किया है कि किस प्रकार हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया जाता है। आज हम दोनों साथ हैं। हम दोनों भाइयों के स्कूल बच्चों के स्कूल के बारे में कहा, लेकिन नरेंद्र मोदी किस स्कूल में पढ़े थे। महाराष्ट्र में भाषा विवाद क्या है महाराष्ट्र में अप्रैल में 1 से 5वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी अनिवार्य की गई थी। ये फैसला राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर लागू किया गया था। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में इन क्लासेज के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई थी। विवाद बढ़ने के बाद अपडेटेड गाइडलाइंस जारी की गई। मराठी और अंग्रेजी मीडियम में कक्षा 1 से 5वीं तक पढ़ने वाले स्टूडेंट्स तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी के अलावा भी दूसरी भारतीय भाषाएं चुन सकते हैं। इसके लिए शर्त बस यह होगी कि एक क्लास के कम से कम 20 स्टूडेंट्स हिंदी से इतर दूसरी भाषा को चुनें। ऐसी स्थिति में स्कूल में दूसरी भाषा की टीचर भी अपॉइंट कराई जाएगी। अगर दूसरी भाषा चुनने वाले स्टूडेंट्स का नंबर 20 से कम है तो वह भाषा ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई जाएगी।राज ठाकरे तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। मैं आपको एक और बात बताता हूं, अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं। पीटे गए व्यक्ति को बताएं कि उसे पीटा गया है, आपको हर किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि आपने किसी को पीटा है।उद्धव ने कहा, 'कश्मीर में भी धारा- 370 हटाने के लिए शिवसेना आगे रही थी। संविधान एक हो, भारत का झंडा एक हो, लेकिन वन नेशन-वन इलेक्शन करके हिंदू-मुसलमान करके देश को अलग करने की कोशिश कर रहे, लेकिन हम नहीं करने देंगे। मुझ पर आरोप लगाया कि ये निर्णय मेरे सीएम रहते हुआ, लेकिन आपको लगता है मैं ऐसा करूंगा।उद्धव ठाकरे ने कहा, आज कई बाबा ज्योतिषी व्यस्त हैं। कोई हमारी कुंडली देख रहा है, ये जानने के लिए की हम (राज-उद्धव) साथ आएंगे, लेकिन ये भोंडू बाबाओं के खिलाफ मेरे दादाजी ने लड़ाई लड़ी थी। हम दोनों ने इसका अनुभव किया है कि किस प्रकार हमारा इस्तेमाल कर फेंक दिया जाता है। आज हम दोनों साथ हैं। हम दोनों भाईयों के स्कूल बच्चों के स्कूल के बारे में कहा, लेकिन नरेंद्र मोदी किस स्कूल में पढ़े थे। भाजपा अफवाह फैलाने वाली पार्टी है।राज ठाकरे के साथ आने पर उद्धव ठाकरे ने कहा, हमारे बीच की दूरियां जो मराठी ने दूर की सभी को अच्छी लग रही है। भाषा विवाद पर राज ठाकरे ने बहुत कुछ बोल दिया, क्या मुझे कुछ बोलने की जरूरत है।राज ठाकरे ने कहा, 'हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम जाते हैं तो हमारी मराठी पर सवाल उठते हैं। लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े हैं तो क्या उनके हिंदुत्व पर सवाल उठाएं। हम हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे बस मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना चाहते हैं, यही उनका एजेंडा है। उन्होंने कहा कि तब उन्हें मराठी मानुस की ताकत समझ में आएगी। वे मुद्दे को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। अब वे यह मुद्दा उठा रहे हैं स्टालिन, कनमोझी, जयललिता, नारा लोकेश, आर रहमान, सूर्या, सभी ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है। रहमान ने डायस छोड़ दिया जब एक वक्ता ने हिंदी में बोलना शुरू किया। बालासाहेब और मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे ने अंग्रेजी में पढ़ाई की है, लेकिन वे मातृभाषा मराठी के प्रति बहुत संवेदनशील थे। बालासाहेब ठाकरे ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की, लेकिन उन्होंने मराठी भाषा से समझौता नहीं किया। किसी को भी मराठी को तिरछी नजर से नहीं देखना चाहिए।राज ठाकरे ने कहा, 'ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सबकुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है।' उन्होंने कहा, 'मराठा शासन हिंदी भाषा से भी पुराना है। मेरे पिता और बाला साहेब ने भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई की थी। क्या आपने कभी उनके मराठी या महाराष्ट्र प्रेम पर सवाल उठाया।'राज ठाकरे ने बोले, 'एक मंत्री मुझसे मिले और अपनी बात सुनाने को कहा। मैंने साफ कहा, मैं सुनूंगा पर मानूंगा नहीं। मैंने उनसे पूछा कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में 'तीसरी भाषा' क्या होगी। ये सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं, हम उनसे आगे हैं, फिर हमें जबरन हिंदी क्यों सीखनी पड़े, यह अन्याय है। राज ठाकरे ने कहा, 'मुझे हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। भाषा बनाने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं। मराठा साम्राज्य के दौरान हम मराठी लोगों ने बहुत से राज्यों पर शासन किया, लेकिन हमने उन हिस्सों पर कभी मराठी नहीं थोपी। उन्होंने हम पर हिंदी थोपने का प्रयोग शुरू किया और यह परखने की कोशिश कर रहे थे कि अगर हम इसका विरोध नहीं करते तो वे मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर देते।'

अमरनाथ यात्रा- चंदरकोट में काफिले की बसें टकराईं, 36 घायल,पहलगाम रूट पर हादसा, बस के ब्रेक फेल हुए थे,अबतक 30 हजार दर्शन कर चुके

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में

चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं। खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से पहलगाम के लिए रवाना किया गया है। इससे पहले भारी बारिश के बावजूद 6,900 से तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ है। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल है। यात्रा शुरू होने के दूसरे दिन शुक्रवार शाम 7 बजे तक 26,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन कर लिए थे। यह संख्या बढ़कर 30 हजार हो गई है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट से जारी है। समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। अबतक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। यहां रोज 2000 श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन जारी है। यूपी से आए एक यात्री की शुक्रवार को मौत हो गई। लखीमपुर खीरी के रहने वाले दिलीप श्रीवास्तव शेषनाग बेस कैंप में अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें तुरंत ही शषनाग बेस कैंप अस्पताल ले जाया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।इधर, अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी से खुद की सर्विस राइफल से गलती से फायर हो गया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्टेबल शब्बीर अहमद को पहलगाम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 581 अलग-अलग सुरक्षा कंपनियों का चाक-चौबंद बंदोबस्त किया गया है। इसमें सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी, आईबीटीपी और सीआईएसएफ समेत सुरक्षा बलों के जवान तैनात किए गए हैं। बालटाल से लेकर गुफा तक के मार्ग पर हर दो किलोमीटर पर मेडिकल कैंप लगाए हैं। बीच में कई जगहों पर गोदाम भी चालू कर दिए गए हैं। इस साल गुफा की ओर जाने वाले रास्ते पर चार स्टैंड बनाए गए हैं, जबकि पैदल, घोड़े पर और पालकी में जाने वाले श्रद्धालुओं के रास्ते भी अलग-अलग बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए हर 50 मीटर पर एक जवान तैनात है। मुंबई से आए तीर्थयात्री प्रसाद ठाकुर ने कहा कि जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं था उनका भी बहुत जल्दी रजिस्ट्रेशन हो गया है। आज 70 से 80 हजार तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए होंगे। भंडारे में खाने का अच्छा इंतजाम है। शौचालय से लेकर रहने तक की सारी व्यवस्था बढ़िया हैं।यदि आप अमरनाथ सिर्फ धार्मिक यात्रा के रूप में आ रहे हैं तो बालटाल रूट बेहतर है। यदि कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से जीना चाहते हैं तो पहलगाम रूट बेहतर है। हालांकि इसकी हालत बालटाल रूट के विपरीत है। गुफा से चंदनबाड़ी तक सफर थकान, धूलभरा है। रास्ता पत्थरों वाला और कहीं-कहीं बहुत संकरा है। 48 किमी लंबे जर्जर रूट पर कई जगह रेलिंग गायब है तो कहीं घोड़ों के लिए अलग रास्ता है। जैसे ही आप गुफा से इस रूट पर बढ़ते हैं, जवान डॉग स्क्वॉड के साथ मिल जाएंगे। पंचतरणी से आगे बुग्यालों (पहाड़ों पर हरी घास के मैदान) में बैठे जवान दिखेंगे। ये नजारा 14,800 फीट ऊपर गणेश टॉप, पिस्सू टॉप पर भी दिखा। पिछली बार इतनी सुरक्षा नहीं थी। 1. पहलगाम रूटः इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है। यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है। पहलगाम से पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है। ये बेस कैंप से 16 किमी दूर है। यहां से चढ़ाई शुरू होती है। तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है। 2. बालटाल रूटः वक्त कम हो, तो बाबा अमरनाथ दर्शन के लिए बालटाल रूट से जा सकते हैं। इसमें सिर्फ 14 किमी की चढ़ाई चढ़नी होती है, लेकिन एकदम खड़ी चढ़ाई है, इसलिए बुजुर्गों को इस रास्ते पर दिक्कत होती है। इस रूट पर संकरे रास्ते और खतरनाक मोड़ हैं। यात्रा के दौरान किन बातों का ध्यान रखें... यात्रा के दौरान मेडिकल सर्टिफिकेट, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, आरएफआईडी कार्ड, ट्रैवल एप्लिकेशन फॉर्म अपने साथ रखें। फिजिकल फिटनेस के लिहाज से हर रोज 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने की प्रैक्टिस करें। सांस वाला योग जैसे प्राणायाम और एक्सरसाइज करें। यात्रा में ऊनी कपड़े, रेनकोट, ट्रैकिंग स्टिक, पानी बॉटल और जरूरी दवाओं का बैग अपने साथ रखें।

पुरी में बहुड़ा यात्रा- सुरक्षा में 10 हजार जवान तैनात,रथों पर बैठे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा, मौसी के घर से आज मुख्य मंदिर लौटेंगे

पुरी। ओडिशा के पुरी में बहुड़ा यात्रा शुरू हो गई है। इस यात्रा में

महाप्रभु जगन्नाथ का नंदीघोष रथ, बलभद्र का तालध्वज और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ जी के मुख्य मंदिर लौटते हैं। रथ यात्रा की शुरुआत इस बार 27 जून को हुई थी और 28 जून को तीनों गुंडिचा मंदिर पहुंचे थे। यह जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर स्थित है। यहां भगवान अपनी मौसी के यहां ठहरते हैं। बहुड़ा यात्रा के लिए गुंडिचा मंदिर के बाहर, भक्तों की भारी भीड़ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 10,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। श्री जगन्नाथ ट्रस्ट के मुताबिक पुरी के राजा गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे के बीच रथों की औपचारिक सफाई करेंगे। इसके बाद रथों पर घोड़े लगाए जाएंगे। रथ खींचने का काम शाम 4 बजे होगा। रविवार (29 जून) तड़के करीब 4 बजे गुंडिचा मंदिर में भगदड़ मच गई थी। इसमें 3 लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 50 लोग घायल हो गए थे। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुट गई थी, इसी दौरान भगदड़ मची।पुरी की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को उनकी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर के सामने 9 दिन के लिए खड़ा कर दिया जाता है। यहां बलभद्र और सुभद्रा के रथ पहले पहुंच चुके थे। जगन्नाथ रथ बाद में पहुंचा, जिससे लोगों में उसके दर्शन करने की होड़ लग गई। इसी दौरान भगदड़ मची, जिसमें गिरने से कई लोग कुचल गए।रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून को हो गई थी। रथ यात्रा मार्ग पर 10 लाख से ज्यादा भक्त रथों के दर्शन करने और उन्हें खींचने आए हुए थे। भक्तों की भारी भीड़ की वजह से पहले दिन रथ गुंडिचा मंदिर नहीं पहुंच पाए। अगले दिन यानी 28 जून को रथ यात्रा फिर शुरू हुई और दोपहर में करीब 1.15 बजे तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंच गए थे।

पुणे पुलिस का दावा- रेप का आरोपी लड़की का परिचित,आरोपी के साथ खुद सेल्फी ली, उसके जाने के बाद 'मैं फिर आऊंगा' मैसेज जोड़ा

पुणे। कोंढवा इलाके में घर में घुसकर रेप के मामले में पुलिस ने पीड़ित के दावे को गलत बताया है। पुणे पुलिस किया।लड़की की शिकायत के बाद पुणे पुलिस ने आरोपी का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए 10 टीमें बनाईं।

कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा- शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी पुणे की ही आईटी कंपनी में काम करता है। पीड़ित वो एक-दूसरे को पहले से जानते हैं।उन्होंने कहा- 4 जुलाई को आरोपी को बानेर इलाके से हिरासत में लिया गया। फिलहाल गिरफ्तारी नहीं की है। पीड़ित ने स्प्रे के इस्तेमाल का दावा किया था, जांच में इसका भी सबूत नहीं मिला है। पीड़ित के फोन से सेल्फी तो ली गई थी, लेकिन यह आपसी सहमति से ली गई थी।कमिश्नर के मुताबिक मोबाइल चैट का वायरल स्क्रीनशॉट, जिसमें 'मैं फिर आऊंगा' विवादित टेक्स्ट लिखा हुआ है, उसे भी पीड़ित ने आरोपी के जाने के बाद जोड़ा था। दरअसल, 22 साल की इंजीनियर ने कोंढवा पुलिस स्टेशन में रेप की शिकायत दर्ज कराई थी।उसका कहना था कि 2 जुलाई की शाम आरोपी बैंक का लिफाफा देने के बहाने उसके फ्लैट में घुसा था। उसने ओटीपी बताने का कहा था, मैं जब मोबाइल लेने घर में अंदर गई तो आरोपी ने घर का दरवाजा करके मेरे साथ रेप जिनमें से 5 क्राइम ब्रांच की और 5 लोकल टीमें रहीं। इनमें 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। आरोपी की पहचान करने और उसका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस ने कहा कि रेप के आरोप का बयान दर्ज किया जा रहा है। आगे की कार्रवाई चल रही जांच के नतीजे पर निर्भर करेगी। हम जनता और मीडिया से अपील करते हैं कि जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचें।2 जुलाई को खबर सामने आई थी। जोन 5 पुणे सिटी डीसीपी राजकुमार शिंदे ने कहा था कि लड़की ने पुणे के ही एक कॉलेज से आईटी की पढ़ाई की है। वह एक निजी फर्म में काम करती है। 2 जुलाई की शाम वह अपने अपार्टमेंट में अकेली थी क्योंकि उसका भाई शहर से बाहर गया हुआ था। शिंदे ने बताया था कि लड़की को कुछ भी याद नहीं है क्योंकि उसे रात करीब 8.30 बजे होश आया। फिर उसने अपने रिश्तेदारों को इसकी सूचना दी और बाद में पुलिस को बताया। पीड़ित को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया, फिर मामला दर्ज किया गया।

नेशनल हाईवे पर अब आधा टोल लगेगा,सरकार ने इसमें 50फीसदी की कटौती की, सवाल-जवाब में समझें ये नया बदलाव

नयी दिल्ली। सरकार ने नेशनल हाईवे पर टोल टैक्स में 50फीसदी

तक की कटौती की है। यह कटौती विशेष रूप से उन हाईवे पर हुई है जहां ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड स्ट्रेच मौजूद हैं। यहां यात्रा करने के लिए अब कम टोल चुकाना होगा। इससे सफर की लागत घटेगी। सरकार ने नेशनल हाईवे पर उन हिस्सों के लिए टोल टैक्स को 50फीसदी तक कम कर दिया है, जहां पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रास्ते हैं। यानी अब इन रास्तों पर सफर करना पहले से सस्ता हो जाएगा। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के एक सीनियर अफसर के अनुसार पुराने नियमों के चलते हर किलोमीटर में किसी स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सामान्य टोल फीस का 10 गुना चार्ज देना पड़ता था। यह तरीका उस इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत पूरा करने के लिए बनाया गया था। अब नए नियमों में यह टोल टैक्स करीब 50फीसदी तक घट जाएगा। नए नियम के तहत, टोल की गणना दो तरीकों से होगी और जो कम होगा, वही लागू होगा। अगर राजमार्ग का कोई हिस्सा पुल या सुरंग जैसी संरचना है, तो टोल की गणना के लिए संरचना की लंबाई को 10 गुना करके सामान्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा, या फिर पूरे हिस्से की लंबाई को 5 गुना किया जाएगा। इनमें से जो कम होगा, उसी के आधार पर टोल लिया जाएगा। खास तौर पर उन लोगों को फायदा होगा जो ऐसे राजमार्गों पर सफर करते हैं, जहां 50फीसदी से ज्यादा हिस्सा पुल, सुरंग या फ्लाईओवर जैसे ढांचों का है। मिसाल के तौर पर, द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे रास्तों पर टोल पहले 317 रुपए था, जो अब 153 रुपए हो सकता है। इससे आम यात्रियों और कॉमर्शियल वाहन वालों को काफी राहत मिलेगी। सरकार का मकसद यात्रियों की यात्रा लागत को कम करना है, खासकर उन रास्तों पर जहां ढांचों की लागत ज्यादा होने की वजह से टोल ज्यादा वसूला जाता था। यह कदम खासकर शहरों के आसपास के बाइपास और रिंग रोड्स पर सफर करने वालों के लिए फायदेमंद होगा। नहीं, यह नियम सिर्फ उन राजमार्गों पर लागू होगा जहां 50फीसदी से ज्यादा हिस्सा संरचनाओं (जैसे पुल, सुरंग, फ्लाईओवर) से बना है। सामान्य सड़कों पर टोल पहले जैसा ही रहेगा। यह नियम अब लागू हो चुका है, और यात्रियों को जल्द ही इन रास्तों पर कम टोल देना शुरू करना होगा। खासकर द्वारका एक्सप्रेसवे जैसे हाई-प्रोफाइल रास्तों पर इसका असर साफ दिखेगा।सरकार ने घोषणा की है कि अब फास्टैग के लिए सालाना पास का ऑप्शन भी मिलेगा। इसकी कीमत 3,000 रुपए होगी। 15 अगस्त से ये पास मिलने लगेगा। अभी केवल मंथली पास और जरूरत के हिसाब से रिचार्ज की सुविधा मिलती है। ये पास प्राइवेट व्हीकल्स जैसे कार, जीप, वैन के लिए है। ये एक साल के लिए या 200 टोल क्रॉस करने के लिए वैलिड होगा। यानी, एक टोल क्रॉस करने की कीमत करीब 15 रुपए आएगी। सरकार का दावा है कि इससे देशभर के नेशनल हाईवे के टोल पर भीड़ कम होगी।

वन महोत्सव एक पेड़ मां के नाम सदर विधायक ने दिया संदेश,1 जुलाई से 7 जुलाई तक चलेगा पौधरोपण का विशेष पखवाड़ा

सोनभद्र। सदर ब्लाक स्थित प्रभागीय वन अधिकारी परिसर में शनिवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत एक पेड़ मां के नाम विहत पौधारोपण कार्यक्रम मुख्य अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में पौधारोपण कर पर्यावरण बचाओ मां के नाम पेड़ लगाओ दिया गया एक संदेश। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि वन महोत्सव कार्यक्रम के साथ पर्यावरण संरक्षण व पर्यावरण बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को बढ़-चढ़कर अपने घरों के आसपास अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना परिवार रूप से सुनिश्चित करें जिससे कि आने वाली पीढ़ियों को हरे भरे पर्यावरण के

साथ एक संदेश दिया जा सके। वहीं सदर विधायक ने बताया कि वन विभाग द्वारा वन महोत्सव के तहत 1 जुलाई से 7 जुलाई तक विशेष पखवाड़ा के तहत रोपण कार्यक्रम किया जा रहा है जो बेहद ही महत्वपूर्ण है आज के प्रवेश में आम जनमानस के साथ मिलकर इस महोत्सव को बेहतर तरीके से सफल बनाने के लिए हम सभी को एक पेड़ मां के नाम पौधा लगाकर उसके संरक्षण के साथ वातावरण के लिए संदेश देने का काम करें जिससे समाज में एक मैसेज जाए और हर धर्म के व्यक्ति पौधारोपण के साथ एक संदेश देने का काम करें। वही उप प्रभागीय वनाधिकारी चूर्क विनीत कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि का पौधा

देखकर या स्वागत बताया कि हमारे समाज में हर व्यक्ति अगर एक-एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण कर ले तो निश्चित रूप से एक बहुत बड़ा जिले से संदेश मां के नाम देने का काम किया जा सकता है इसके लिए विभाग के साथ अन्य विभागों से मिलकर या अभियान चलाया जा रहा है इस मौके पर पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव,उप प्रभागीय वनाधिकारी रामगढ़ शत्रुघन त्रिपाठी, अनामिका गौतम क्षेत्रि वन अधिकारी रावटसगंज ,नवीन राय,मनीषा मौर्या, दीपशिखा जयसवाल वन दरोगा, रामकृष्ण मिश्रा वन दरोगा, अनूप तिवारी, विकास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कॉंग्रेस के नव नियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

सोनभद्र। जिला और शहर कॉंग्रेस के नव नियुक्त पदाधिकारियों की शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अध्यक्षता मे राम लीला मैदान रॉबर्ट्सगंज मे सम्पंन हुआ त जिससे मुख्य अतिथि के रूप मे अनिल अमिताभ द्विवेदी मौजूद रहे त विशिष्ट अतिथि के रूप मे कोऑर्डिनेटर डाक्टर राम आधार जोसेफ मौजूद रहेत इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अमिताभ अनिल द्विवेदी ने कहा की पूरे प्रदेश मे संगठन सृजन अभियान पूरे जोर शोर से चल रहा है त जिला शहर कार्यकारिणी के गठन होते ही संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका हैत जहाँ एक ही मंच पर जिला/शहर कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर हम अपनी नेता सोनिया गांधी के मार्गदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के कुशल नेतृत्व मे जननायक राहुल गांधी के समाजिक न्याय के सिद्धांतो को समाहित करते हुए एवं प्रियंका गाँधी वाड्रा के उतर प्रदेश मे संगठन सृजन के स्वप्न को पूर्ण करते हुए हम एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे क अबताया की सभी पदाधिकारियों को उनके कार्य और जिम्मेदारीयो को शपथ दिलाकर यह संकल्प दिलाया

जाएगा की आज भाजपा शासन काल मे जिस तरीके से समाज मे नफरत फैलाई जा रही है ६ संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है त ऐसे दौर मे कॉंग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधी वादी सिद्धांतो को अपनाकर ही हम लडेगे। कोआर्डिनेटर डाक्टर राम आधार जोसेफ ने आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह मे कहा वरिष्ठ नेताओ के मार्गदर्शन मे कार्य करेंगे और उनके अनुभवों का लाभ लेते हुए जमीन पर एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे त कॉंग्रेस के सभी फ्रंटल, विभाग, एवं प्रकोष्ठौ को भी मजबूती के लिए बेहतर दिशा निर्देश जारी किया गया तएवं उनके जिम्मेदारीयो से अवगत कराया जाएगा, म संकल्पित है की आगामी 15 अगस्त तक हम बूथ स्तर तक कमेटिया गठित कर मजबूत और जमीनी संगठन का निर्माण करेंगे त आने वाले पंचायत चुनाव मे हम पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगेत जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की बीजेपी सरकार से जनता बेहाल है, महंगाई, बेरोजगारी किसानो, मजदूरों के मुद्दों पर सरकार खामोश है, इन सब मुद्दों पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा त शहर कॉंग्रेस अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद ने कहा की शहर मे जल

निकासी ,जल जमाव से जनता बेहाल है, सडक नाली की समस्याओं से जनता जुझ रही है,इन सब मुद्दों पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता ईश्वरी नारायण सिंह ने सरकार को जन विरोधि बताया, और नौजवानों से सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प दिलायात वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश द्विवेदी और ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी ने कहा की बीजेपी सरकार बौखलाहट मे है, जनता की समस्याएं लगतार बढ़ रही है त जननायक राहुल जी के समाजिक न्याय के नारे से बीजेपी की निंद हराम हो गया हैत उक्त मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश देव पांडे, जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा, सेवा दल जिलाध्यक्ष कौशलेश पाठक, महिला कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे, राघवेन्द्र नारायण, राजबाली पांडे, दयाशंकर पांडे शारद पनिका, विनोद तिवारी, अवधेश सिंह, बृजेश तिवारी, राकेश मिश्रा राघवेन्द्र नारायण, जियुत मौर्य, समय लाल खरवार, गंभीरा प्रसाद, ओम प्रकाश पटेल, संदीप गुप्ता, ज्योति दुबे, राजेश त्रिपाठी, मोहन बियार, राहुल पटेल, प्रदीप सिंह, संगीता श्रीवास्तव, सुनीता तिवारी ,आशीष सिंह, प्रदीप चौबे, प्रांजल श्रीवास्तव, विशिष्ट चौबे, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका है :रामराज

सोनभद्र। जिला कॉंग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता मे जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने बताया की पूरे प्रदेश मे संगठन सृजन अभियान पूरे जोर शोर से चल रहा है। जिला शहर कार्यकारिणी के गठन होते ही संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका है उत्तर प्रदेश के प्रदेश जनपद मे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा रहा है त जहाँ एक ही मंच पर जिला/शहर कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर हम अपनी नेता सोनिया गांधी के मार्गदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के कुशल नेतृत्व मे जननायक राहुल गांधी के समाजिक न्याय के सिद्धांतो को समाहित करते हुए एवं प्रियंका गाँधी

वाड्रा के उतर प्रदेश मे संगठन सृजन के स्वप्न को पूर्ण करते हुए हम एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे तउन्होंने बताया की सभी पदाधिकारियों को उनके कार्य और जिम्मेदारीयो को शपथ दिलाकर यह संकल्प दिलाया जाएगा की आज भाजपा शासन काल मे जिस तरीके से समाज मे नफरत फैलाई जा रही है ६संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है तऐसे दौर मे कॉंग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधी वादी सिद्धांतो को अपनाकर ही हम लडेगे। जिले मे आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह मे जिले और शहर के पदाधिकारियों को एक साथ एक मंच पर शपथ दिलाई जाएगी तइस कार्यक्रम मे हम जिले के सभी वरिष्ठ नेताओ को

आमंत्रित करेंगे तउनके मार्गदर्शन मे कार्य करेंगे और उनके अनुभवों का लाभ लेते हुए जमीन पर एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे त कॉंग्रेस के सभी फ्रंटल, विभाग, एवं प्रकोष्ठौ को आमंत्रित किया जाएगा । एवं उनके जिम्मेदारीयो से अवगत कराया जाएगा त हम संकल्पित है की आगामी 15 अगस्त तक हम बूथ स्तर तक कमेटिया गठित कर मजबूत और जमीनी संगठन का निर्माण करेंगे। आने वाले पंचायत चुनाव मे हम पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे तप्रेस वार्ता मे शहर कॉंग्रेस अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद, कॉंग्रेस प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा मौजूद रहे.

जनता दर्शन में सदर विधायक ने सुनी फरियाद, जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम जनमानस की समस्या सुन दिए निर्देश

सोनभद्र। रावटसगंज सदर विधायक कैंप कार्यालय पर शनिवार को जनता दर्शन के दौरान क्षेत्र से आए आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को सदर विधायक भूपेश चौबे ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि जनता दर्शन में आए दूर धार क्षेत्र से पीड़ित आम जनमानस की शिकायतों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देशित कर दिया गया है तत्काल उनकी समस्याओं का निस्तारण करते हुए अवगत कराया जाए वहीं सदर

विधायक ने बताया कि ज्यादातर मामले पुलिस थाना वह बरसात से संबंधित हम जनमानस के माध्यम से प्राप्त हुई जिसको लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े दिशा निर्देशित कर दिए गए हैं किसी प्रकार से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिससे आम जनमानस परेशान हो आम जनमानस की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य कराया जाएगा।इस मौके पर चूर्क मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे, संजय श्रीवास्तव मनोज सोनकर विमलेश पटेल विकास मिश्रा अमन वर्मा आदि लोग मौजूदरहे।

थाना बारा के नाक के नीचे मिठाई की दुकान में चोरी

सोनभद्र। बताया जा रहा है बीती रात बा रा में लल्लू स्वीट हाउस की दुकान में करीबन डेढ़ लाख की चोरी हुई 3 तारीख को सुबह उज्जैन दर्शन करने गए हुए थे इस बीच में चोरों ने बड़ा वाला चूल्हा उसकी कीमत 1 लाख बताई जा रही है व्यापारियों में काफी

आक्रोश जताया जा रहा है बा रा व्यापार मंडल के अध्यक्ष आशीष केसवानी नीरज केसरवानी राम जी केसरवानी पंकज केसरवानी आशुतोष केसरवानी अनुज द्विवेदी हार्डवेयर अतः सभी व्यापार मंडल के लोग काफी चिंता जनक की

जुट के बोरे और सुतली से बनी ताज़िया होगी आकर्षण का केंद्र

सोनभद्र। हर साल की तरह इस साल भी नव जवान वारसी कमेटी द्वारा एक बेहतरीन ताज़िया बनाया जा रहा है। कमेटी अध्यक्ष रिज़वान वारसी ने बताया कि जुट के बोरे और सुतली से निर्मित ताज़िये को बनाने में 1 माह से ज्यादा का समय लगा है। इस ताज़िये में 40 मीटर जूट का बोरा 20 किलो फेविकोल, 4 बंडल थर्मोकोल पेंट समेत अन्य सामान उपयोग हुआ है। ये ताज़िया 5 जुलाई को रात्रि 8 बजे आरटीएस क्लब के पीछे वारसी कटरे के पास स्थित इमाम चौक पर बैठाई जाएगी। इस ताज़िये को बनाने में कमेटी के साजिद खान वारसी, फ़िरोज़ वारसी, रेहान वारसी, फ़िरोज़ बाबा, सलमान अंसारी, शेरू अंसारी, अनस अहमद, गुड्डा, नसरुद्दीन वारसी, हमजा वारसी, साद वारसी, हम्द वारसी समेत अन्य लोगो का बहुमूल्य योगदान रहा।

किसानों को नहीं मिल रही खाद जिम्मेदार नेता फीता काटने में व्यस्त :गिरीश पाण्डेय

सोनभद्र। एक तरफ अच्छी बरसात को देखते हुए किसानों में खेती-बाड़ी को लेकर उत्साह है, किसान धान की रोपाई कर रहे हैं तो कुछ रोपाई की तैयारी में लगे हुए हैं। लेकिन सोनभद्र में किसानों के सामने खाद की समस्या आ खड़ी हुई है। पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने बताया कि सोनभद्र के साधन सहकारी समितियों पर डीएपी खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों में खेती-बाड़ी को लेकर निराशा देखने को मिल रही है। किसान नेता गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए बताया कि सरकारी केंद्रों पर किसानों के लिए डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है जबकि खुले बाजार में ऊंचे दाम पर डीएपी उपलब्ध होना जिम्मेदार अधिकारियों की मंशा एवं कार्यशैली पर बड़ा सवाल है। गिरीश पाण्डेय ने जनपद के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों पर तंज करते हुए कहा कि किसानों को नहीं मिल रही खाद जिम्मेदार नेता फीता काटने में हैं व्यस्त। गिरीश पाण्डेय ने एक्स हैंडल पर जिलाधिकारी से सोनभद्र में किसानों को समयानुसार शीघ्र डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग किया और प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यदि शीघ्र साधन सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को शीघ्र डीएपी व अन्य आवश्यक खाद बीज उपलब्ध नहीं करवाया गया तो पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच एवं पूर्वांचल नव निर्माण मंच जिम्मेदार विभागों के खिलाफ मोर्चा खोल कर धरना प्रदर्शन करेगा किसानों की हित में।

छात्रों के उच्च शिक्षा हेतु विश्वविद्यालय की मांग- अभय

सोनभद्र। हमारा जनपद सोनभद्र, जो कि एक अति पिछड़ा जिला होने के बावजूद भी आकांक्षी जिले के रूप में लगातार तरक्की की ओर अग्रसर है, किन्तु अधिक जन घनत्व वाले क्षेत्रों में छात्र, युवा आज भी उच्च शिक्षा एवं रोजगार से वंचित है, जिसका संज्ञान लेते हुए युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अभय सिंह पटेल ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष (कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार) व शिक्षा राज्यमंत्री, भारत सरकार चौधरी जयंत सिंह से सोनभद्र के वंचित, पिछड़े प्रतिभाशाली छात्रों एवं रोजगार को तरस रहे युवाओं के विकास एवं उत्थान हेतु उन्हें पत्र सौंपकर निम्नलिखित मांग की है - 1- सोनभद्र जिले में एक राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना। 2- विकास खण्ड चतरा के खुज्झा में केन्द्रीय विद्यालय व रामगढ़ में राजकीय पुस्तकालय की स्थापना। 3- विकास खण्ड नगवां में एक कौशल विकास केन्द्र की स्थापना।4- विधानसभा घोरावल में एक राजकीय महाविद्यालय की स्थापना। 5- विधानसभा रावट्र्सगंज में एक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना। 6- विकास खण्ड चतरा के जलखोरी में हनुमान अंजनी माता मन्दिर प्रांगण व यज्ञस्थल पर हाईमास्ट लाईट की व्यवस्था। शिक्षा राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह ने उपरोक्त मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है ताकि सोनभद्र के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी व उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु बाहर जाने की आवश्यकता न हो और वो अपने गृह जनपद में रहकर तमाम बुलंदियों को छूने में सक्षम हो सकें।

किसानों के धरना प्रदर्शन को जन अधिकार पार्टी ने दिया समर्थन

घोरावल, सोनभद्र । जनपद सोनभद्र के घोरावल तहसील अंतर्गत ग्राम भैसवार में 1986 से चल रहे चकबन्दी को अभी तक पूर्ण न होने तथा भूमाफियाओं से मिलीभगत कर चकबन्दी में सम्बंधित अधिकारियों द्वारा वर्ती जा रही अनियमितता के विरोध में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के जिलाध्यक्ष बिरजू कुशवाहा के अगुवाई में ग्राम भैसवार में किसानों के द्वारा किए जा रहे धरना प्रदर्शन के 45 वे दिन जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य की अगुआई में एक प्रतिनिधि मंडल धरना स्थल पर पहुँच धरना की अगुआई कर रहे बिरजू कुशवाहा को जन अधिकार पार्टी की ओर से समर्थन पत्र सौंपा गया।इस दौरान धरना - प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए जन अधिकार पार्टी के प्रमुख प्रदेश महासचिव भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि 1986 में सुरु हुई चकबन्दी अभी तक पूर्ण न होना यह साबित करता है कि सम्बंधित अधिकारी भू-माफियाओं से मिली भगत कर किसानों की जमीन के साथ गोलमाल करना चाहते है, उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए आदेशो का पालन न करना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है । किसानों द्वारा किए जा रहे धरना - प्रदर्शन के 45 दिन बीत जाने के बाद भी जिला प्रसाशन एवं सरकार द्वारा संज्ञान में लेना किसानों के साथ सौतेला ब्योहार है जो स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए ठीक नही है जिसे जन अधिकार पार्टी बर्दास्त नही करेगी। जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा कि 1986 से चल रही चकबन्दी प्रक्रिया को तत्कालीन जिलाधिकारी सोनभद्र के 1992 के आदेशानुसार शून्य मानकर नए सिरे से चकबन्दी कराया जाए।मण्डल उपाध्यक्ष विजयमल मौर्य एवं मण्डल सचिव श्रीपति विश्वकर्मा ने कहा कि निष्पक्ष एवं न्यापूर्वक चकबन्दी कराकर अन्नदाताओं के साथ न्याय किया जाए जो जनहित में होगा।प्रतिनिधि मंडल में जिला महासचिव रविरंजन शाक्य, विधानसभा अध्यक्ष विनोद कुमार, प्रदीप कुमार, मुलायम सिंह, राकेश कुमार, चन्द्रशेखर आजाद मौर्य, सुख्खू मौर्य, गुलाब मौर्य, विजयमल मौर्य, श्रीपति विश्वकर्मा सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

आधुनिक भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रणेता माना जाता हैः कृष्ण मुरारी गुप्ता

सोनभद्र। भारतीय संस्कृति,अध्यात्म,सभ्यता और इतिहास से विश्व को अपने ओजस्वी वाणी से परिचय कराने वाले,युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर सोनभद्र नगर पालिका विवेकानंद प्रेक्षागृह स्थित उनके प्रतिमा पर शुक्रवार को पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया गया। वहीं मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता ने बताया कि स्वामी विवेकानंद को आधुनिक भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रणेता माना जाता है। वह न केवल अपनी गहन शिक्षाओं और वैश्विक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और जीवन के प्रति उनकी असाधारण समझ भी उन्हें संत की श्रेणी में खड़ा करती है। आज स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि है। एक ऐसा प्रश्न जो उनके जीवन के बारे में अक्सर उठता है, वह यह है कि क्या उन्हें अपनी मृत्यु का पूर्वाभास था। उनके जीवन के अध्ययन और उनके शिष्यों द्वारा कही गई बातों से यह साफ होता है कि स्वामी विवेकानंद को अपनी मृत्यु का पूर्वाभास था।श्री गुप्ता ने बताया कि सिर्फ 39 साल की उम्र में त्याग दी थी देह 4 जुलाई 1902 को जब स्वामी विवेकानंद का निधन हुआ, उस समय उनकी उम्र मात्र 39 वर्ष थी। उनके शिष्यों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, उस दिन उन्होंने सामान्य से ज्यादा समय तक ध्यान और साधना की। वे शांत, संतुष्ट और आत्मिक रूप से बहुत पूर्ण लग रहे थे। कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने 'महासमाधि' की अवस्था में शरीर त्यागा, जो एक योगी की सचेतन रूप से देह छोड़ने की अवस्था है। स्वामी विवेकानंद ने सिर्फ 39 साल की उम्र में वह सब हासिल कर लिया था, जिसे अधिकांश लोग अपनी पूरी उम्र में नहीं हासिल कर पाते। उन्होंने भारत को आध्यात्मिक रूप से जगाने का जो सपना देखा था, वह तबसे लगातार आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता संजय श्रीवास्तव ,भाजयुमो क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी ,जिला कोषाध्यक्ष आशीष केसरी ,सभासद विनोद सोनी ,नगर उपाध्यक्ष व पूर्व सभासद अभिषेक गुप्ता पूर्व सभासद राजन गुप्ता व अमन वर्मा ,रिशू केसरी आदि अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपदीय पुलिस ने आगामी त्यौहार के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था स्थापित करने के लिए समस्त क्षेत्र के कस्बे, सकरी गलियों/रास्तों, संवेदनशील और मिश्रित आबादी में रुफ टॉफ की ड्रोन से की जा रही है निगरानी, अफवाहों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया की टीम द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है,

सोनभद्र। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश आगामी त्यौहार के अवसर पर शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु एवं अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में व समस्त क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में आज दिनांक 04.07.2025 को जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों द्वारा मय पुलिस बल के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्र के कस्बे, सकरी गलियों/रास्तों एवं मकानो/घरों के छतों और संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से जुलूस मार्गों, ताजिया यात्राओं और कर्बला स्थलों की निगरानी की जा रही है । निगरानी कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ किया जा रहा है और पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन का सहयोग करें । सोनभद्र पुलिस शांति,सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

देशहित सबसे ऊपर, अमेरिका से डील तभी जब दोनों का फायदा-पीयूष गोयल,मोदी ट्रम्प की टैरिफ समयसीमा के आगे झुक जाएंगे-राहुल गाँधी

नयी दिल्ली। अमेरिका से ट्रेड डील पर जारी बातचीत के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत समयसीमा के आधार पर व्यापार समझौता नहीं करता। गोयल ने कहा, 'भारत अमेरिका से ट्रेड डील तभी स्वीकार करेगा जब यह अंतिम हो ले ले और देशहित में हो।' गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत की अमेरिका के अलावा यूरोपीय यूनियन, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली व पेरू सहित विभिन्न देशों से मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। अमेरिका से अंतरिम ट्रेड डील के सवाल पर गोयल ने कहा, यह तभी होगा जब दोनों पक्षों का फायदा हो। गोयल के बयान पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी टिप्पणी की है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर लिखा कि पीयूष गोयल चाहे जितनी छाती पीट लें, मेरी बात पर ध्यान दीजिए, मोदी ट्रम्प की टैरिफ समयसीमा के आगे झुक जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को भारत से आयात पर 26फीसदी का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगाया था। हालांकि इसे 90 दिन के लिए यानी 9 जुलाई तक टाल दिया गया। समयसीमा खत्म होने के पहले भारत और अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने लगे हैं।भारत-अमेरिका में अंतरिम ट्रेड डील पर चल रही बातचीत अंतिम दौर में है। मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका से लौट आया है। हालांकि कृषि और ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सहमति अब भी लंबित है।पहला- भारत पर ट्रम्प टैरिफ को किसी भी सूरत में 10फीसदी या फिर इससे कम ही रखा जाए। ट्रम्प की ओर से अप्रैल में भारत पर लगाए गए 26फीसदी टैरिफ को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। दूसरा भारत की एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम ईकाई) को अमेरिकी बाजार में अनुकूल हालात मुहैया कराया जाए। इसमें लेदर, गारमेंट, जेम्स-जूलरी और फार्मा मुख्य हैं। भारत का कहना है कि जीएसपी (जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंस) की तर्ज पर भारतीय उत्पादों पर जीरो टैरिफ की कैटेगरी बने। 2019 तक लागू जीएसपी से लगभग 20फीसदी भारतीय उत्पादों को टैरिफ नहीं चुकाना पड़ता था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उम्मीद जताई है कि भारत-अमेरिका के बीच जल्द ट्रेड डील होगी, टैरिफ भी कम रहेंगे। मीडिया से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, भारत के साथ ट्रेड डील कुछ अलग होगी।भारत टैरिफ के मामले में किसी भी देश को रियायत नहीं देता है। लेकिन मेरा मानना है कि इस बार की ट्रेड डील से दोनों देशों को फायदा मिलने वाला है।अमेरिकी रक्षा मंत्री कहा है कि भारत के किए गए रक्षा सौदे ज अमेरिका ने भारत को जो रक्षा उपकरण दिए हैं, उनका भारतीय सेना सफलतापूर्वक उपयोग कर रही है। हेगसेथ ने 10 साल के नए रक्षा समझौते पर जल्द हस्ताक्षर की उम्मीद जताई। हेगसेथ बोले, दोनों देशों में सैन्य सहयोग बढ़ेगा।रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्ष इस ट्रेड डील को 2030 तक प्रस्तावित 43 लाख करोड़ (500 अरब डॉलर) के द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली कड़ी मान रहे हैं।उनका मानना है कि ये डील द्विपक्षीय डील का आधार अक्टूबर तक दोनों देशों के बीच इस पर फाइनल हस्ताक्षर होने की संभावना है। दोनों देशों के प्रतिनिधियों का कहना है कि व्यापार को बढ़ाने के लिए टैरिफ को घटाने पर साझा कार्रवाई हो।भारत का कहना है कि अमेरिका यदि भारत के साथ वर्तमान में चल रहे व्यापार घाटे को कम करना चाहता है तो उसे कुछ सेक्टरों में भारतीय उत्पादों के लिए बेहतर माहौल देना पड़ेगा। भारत ने कुछ अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर टैरिफ में कमी करने का ऐलान कर भी दिया है। अब अमेरिका के पाले में गेंद है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के अनुसार यदि 9 जुलाई के बाद भी कई देशों पर ट्रम्प के टैरिफ लागू रहते हैं तो अमेरिकी कर्मचारियों को 7 लाख करोड़ का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ सकता है।भारत और अमेरिका के बीच अगर 9 जुलाई तक कोई समझौता नहीं हुआ हुआ तो भारत पर 26फीसदी टैरिफ लग सकता है। इस दिन से ट्रम्प के सस्पेंडेड टैरिफ दोबारा लागू होंगे। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26फीसदी टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील पर फैसले लेने के लिए दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि अगर बातचीत नाकाम रहती है, तो 26फीसदी का टैरिफ स्ट्रक्चर तुरंत प्रभाव से फिर से लागू हो जाएगा।

शुभमन और बशीर के सिर पर बॉल लगी,स्टोक्स का पहला गोल्डन डक, स्मिथ-ब्रूक में 303 रन की पार्टनरशिप

नयी दिल्ली। बर्मिंघम टेस्ट में भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिल गई। टीम ने 587 रन के जवाब में इंग्लैंड को 407 रन पर समेट दिया। इंडियन कैप्टन शुभमन गिल को कैच लेने की कोशिश में सिर पर बॉल लग गई। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट करियर में पहली बार पहली गेंद पर आउट (गोल्डन डक) हुए। जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर सेंचुरी लगा दी, उन्होंने हैरी ब्रूक के साथ छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप भी की। मोहम्मद सिराज ने 2 गेंद पर लगातार 2 विकेट लिए। वहीं भारतीय फील्डर्स ने 2 आसान कैच छोड़े। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट वे करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा।

टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों बाद गोल्डन डक हुए थे। इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर शतक लगा दिया। यह इंग्लैंड से चौथा सबसे तेज टेस्ट शतक रहा। फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड गिल्बर्ट जेसप के नाम है, जिन्होंने 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंद पर सेंचुरी लगा दी थी। इंग्लैंड से हैरी ब्रूक ने भी शतक लगाया, उन्होंने 158 रन की पारी खेली। इस इनिंग के साथ उनके 2500 टेस्ट रन भी पूरे हो गए। उन्होंने इतने रन सबसे कम गेंदों में पूरे कर लिए। ब्रूक ने 2500 टेस्ट रन बनाने के लिए महज 2832 गेंदें खेलीं।जैमी स्मिथ 184 रन बनाकर नॉटआउट रहे। यह इंग्लैंड के किसी भी विकेटकीपर बैटर का टेस्ट में सबसे बड़ा स्कोर है। उन्होंने एलीस स्टीवर्ट का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1997 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 173 रन बनाए थे।जैमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप की। यह इंग्लैंड से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इंग्लैंड से भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए यह सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। ब्रूक-स्मिथ ने जॉनी बेयरस्टो और क्रिस वोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 2018 में लॉर्ड्स स्टेडियम में 189 रन जोड़े थे।भारत के खिलाफ टेस्ट में 11 साल बाद किसी भी विकेट के लिए 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई। 2014 में आखिरी बार न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कलम और बीजे वाटलिंग ने छठे विकेट के लिए ही 352 रन जोड़े थे। भारत के खिलाफ टेस्ट में 12वीं बार 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।शुभमन गिल भारत के 7वें ही कप्तान बने, जिनके खिलाफ किसी टीम से प्लेयर्स ने 300 प्लस रन की पार्टनरशिप की। उनके अलावा सुनील गावस्कर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ की कप्तानी में भी 1-1 बार भारत के खिलाफ 300 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई। एमएस धोनी इकलौते कप्तान रहे, जिनके खिलाफ 6 बार 300 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई।इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक के 158 और जैमी स्मिथ के 184 रन की मदद से 407 रन बना दिए। इन 2 के अलावा जैक क्रॉली, जो रूट और क्रिस वोक्स ही पारी में खाता खोल सके। बाकी 6 बैटर्स कोई रन नहीं बना सके। इंग्लैंड की पारी में पहली बार 6 बैटर खाता नहीं खोल सके। इससे पहले 4 बार 5-5 बैटर खाता नहीं खोल पाए थे। इंग्लैंड से नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे जैमी स्मिथ ने 184 रन की नॉटआउट पारी खेली। यह नंबर-7 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए भारत के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। स्मिथ ने न्यूजीलैंड के ईयन स्मिथ का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1990 में 173 रन बनाए थे।यशस्वी जायसवाल ने पहली पारी में 87 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 28 रन बनाए। इसी के साथ उनके 2 हजार टेस्ट रन भी पूरे हो गए। इसके लिए उन्होंने महज 40 पारियां लीं। वे 2 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले भारत के सबसे तेज बैटर बने। उन्होंने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग की बराबरी की। दोनों ने भी 40-40 पारियों में 2 हजार टेस्ट रन पूरे किए थे। तीसरे दिन मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ही ओवर में लगातार 2 गेंद पर 2 विकेट झटक लिए। उन्होंने 22वें ओवर की तीसरी गेंद जो रूट को लेग स्टंप की ओर फेंकी और उन्हें विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। सिराज ने अगली बॉल बाउंसर फेंकी और बेन स्टोक्स को भी पंत के हाथों कैच करा दिया। मुकाबले के दूसरे दिन आकाशदीप ने भी लगातार 2 विकेट लिए थे। प्रसिद्ध कृष्णा ने जैमी स्मिथ के खिलाफ एक ही ओवर में 23 रन खर्च कर दिए। स्मिथ ने उनके खिलाफ 4 चौके और 1 छक्का लगाया। प्रसिद्ध ने इस ओवर में 1 वाइड भी फेंकी। उन्होंने अपने 13 ओवर के स्पेल में 5.50 की इकोनॉमी से 72 रन खर्च किए। प्रसिद्ध कोई विकेट भी नहीं ले सके।इंग्लैंड की बैटिंग में 37वें ओवर के दौरान शुभमन गिल ने आसान कैच छोड़ दिया और गेंद उनके सिर पर जा लगी। ओवर की दूसरी बॉल रवींद्र जडेजा ने गुड लेंथ पर फेंकी। हैरी ब्रूक ड्राइव करने गए, लेकिन बॉल फर्स्ट स्लिप में गिल के पास चली गई। शुभमन के हाथ देरी से बॉल तक पहुंचे, तब तक गेंद उनके सिर पर जा लगी। जीवनदान के वक्त ब्रूक के 63 ही रन थे, उन्होंने 158 रन बना दिए। 54वें ओवर में ऋषभ पंत ने जैमी स्मिथ का कैच छोड़ दिया। ओवर की पहली बॉल नीतीश कुमार रेड्डी ने ऑफ स्टंप वे बाहर फुलर लेंथ फेंकी। स्मिथ ड्राइव करने गए, लेकिन गेंद बैट के बाहरी किनारे से लगकर विकेटकीपर की ओर चली गई। पंत ने डाइव लगाई, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई। जीवनदान के वक्त स्मिथ 121 रन पर थे, उन्होंने 184 रन बना दिए।मोहम्मद सिराज ने 88वें ओवर की पांचवीं गेंद पर ब्रायडन कार्स को एलबीडब्लू किया। सिराज ने गुड लेंथ पर इनस्विंगर फेंकी। गेंद कार्स के पैड्स पर लगी, सिराज ने अपील की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। भारत ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि गेंद स्टंप्स को लग रही है। अंपायर ने अपना फैसला बदला और सिराज को विकेट मिल गया।90वें ओवर में मोहम्मद सिराज की बाउंसर शोएब बशीर के हेलमेट पर लगी। सिराज ने ओवर की दूसरी बॉल बाउंसर फेंकी, बशीर बैट अड़ाने गए, लेकिन गेंद सीधे उनके हेलमेट पर लग गई। अगली ही गेंद पर सिराज ने बशीर को बोल्ड कर दिया।

गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता,अमेरिकी प्लेयर वेस्ली सो को 36 चालों में मात दी, 18 में से 14 पॉइंट हासिल किए

नयी दिल्ली। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया। गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था। छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था।तीसरे दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन (4 जुलाई) गुकेश के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। उनकी इस दिन की शुरुआत इच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ के साथ हुई। उसके बाद क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों वाला लंबा मुकाबला खेला। यह मैच भी ड्रॉ रहा। प्रगनानंद ने सिर्फ एक जीत हासिल की इस टूर्नामेंट में प्रगनानंद का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ एक जीत इवान शारिक के खिलाफ दर्ज की। वहीं, 7 मुकाबले ड्रॉ खेले, जबकि एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कुल 9 अंक अर्जित किए। प्रगनानंद बुखारेस्ट फेज में विनर और वारसॉ में तीसरे स्थान पर रह चुके हैं। इससे वह ग्रैंड चेस टूर के ओवरऑल रैंकिंग में अब भी प्रबल दावेदार बने हुए हैं। कार्लसन और डूडा किस पोजिशन पर रहे मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट के आखिरी दिन (4 जुलाई) अमेरिकी प्लेयर फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत से शुरुआत की, लेकिन अगले गेम में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेलकर वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा, जिन्होंने पहले राउंड में गुकेश को हराया था, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहे। अब टूर्नामेंट का ब्लिट्ज फेज खेला जाएगा इस टूर्नामेंट का ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को खत्म होगा। रैपिड और ब्लिट्ज - दोनों फॉर्मेट से अर्जित अंकों के आधार पर ओवरऑल विनर का फैसला होगा।

जडेजा ने तोड़ा बीसीसीआई का नियम,टीम बस छोड़कर कार से पहले पहुंचे स्टेडियम

नयी दिल्ली। बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन,रवींद्र जडेजा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नए नियमों को तोड़ दिया। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद नियम बनाया था कि कोई भी खिलाड़ी अकेले मैदान पर नहीं आएगा-जाएगा, सभी खिलाड़ी टीम बस के साथ एकसाथ जाएंगे। लेकिन जडेजा ने यह नियम तोड़ा और गुरुवार को उन्होंने बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में जल्दी मैदान पर पहुंचकर बैटिंग की प्रैक्टिस की। दरअसल बुधवार को एजबेस्टन टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल जब खत्म हुआ तो शुभमन गिल के साथ रवींद्र जडेजा नॉटआउट लौटे थे। जडेजा के लिए ये टेस्ट मैच बहुत अहम था क्योंकि लीड्स में टीम इंडिया के हारने के बाद क्रिकेट एक्सपर्ट्स उनकी टीम में जगह को लेकर सवाल खड़े कर रहे थे। इसीलिए जडेजा जब 41 रन बनाकर नाबाद लौटे तो वो इस पारी को और बड़ा करना चाहते थे। इसीलिए वो सुबह जल्दी उठकर टीम बस का इंतजार किए बिना स्टेडियम निकल गए। जहां पर उन्होंने लोकल गेंदबाजों के साथ नेट्स पर लगभग 40 मिनट बल्लेबाजी की। बाद में उन्होंने अपनी पारी 41 रन से बढ़ा कर 89 रन तक लेकर गए।लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम के टॉप पांच बल्लेबाजों ने 721 रन बनाए, लेकिन निचले क्रम के छह बल्लेबाजों ने मिलकर केवल 65 रन ही जोड़े थे। भारतीय टीम ने पहली पारी में आखिरी सात विकेट 41 रन पर गंवा दिए थे, जबकि दूसरी पारी में भारतीय टीम ने आखिरी छह विकेट 31 रन पर गंवा दिए थे। जडेजा ने पहली पारी में 11 रन और दूसरी पारी में 25 रन बनाए थे। वह केवल 1 विकेट ही लेने में सफल हुए थे।

विंबलडन- आंद्रे रूबलेव राउंड ऑफ 16 में पहुंचे:फ्रिट्ज ने भी थर्ड राउंड का मैच जीता; विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर

नयी दिल्ली। विंबलडन के थर्ड राउंड में आंद्रे रूबलेव ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने एड्रियन मन्नारिनो को सीधे सेट में हराकर अगले राउंड में पहुंचे। वहीं विमेंस सिंगल्स छठी सीड मैडिसन कीस को उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने हराकर बाहर कर दिया। मेंस सिंगल्स में फ्रिट्ज जीते रूबलेव ने फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 के अंतर से हराया। शुक्रवार को मेंस सिंगल्स में रूबलेव के अलावा अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज, इंग्लैंड के कैमरन नोरी, ऑस्ट्रेलिया के लुसियानो डारडेरी, पोलैंड के कामिल माचजैक और चीली के निकोलस जेरी को भी जीत मिली। सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। यह मुकाबले रविवार से खेले जाएंगे। मेंस डबल्स में नंबर-1 सीड मार्सेलो अरेवालो और मैट पैविक की जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। दोनों ने स्पेन के जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की जोड़ी को हराया। दूसरी सीड हेनरी पैटन और हैरी हेलोवारा की जोड़ी ने भी अगले राउंड में जगह बना ली। विमेंस सिंगल्स में अमेरिका से छठी सीड मैडिसन कीस को उलटफेर का शिकार होना पड़ा। उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने सीधे सेट में 6-3, 6-3 से हराकर बाहर कर दिया। सिगमंड के अलावा चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा, इंग्लैंड की सोनाय कार्टल, अमेरिका की अनांडा अनिसिमोवा और अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को भी जीत मिली। सभी ने अगले राउंड में जगह बना ली। विमेंस डबल्स में भी शुक्रवार को टॉप सीड टेलर टाउनसेंड और कैटरिना सिनियाकोवा की जोड़ी को सफलता मिली। दोनों ने मैकार्टिनी केसलर और क्लारा टौसन की जोड़ी को सीधे सेट में हरा दिया। वहीं तीसरी सीड इटली की जासमीन पाओलिनी और सारा ईरानी को हार का सामना करना पड़ गया। ब्रिटिश नंबर एक खिलाड़ी एम्मा राडुकानु विंबलडन से बाहर हो गई हैं। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर तीसरे राउंड में टॉप सीड आर्यना सबालेंका को 7-6 (8-6), 6-4 से हार मिली।

शिखर धवन की आत्मकथा द वन की घोषणा,बोले- क्रिकेट नहीं संघर्षों की पूरी कहानी

नयी दिल्ली।पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन के जीवन पर उनकी आत्मकथा द वन आ रही है। उन्होंने इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करके दी। धवन ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि मेरी किताब सिर्फ क्रिकेट के मैदान की बात नहीं करती। यह मेरे जीवन के उन पड़ावों, अनदेखे पलों, और मुश्किल दिनों की कहानी है, जब मुझे चोटों और चुनौतियों से जूझना पड़ा। यह किताब बताती है कि मैं आज जहां हूं, वहां तक कैसे पहुंचा। द वन में धवन के दिल्ली में बचपन से लेकर भारतीय जर्सी पहनने के सपने और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे शानदार ओपनर बनने तक का सफर शामिल है। किताब में उनके क्रिकेट करियर के शानदार पल तो होंगे ही, लेकिन इसमें उनकी निजी जिंदगी की चुनौतियां, चोटों का दर्द और क्रिकेट कमबैक की कहानियां भी होंगी।

इंग्लैंड विमेंस ने भारतीय विमेंस को 5 रन से हराया,तीसरे टी-20 में सोफिया-हॉज की सेंचुरी पार्टनरशिप,मंधाना ने 56 रन बनाए

नयी दिल्ली। इंग्लैंड विमेंस ने भारतीय विमेंस को तीसरे टी-20 में 5 रन से हरा दिया। इसी के साथ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में पहले 2 मैच हारने के बाद इंग्लिश विमेंस ने वापसी की। अब सीरीज में भारत की लीड 2-2 की है। लंदन के द ओवल में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 171 रन का स्कोर बनाया। ओपनर डैनी व्याट हॉज और सोफिया डंकले ने हाफ सेंचुरी लगाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 166 रन ही बना पाई। टीम से स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 56 रन बनाए।भारतीय टीम को जीत के लिए आखिरी ओवर में 12 रन चाहिए थे, पर वह नहीं बना सकी। हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर मिलकर सिर्फ 6 रन ही बना की।स्मृति मंधाना रही भारत की टॉप स्कोरर ओपनर स्मृति मंधाना भारत की टॉप स्कोरर रही। उन्होंने 49 गेंदों में 56 रन बनाए। मंधाना ने शेफाली वर्मा के साथ मिल कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी हुई। शेफाली वर्मा ने 25 गेंद में 47 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के भी जड़े। इन दोनों की पार्टनरशिप टूटते ही इंग्लिश गेंदबाज हावी हो गए। उसके बाद कोई भी बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। जेमिमा रोड्रिग्स (20) और हरमनप्रीत कौर (23) ने जरूर 100 के ऊपर की स्ट्राइक रेट से छोटी-छोटी पारियां खेलीं, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकी। इंग्लिश ओपनर्स की शतकीय साझेदारी स्टैंड-इन कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डेनिएल व्याट हॉज ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 137 रन की पार्टनरशिप हुई।सोफिया ने 53 गेंदों का सामना कर 75 रन और डेनिएल व्याट हॉज ने 42 गेंदों का सामना कर 66 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम 9 विकेट के नुकसान पर केवल 171 रन ही बना सकी। वहीं गेंदबाजी में भारत की ओर से अरुंधति रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने 3-3 इंग्लिश बल्लेबाजों को आउट किया।

राशिफल

मेष-: मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह आपाधापी भरा रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर-कारोबार में कुछेक अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करना पड़ेगा

वृष- दैनिक कार्यों में अनुकूलता बनी रहेगी। आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों से भरपूर सहयोग और समर्थन मिलता हुआ नजर आएगा। आप सभी ओर से खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में सीनियर की आप पर विशेष कृपा बरसेगी।

मिथुन-: बीते कुछ समय से बाजार में मंदी का सामना कर रहे थे या फिर कारोबार में आपको मनमुताबिक लाभ की प्राप्ति नहीं हो रही थी, तो आपकी यह शिकायत इस हफ्ते दूर हो सकती है। इस सप्ताह आपको कारोबार में मनचाहा लाभ होगा।

कर्क-: चीजें कभी मन मुताबिक तरीके से बनती हुई नजर आएंगी, तो कभी आपको कार्यों में अनचाही समस्याओं से जूझना पड़ेगा। कर्क राशि के जातकों को इस सप्ताह उन लोगों से खूब सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी।

सिंह-: इस सप्ताह आपके सभी सोचे हुए कार्य समय पर आपके मन मुताबिक पूरे होते हुए नजर आएंगे। करियर हो या फिर कारोबार, हर जगह आप अपने विरोधियों पर विजय हासिल करते हुए मनचाही प्रगति हासिल करेंगे।

कन्या-: अधिक कर्म, अधिक परिश्रम और अधिक प्रयास की आवश्यकता रहेगी। यदि आप आलस्य और अभिमान छोड़कर ऐसा करने में कामयाब रहते हैं, तो आप जीवन में आने वाली सभी अड़चनों को दूर करते हुए अंततः सफलता एवं लाभ प्राप्त करेंगे।

तुला-: प्रत्येक कार्य में मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके आर्थिक सोतों में वृद्धि होगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति के योग बनेंगे। यदि आप अपनी नौकरी में बदलाव के लिए प्रयासरत थे।

वृश्चिक-: आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके चलते आपका बना-बनाया बजट गड़बड़ा सकता है। पूरे सप्ताह तमाम तरह की उतार-चढ़ाव भरी स्थितियों के बने रहने के बावजूद यदि आप धैर्य और विवेक को बनाए रखते हैं।

धनु-: इस सप्ताह किसी प्रभावी व्यक्ति अथवा इष्ट-मित्रों की मदद से करियर-कारोबार से जुड़ी चिंता या मुश्किलें दूर होंगी। सप्ताह की शुरुआत में यात्रा पर जाने के योग बनेंगे। यात्रा सुखद एवं नए संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी।

मकर-: सही और गलत तथा अपने और पराए के बीच फर्क करने में मुश्किलें आ सकती हैं। आप किसी भी निर्णय को लेने में असमंजस की स्थिति से गुजरेंगे, जिसके चलते गलत निर्णय लेने की आशंका बनी रहेगी।

कुंभ-: आपके सोचे हुए कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। आप सभी क्षेत्रों में अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे।

मीन-: किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचते हुए अपने विरोधियों से सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए सप्ताह की शुरुआत थोड़ी उठा-पटक लिए रहने वाली है। इस दौरान उनके सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है।

'एआई में दिलचस्पी रखने वालों से मुझे जलन होती है',केके मेनन बोले- 'स्पेशल ऑप्स-2 का ट्रेलर देख सहम गया था, इसका हिस्सा बनकर प्राउड हूं

नयी दिल्ली। नीरज पांडे और एक्टर केके मेनन की मोस्ट अवेटेड सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' का दूसरा सीजन 11 जुलाई को स्ट्रीम होने जा रहा है। इस बार सीरीज में रॉ ऑफिसर हिम्मत सिंह यानी केके मेनन का सामना साइबर टेररिज्म से होने वाला है। सीरीज के ट्रेलर में हिम्मत सिंह का अनोखा अंदाज और उनके एजेंट्स का जबरदस्त एक्शन देखने मिल रहा है। डेटा वॉर और साइबर टेररिज्म के बीच फंसे हिम्मत सिंह के अंदाज को ऑडियंस से खूब प्यार मिल रहा है। बातचीत में केके मेनन ने हिम्मत के नए अंदाज, साइबर वॉर और एआई पर बात की है।मैंने हिम्मत के किरदार को पकड़कर रखा था। सबसे पहले तो मैं कहूंगा कि पांच साल का गैप नहीं हैं। पहले सीजन के बाद हमने 'स्पेशल ऑप्स 1.5' किया था तो ऐसे में दूसरे सीजन के लिए ढाई साल का गैप रहा है। अगर आपने ट्रेलर देखा होगा तो ये बहुत बड़ी चीज है। इतनी बड़ी चीज को बनाने में टाइम को लगता है। जहां तक हिम्मत सिंह का सवाल है, तो वो मेरे अंदर था। बस इतना होता है कि हर बार किरदार आसान होते जाता है। मैं बस इतना देखता हूं कि इस बार क्या नया पहलू नीरज ने लिखा है। एक बार वो पहलू समझ आ जाए फिर काम करने में मजा आता है। बाकी हिम्मत सिंह तो हिम्मत सिंह ही है।मैं अपनी बात करूं तो मेरे लिए साइबर की दुनिया प्रॉब्लमैटिक है। मैं इसके बारे में कुछ खास जानता नहीं हूं, लेकिन इस दौरान मैंने काफी कुछ सीखा लिया था। जानने के बाद लगा कि मजेदार एरिया है। टेक्नोलॉजी हर तरह से अच्छी ही होती है, इसके पीछे का इंसान अच्छा या बुरा होता है। वो इस चीज का इस्तेमाल कैसे करते हैं, ये उस पर निर्भर होता है। लेकिन मैं कहूंगा कि साइबर की दुनिया आकर्षक है। हमें चीजें समझाने के लिए सेट पर काफी सारे एक्सपर्ट थे। जब आप देखेंगी तो आपको भी बड़ा मजा आएगा।मैं इस मामले में थोड़ा हैंडीकैप्ड हूं। मैं इन चीजों को नहीं जानता हूं। मैंने पहले भी बताया है कि मेरा सबसे पहला ईमेल आईडी साइबर रिलक्टंट था।मुझे लगता है कि कभी कभार इंसान का इंसान बने रहने में ही फायदा होता है। आर्टिफिशियल चीजें मुझे थोड़ी खटकती हैं, चाहे वो इंटेलिजेंस ही क्यों ना हो। अक्सर मुझे पूछा जाता है कि आप टेक्नोलॉजी में दिलचस्पी क्यों नहीं लेते। मुझसे कभी ये नहीं पूछा जाता कि आप स्विमिंग में ओलंपिक्स में क्यों नहीं जाते। ये भी उतनी ही अच्छी चीज है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक कोई चीज है, तो उसके पीछे होड़ लग जाए। बस इतनी सी बात है कि मेरी इनमें कम रुचि है। मैं एआई या तकनीक से नफरत नहीं करता हूं। मैं बहुत ही सकारात्मक तरीके से इस बात को कह रहा हूं कि तकनीक के लेकर रिलक्टंट होना मेरी कमजोरी है। लेकिन जो लोग इन चीजों में दिलचस्पी रखते हैं, मैं उनसे ईर्ष्या भी करता हूं कि वो काफी अच्छा करते हैं। अगर मैं रील की बात करूं तो मुझे वो आकर्षक लगता है कि कैसे लोग चुटकी बजाते रील बना लेते हैं। मुझे एक फोटो खींचने के लिए भी सोचना पड़ता है। ये अपने आप में एक हुनर है, जिसकी मैं सराहना करता हूं।बस इतना कहूंगा कि उस शब्द को गाली न समझें। ये धारण की बात होती है। अगर मैं धारण रखूंगा कि कुछ गलत बोल रहा हूं तो गाली लगेगा। उसे मैं शब्दों के आभास की वजह से बोल रहा हूं, वो अलग बात है। बहुत सारे लोग होते हैं,जिनके पास शब्द नहीं होते है। वो गाली से शब्द को पूरा करते हैं। ये नहीं करना चाहिए। वाक्य का जो हार होता है, गाली को उसी का हिस्सा समझकर बोल दें तो वो भी हार का हिस्सा बन जाता है।हां, स्क्रिप्ट का हिस्सा होता है, मैं ऐसे थोड़ी गाली दूंगा। देखो, नीरज पांडे के साथ एक बात है। मेरे 30 साल के करियर में वो बेस्ट राइटर हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। उनका लिखा एक एक्टर के लिए सब कुछ खोलकर रख देता है। मुझे अपनी तरफ से बहुत कम करना पड़ता है। वो ऐसा लिखते है कि मुझे वो विजुअली भी दिखता है। उसका किरदार और बिहेवियर भी दिखता है। ऐसा बहुत कम लोग कर पाते हैं। इससे ये होता है कि एक्टर का काम बहुत कम हो जाता है। हमें बस 30-40 फीसदी ही काम करना पड़ता है। बाकी सारा काम राइटिंग की वजह से हो जाता है।मैं उनकी लाइन से टस से मस नहीं होता हूं। जब आप कई सारे स्क्रिप्ट पढ़ते हैं तो आपको पता होता है कि इस बंदे ने बहुत सारा काम किया है। बस यूं ही कुछ नहीं लिख दिया है। जो लाइन लिखी गई है, वो अपने आप पूरी तरह परिपक्व है। आप उसे बदल नहीं सकते हैं। आपका मन ही नहीं करेगा उसे बदलने का। कई एक्टर्स होते हैं, जो लाइन बदल देते हैं। ऐसा तब करिए जब आपको इतनी जानकारी हो कि राइटर ने सही रिसर्च नहीं किया है। लेकिन नीरज की स्क्रिप्ट में इसकी गुंजाइश ही नहीं होती। यहां पर सब कुछ लिखा हुआ होता है। गाली, आधी गाली सब कुछ लिखा हुआ होता है। उसे स्क्रीन पर किस तरह प्रेजेंट करना है, ये मेरा काम होता है।आप गलत इंसान से ये सवाल पूछ रही हैं। मैं डर में नहीं जीता। मैं उस प्रकार का इंसान हूं ही नहीं। मेरी जिंदगी के चालीस दिन जा चुके हैं, जो दोबारा नहीं आने वाला है। मैंने उन चालीस दिन को जिया है। उसके बाद मेरी फिल्म या शो का जो हश्र हो, मैं उस पर नहीं सोचता हूं। मेरी लाइफ की यही फिलॉसफी है। अगर इस उतार-चढ़ाव में मैं फंस जाऊं तो मैं आगे का काम नहीं कर पाऊंगा। मैं शुक्रवार से शुक्रवार तक जीता नहीं हूं। मेरे लिए वो चालीस दिन बेहद जरूरी हैं। वो चालीस दिन कैसे गुजरे वो बहुत जरूरी है। मुझे उसे लोगों के साथ एंजॉय करना चाहिए। मैं किसके साथ काम कर रहा हूं ये मेरे लिए बहुत महत्व रखता है। जब कोई शो या फिल्म बनती हैं, तो मैं उन्हें एक पैदाइश कहता हूं। जो भी जन्म लेता है, उसकी अपनी किस्मत होती है। मैं अपना काम बहुत ईमानदारी, शिद्दत और मेहनत से करता हूं और उसके बाद उसे छोड़ देता हूं। हां, बाद में उससे जुड़ा सवाल पूछा जाता है, तो मैं उसका जवाब देता हूं। मैंने उस चीज को जिया है। काम तो पर्दे पर हमेशा रहेगा। मैंने पहली बार जब ट्रेलर देखा तो मुझे इसका हिस्सा होने पर गर्व हुआ। मुझे एहसास हुआ कि इस नीरज ने बहुत बड़े स्केल पर बनाया है। जब मैंने ट्रेलर देखा तो मैं सहम गया। मैंने नीरज को बताया कि क्या कमाल बना है।

हिंदुस्तानी भाऊ-एकता कपूर कंट्रोवर्सी,बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खार पुलिस स्टेशन को भेजा कारण बताओ नोटिस, अश्लीलता मामले में एफआईआर दर्ज न करने पर मांगा जवाब

नयी दिल्ली। यूट्यूबर विकास

पाठक उर्फ 'हिंदुस्तानी भाऊ' ने एकता कपूर पर भारतीय सैनिकों के अपमान का आरोप लगाया है। साल 2020 में उन्होंने मुंबई की खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने अब तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की।इसी के चलते हिंदुस्तानी भाऊ के वकील अली काशिफ खान ने बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट में इस मामले की शिकायत की। कोर्ट ने आज शिकायत पर सुनवाई करते हुए खार पुलिस स्टेशन को 28 जुलाई तक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। यह शिकायत एकता कपूर, उनके पिता जितेंद्र कपूर और माता शोभा कपूर के खिलाफ की गई थी।दरअसल,अल्ट बालाजी पर वेब सीरीज 'ट्रिपल एक्स' में भारतीय सैनिकों का अपमान करने का आरोप है। वकील अली काशिफ खान देशमुख की एफआईआर के मुताबिक अल्ट बालाजी की एक वेब सीरीज के एपिसोड में सेना के जवान को अवैध सेक्शुअल एक्टिविटी करते दिखाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि विकास पाठक उर्फ 'हिंदुस्तानी भाऊ' को मई 2020 में इसके बारे में पता चला था। जिसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के मुताबिक, प्रोड्यूसर ने सीरीज में भारतीय सेना की वर्दी को राष्ट्रीय प्रतीक के साथ अवैध सेक्शुअल एक्ट में दिखाकर हमारे देश की गरिमा और गौरव को गलत तरीके से पेश किया है। इससे पहले भी अल्ट बालाजी पर इसी तरह के सवाल उठाए गए हैं। कई बार सोशल मीडिया और अन्य लोगों ने अल्ट बालाजी के कंटेंट की आलोचना की है।

अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद से ईडी ने 3 घंटे की पूछताछ

नयी दिल्ली। 'पुष्पा' फेम सुपरस?टार अल्लू अर्जुन के पिता और तेलुगू फिल्मों के मशहूर निर्माता अल्लू अरविंद से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन घंटे पूछताछ की है। यह मामला कथित तौर पर 101.4 करोड़ रुपये के हाई-प्रोफाइल मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक धोखाधड़ी का है। अल?लू अरविंद शुक्रवार को हैदराबाद में ईडी के सामने पेश हुए थे। अल्लू अरविंद ने पूछताछ के बाद मीडिया से बात की। 'ग्रेट आंध्रा' द्वारा शेयर किए एक वीडियो में, अल्लू अरविंद कह रहे हैं कि यह मामला 2017 में उनके द्वारा खरीदी गई एक संपत्ति से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'मैं एक कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मामले की जांच सुचारू रूप से आगे बढ़े, इसलिए वह इसमें ईडी के साथ सहयोग कर रहे हैं।'अल?लू अर्जुन के प?िता अल?लू अरविंद ने इस दौरान यह भी कहा है कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। अरविंद ने स्वीकार किया कि वह इस केस से जुडी अधिक जानकारी नहीं दे सकते, क्योंकि एजेंसी अभी इसकी जांच कर रही है।यह हाई-प्रोफाइल मामला रामकृष्ण इलेक्ट्रॉनिक्स और रामकृष्ण टेलीट्रॉनिक्स से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। 'इंडिया टुडे' की रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी ने इस जांच में हैदराबाद, कुरनूल और गाजियाबाद सहित कई स्थानों पर तलाशी ली है। ये मामला यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- जिसे पहले आंध्रा बैंक के नाम से जाना जाता था, की ओर से दर्ज शिकायत के बाद सामने आया है।

स्मिता जयकर बोलीं- सलमान-ऐश्वर्या का प्यार शूटिंग में बढ़ा,'हम दिल दे चुके सनम' के दौरान दोनों की आंखों में प्यार दिखता था

नयी दिल्ली। सलमान खान और

चेहरे पर रोमांस नजर आता था। ऐश्वर्या राय की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' 1999 में आई थी। इसका

निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया था। करीब 25 साल बाद भी लोग इसे याद करते हैं। इसकी कहानी, म्यूजिक और शूटिंग के दौरान सलमान और ऐश्वर्या का रिश्ता भी चर्चा में रहा। फिल्म का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस स्मिता जयकर ने हाल ही में फिल्म मंत्रा से बातचीत में कहा, 'उनका रिश्ता शूटिंग में बढ़ा। इससे फिल्म को बहुत फायदा हुआ। दोनों की आंखों में प्यार दिखता था। उनके यह चीज फिल्म में बहुत काम आई।' स्मिता ने सलमान के बारे में कहा, 'वह काफी शरारती थे, लेकिन बहुत अच्छे और बड़े दिल वाले इंसान भी थे।' उन्होंने बताया कि सेट पर कभी सलमान को गुस्से में नहीं देखा। स्मिता ने कहा, 'लोग फिल्मी सितारों की बातों को बढ़ा-चढ़ा कर बोलते हैं। हमें हमेशा दूसरे का पक्ष नहीं पता होता कि उसने क्या किया जिससे गुस्सा आया।'ऐश्वर्या को लेकर स्मिता ने कहा, 'वह बिना मेकअप के भी बहुत सुंदर लगती थीं। बहुत सादी और जमीन से जुड़ी थीं। कम से कम उस समय तक जब मैं उन्हें जानती थी।'बता दें कि हम दिल दे चुके सनम में सलमान और ऐश्वर्या की जोड़ी मुख्य भूमिका में दिखी थी। फिल्म की कामयाबी और इनकी जोड़ी की चर्चा आज भी होती है। लोग इसे याद करते हैं और इसकी कहानी को पसंद करते हैं। यह 1999 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही और 51 करोड़ रुपए कमाए। इसे 45वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 17 नॉमिनेशन और 7 अवॉर्ड मिले।

ओटीटी के दौर में आमिर खान ने चुना थिएटर,'सितारे जमीन पर' के लिए सिनेमाघर मालिकों ने तारीफ की, दिया गया स्पेशल रिकॉग्निशन अवॉर्ड

नयी दिल्ली। आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' शानदार

प्रदर्शन कर रही है। देशभर में इसने 100 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। इसमें आमिर का किरदार एक कोच का है। गौरतलब है कि कई फिल्ममेकर आजकल अपनी फिल्में सीधे ओटीटी पर रिलीज कर रहे हैं, लेकिन आमिर ने इसे सिनेमाघरों में लाने का फैसला किया। इस फैसले की सराहना देशभर के सिनेमाघर मालिकों और एग्जिबिटर्स ने की।फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त प्रदर्शन रहा है। इसने न सिर्फ आमिर की सेंसिटिव स्टोरीटेलिंग को फिर से साबित किया है, बल्कि थिएटर में परिवार के साथ देखने वाली फिल्मों की अहमियत को भी एक बार फिर सामने रखा है। फिल्म की जबरदस्त कामयाबी का जश्न मनाने के लिए मल्टीप्लेक्स एग्जिबिटर्स की तरफ से एक खास इवेंट रखा गया, जिसमें आमिर खुद शामिल हुए। इस इवेंट के दौरान जब एग्जिबिटर्स ने आमिर को सम्मान के तौर पर छोटी-छोटी यादगार चीजें भेंट कीं। पीवीआर सिनेमा ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'जब सितारे एक साथ आते हैं, तो जादू होता है! पीवीआर आइनॉक्स पिक्चर्स और सिनेपोलिस ने मिलकर 'सितारे जमीन पर' की कामयाबी को सेलिब्रेट करने के लिए एक खास शाम रखी, जिसमें देशभर के एग्जिबिटर्स शामिल हुए और मिस्टर आमिर खान को सम्मानित किया गया। चलिए जश्न मनाते हैं इस फिल्म की सफलता और उस शाम का जो पूरी तरह सिनेमा के नाम रही!' फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई बता दें कि 'सितारे जमीन पर' का निर्देशन आर. एस. प्रसन्ना ने किया है। इसे आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म स्पेन की 2018 की मूवी चैम्पियंस का आधिकारिक रीमेक है। फिल्म में एक सस्पेंड किए गए बास्केटबॉल कोच की कहानी है जिसे समाज सेवा के तौर पर दिव्यांग खिलाड़ियों की टीम तैयार करनी होती है। वह उन बच्चों की टीम तैयार करता है जिन्हें डाउन सिंड्रोम है। सिनेमाघरों में यह 20 जून 2025 को रिलीज हुई।

सिंगर अमाल मलिक ने बॉलीवुड पर साधा निशाना,बोले- कार्तिक आर्यन को हटाने की फिराक में इंडस्ट्री,सुशांत की तरह टारगेट किया जा रहा है

नयी दिल्ली। सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने हाल ही में

बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में खुलकर बात की। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में कार्तिक आर्यन के साथ भी वही व्यवहार हो रहा है, जैसा पहले दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ किया गया था।मिर्ची प्लस को दिए गए इंटरव्यू में अमाल मलिक ने कहा, 'अब लोगों को फिल्म इंडस्ट्री की सच्चाई समझ आ चुकी है। यह इंडस्ट्री अंदर से इतनी काली है कि कई बार लोगों की जान तक चली जाती है। सुशांत सिंह राजपूत इस सबको सहन नहीं कर पाए। कुछ लोग कहते हैं कि उनकी मौत मर्डर थी, कुछ कहते हैं सुसाइड। लेकिन जो भी हुआ, इंसान तो चला गया।उन्होंने आगे कहा, 'इस इंडस्ट्री ने ही उनके मनोबल पर असर डाला। शायद उनके आत्मा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचाया। जब आम जनता को ये सब पता चला, तो उनका भरोसा बॉलीवुड से उठ गया। लोग कहने लगे कि यह इंडस्ट्री बहुत गंदी है।' अमाल मलिक ने आगे कहा कि सुशांत की मौत के बाद इंडस्ट्री की असली सच्चाई सामने आई और इसकी छवि खराब हो गई। इन लोगों ने जो किया, उसका नतीजा अब इन्हें भुगतना पड़ रहा है। ये लोग अब अपने डाउनफॉल के दौर से गुजर रहे हैं और ये इसके हकदार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब वही सब कार्तिक आर्यन के साथ भी हो रहा है। उसे भी अलग करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन फिर भी वह मेहनत कर रहा है, मुस्कुरा रहा है, डांस करता है और आगे बढ़ रहा है। कार्तिक भी एक आउटसाइडर है, जिसने अपनी मेहनत से नाम कमाया है। लेकिन अब भी 100 लोग उसे हटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। इंडस्ट्री में पावर प्ले होता है, गेम्स खेले जाते हैं और बड़े-बड़े प्रोड्यूसर और एक्टर्स इसमें शामिल रहते हैं।'सुशांत सिंह राजपूत 14 जून, 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमयी तरीके से मृत पाए गए थे।

यूरिन से आंखें धोने का वीडियो वायरल,डॉक्टर की चेतावनी मेडिकल सलाह सोशल मीडिया से न लें, एक्सपर्ट की सुनें

नयी दिल्ली। बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक हैरान करने वाला वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में पुणे की रहने वाली एक महिला, जो

खुद को 'मेडिसिन फ्री लाइफ कोच' बताती हैं, वह अपनी आंखों को अपने ही यूरिन से धोती नजर आ रही हैं। उनका दावा है कि यह प्रक्रिया आंखों के ड्राइनेस, जलन और रेडनेस जैसी समस्याओं से राहत दिलाती है। आंखें शरीर का सबसे नाजुक और सेंसिटिव अंग हैं। सोशल मीडिया पर फैले इस तरह के मिथकों के चलते कई लोग बिना सोचे-समझे एक्सपेरिमेंट करने लगते हैं, जो भविष्य में उनकी आंखों की रोशनी तक छीन सकता है। मेडिकल एक्सपर्ट्स इस तरह के सोशल मीडिया ट्रेंड को न केवल बेबुनियाद, बल्कि आंखों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक मानते हैं।यूरिन में बैक्टीरिया, गंदगी और शरीर के अपशिष्ट पदार्थ होते हैं। ये आंखों जैसे नाजुक अंग के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं। आंखों को धोने के लिए जो पानी या दवा इस्तेमाल होती है, उसका पीएच संतुलित (7.4 के आसपास) होता है, ताकि आंखों को कोई नुकसान न हो। लेकिन यूरिन अम्लीय होता है, जो आंखों में जलन, सूजन और यहां तक कि नजर कमजोर करने का कारण बन सकता है। यूरिन बिल्कुल भी साफ नहीं होता, इसलिए इसे आंखों में डालना खतरनाक और पूरी तरह गलत है। लोग अक्सर बिना खर्च और बिना दवा के जल्दी ठीक होने के तरीके ढूंढते हैं। जब कोई नुस्खा नेचुरल, घरेलू या फौरन असरदार बताया जाता है, तो वे उसे आजमाने में देर नहीं लगाते हैं। साथ ही किसी वीडियो में आत्मविश्वास से बोले गए शब्द, शांत बैकग्राउंड, देसी लहजा और 'ा-दीर्' का दावा लोगों को यकीन दिला देता है कि यह सच होगा। इसके अलावा जब कोई स्वास्थ्य समस्या होती है और जानकारी कम होती है तो लोग जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। खासकर जब दावा करने वाला खुद को 'लाइफ कोच', 'एक्सपर्ट' होने का दावा करता है। आंखों को लेकर एक छोटी सी लापरवाही भी सेहत पर गहरा असर डाल सकती है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। कई बार फर्जी एक्सपर्ट के बताए नुस्खों के कारण आंखों को स्थायी नुकसान भी हो सकता है। इसलिए आंखों की देखभाल को लेकर कुछ विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। डॉ. नीरज मनचंदा बताते हैं कि शहद और नींबू में एसिड और शुगर कंटेंट होता है, जो आंखों की नाजुक सतह को जला सकता है और इन्फेक्शन का कारण बन सकता है। नींबू का रस आंखों में जाने से तेज जलन, रेडनेस और कॉर्निया डैमेज हो सकता है। यह दावा कि इससे आंखों की रोशनी बढ़ती है, पूरी तरह से झूठ है। बाजार में मिलने वाला ज्यादातर गुलाब जल चेहरे और स्किन के लिए तैयार किए जाते हैं। इसमें प्रिजर्वेटिव्स, खुशबू और केमिकल मिले होते हैं, जो आंखों के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ऐसा गुलाब जल आंखों में डालने से जलन, खुजली, एलर्जी या इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। ब्लू लाइट फिल्टर या ग्लास कुछ हद तक आंखों की थकान कम कर सकते हैं, लेकिन स्क्रीन का लगातार इस्तेमाल आंखों में ड्राइनेस और तनाव पैदा करता है। मोबाइल, लैपटॉप या टीवी स्क्रीन को लगातार देखने से आंखों में ड्राइनेस (सूखापन), तनाव और कभी-कभी धुंधला दिखाई देना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचने के लिए 20-20-20 रूल अपनाना बहुत जरूरी है। यानी हर 20 मिनट में कम से कम 20 फीट दूर किसी चीज को 20 सेकेंड तक देखें। साथ ही स्क्रीन ब्राइटनेस कम रखना, आंखों को समय-समय पर झपकाना और पर्याप्त नींद लेना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है।आंखों में चाय की पत्ती या ग्रीन टी लगाना एक आम घरेलू नुस्खा माना जाता है, लेकिन यह एक खतरनाक मिथक है। चाय या ग्रीन टी में मौजूद कैफीन और टैनिन जैसे तत्व आंखों की नाजुक स्किन और सतह के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसलिए आंखों की किसी भी समस्या के लिए नेत्र विशेषज्ञ की राय लेना सबसे सुरक्षित उपाय है।

'बैटल ऑफ गलवान' का मोशन पोस्टर जारी,सलमान खान दमदार लुक में आए नजर, गलवान की ऐतिहासिक जंग पर आधारित है फिल्म

नयी दिल्ली। सलमान खान की नेक्स्ट मच अवेटेड फिल्म

'बैटल ऑफ गलवान' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर मोशन पोस्टर को शेयर करते हुए, कैप्शन में गलवान वैली लिखा है। 'बैटल ऑफ गलवान' के पोस्टर में वो बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सलमान का चेहरा खून में लथपथ है। वो बड़ी मूंछें के साथ गुस्से में दिख रहे हैं। बैकग्राउंड में बर्फ से ढके पहाड़ नजर आ रहे हैं। ये फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई खातरनाक झड़प पर आधारित है। जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। ये जंग 15,000 फीट की ऊंचाई पर लड़ी गई थी। इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स प्रोड्यूस और अपूर्व लाखिया डायरेक्ट करेंगे। इसमें सलमान के अपोजिट अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। साथ ही फिल्म में कई नए चेहरे भी दिखेंगे। फिल्म में सलमान कर्नल बी.संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया देने वाले हैं।सलमान के पोस्ट पर उनके फैंस अब जमकर प्यार लुटा रहे हैं। उन्हें एक्टर का इंटेंस लुक काफी पसंद आ रहा है। एक यूजर ने लिखा- 'उम्मीद है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बर्फीला तूफान लाएगी'। एक्टर के दूसरे फैंस ने लिखा- 'टाइगर वापस आ रहा है।' वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि उनसे अब इंतजार नहीं हो रहा है। बता दें कि साल 2020 में लद्दाख के गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच एक खतरनाक झड़प हुई थी।

यह इलाका लंबे समय से विवादित सीमा क्षेत्र माना जाता है। 15 जून को हुई इस भिड़ंत में दोनों देशों के सैनिकों की जान गई थी और ये लगभग 45 साल में पहली बार था जब भारत-चीन सीमा पर जानें गईं। इस लड़ाई में बंदूकें नहीं चलीं क्योंकि उस इलाके में हथियारों के इस्तेमाल की मनाही थी। सैनिकों ने डंडों, पत्थरों और हाथों से ही संघर्ष किया था। यह घटना भारत और चीन के रिश्तों में एक बड़ा मोड़ साबित हुई थी।

मुनव्वर फारूकी ने बेटे की खातिर किया दूसरा निकाह, उधर मेहजबीन का भी था वही हाल

नयी दिल्ली। मुनव्वर फारूकी और मेहजबीन कोटवाला ने 2024 में शादी की थी। फराह खान के नए व्लॉग में, स्टैंडअप कॉमेडियन ने खुलासा किया कि कैसे उन्होंने अपनी पत्नी से मिलने के सिर्फ एक महीने बाद ही शादी कर ली और यह भी शेयर किया कि उन्हें यह बड़ा फैसला लेने में क्यों वक्त नहीं लगा। जब फराह खान ने मुनव्वर फारूकी को उनकी चमक के बारे में चिढ़ाते हुए कहा कि शादी उन्हें सूट करती है, तो मुनव्वर ने इसका कारण बताया। मुनव्वर फारूकी ने जवाब दिया, 'जिंदगी में जब सुकून हो ना, तब नूर आ जाता है।' बिग बॉस 17 को याद करते हुए फराह ने कहा कि उनका सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिस पर मुनव्वर ने सहमति जताई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में मुनव्वर को सीक्रेट रहने के लिए चिढ़ाया और कहा कि वह किसी और से बात कर रहे थे, किसी और से प्यार कर रहे थे, और फिर एक अलग लड़की से शादी कर ली। मुनव्वर ने कबूल किया, 'मैंने जिससे शादी की, वो शादी एक महीने पहले ही फिक्स हुई थी।' फराह खान ने मुनव्वर से पूछा सवाल फराह खान ने पूछा कि क्या बिग बॉस 17 के घर में रहने के दौरान उनकी शादी की कोई प्लानिंग नहीं थी और मुनव्वर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि लोगों ने उन्हें गलत समझा क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक बयान नहीं दिए। उन्होंने खुलासा किया कि जब वह बिग बॉस 17 में थे तो उन्हें ये भी नहीं पता था कि उनकी होने वाली पत्नी कौन होगी। मुनव्वर फारूकी ने अचानक क्यों किया निकाह! मुनव्वर फारूकी ने बताया कि बिग बॉस 17 के बाद वे काम में व्यस्त हो गए, जबकि उनका बेटा मिकेल अपनी बहन के साथ रहने लगा। उन्होंने अपने बेटे के साथ करीब 6-7 दिन बिताए, लेकिन जाने से पहले उन्हें एहसास हुआ कि मिकेल को उनकी कितनी जरूरत है क्योंकि वे लगातार उसे गले लगाते रहते थे। इस एहसास ने मुनव्वर को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अपने बेटे को कैसे अपने पास रखें। बेटे की खातिर की शादी दोबारा शादी करने के अपने फैसले पर बात करते हुए मुनव्वर ने कहा, 'उसके (अपने बेटे) लिए ही मैंने यह फैसला लिया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक डॉ. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।